आज़ादी का अमृत महोत्सव

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड

वार्षिक रिपोर्ट 2021-22

विषय सूची

1 बोर्ड के सदस्य

2 बीता वर्ष

8 सहकारी व्यवसाय को प्रोत्साहन देना

12 डेरी सहकारिताओं को वित्तीय सहायता

14 उत्पादकता वृद्धि

15 पशु प्रजनन

21 पशु पोषण

23 पशु स्वास्थ्य

25 अनुसंधान एवं विकास

30 सूचना नेटवर्क का निर्माण

32 अभियांत्रिकी सेवाएं

37 उत्पाद एवं प्रक्रिया विकास

38 गुणवत्ता आश्वासन

40 पशु उत्पादकता और स्वास्थ्य के लिए सूचना नेटवर्क तथा राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन

44 काफ प्रयोगशाला

46 एनडीडीबी द्वारा प्रबंधित परियोजनाएं

50 एनडीडीबी फाउंडेशन फॉर न्यूट्रीशन

52 मानव संसाधन विकास

57 जनशक्ति का विकास

60 अन्य गतिविधियां

62 सहायक कंपनियां

63 आईडीएमसी लिमिटेड

64 इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड

65 मदर डेरी फ्रूट एंड वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड

67 एनडीडीबी डेरी सर्विसेज

70 डेरी सहकारिताओं की एक झलक

75 आगंतुक

76 लेखा-जोखा

102 राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड के अधिकारी

109 शब्दावली

बोर्ड के सदस्य

श्री मीनेश सी शाह
अध्यक्ष[1] और कार्यपालक निदेशक
एनडीडीबी

श्री भुवनेश कुमार[5]
अध्यक्ष
प्रादेशिक सहकारी डेरी महासंघ लिमिटेड
उत्तर प्रदेश

श्रीमती एन विजयालक्ष्मी[6]
अध्यक्ष
बिहार राज्य दूध सहकारी महासंघ लिमिटेड
(कॉम्फेड) बिहार

सुश्री वर्षा जोशी
अध्यक्ष, एनडीडीबी[2]
संयुक्त सचिव (मवेशी एवं डेयरी विकास)[3]
अपर सचिव (मवेशी एवं डेयरी विकास)[4]
पशुपालन एवं डेयरी विभाग
मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय
भारत सरकार

श्री शामलभाई बी पटेल[7]
अध्यक्ष
गुजरात सहकारी दूध विपणन महासंघ लिमिटेड
गुजरात

[1] अध्यक्ष, एनडीडीबी का अतिरिक्त प्रभार 1 जून 2021 से
[2] अध्यक्ष, एनडीडीबी का अतिरिक्त प्रभार 30 मई 2021 तक
[3] 6 दिसंबर 2021 तक
[4] 6 दिसंबर 2021 से
[5] 7 मई 2021 तक
[6] 2 जुलाई 2021 से 22 अगस्त 2021 तक
[7] 11 अगस्त 2021 से

बीता वर्ष

देश में दूध उत्पादन में वृद्धि निरंतर जारी है, प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन लगभग 445 ग्राम दूध की उपलब्धता के साथ वर्ष 2021-22 के दौरान 22.3 करोड़ टन दूध उत्पादन होने की संभावना है।

2021-22 में डेरी क्षेत्र ने एक बार फिर अपनी उपयोगिता साबित की, जब कोविड-19 की महामारी चरम पर थी और इसने लाखों छोटे और सीमांत डेरी किसानों की आजीविका की सफलतापूर्वक रक्षा की है। देश में दूध उत्पादन में वृद्धि निरंतर जारी है और प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन लगभग 445 ग्राम दूध की उपलब्धता के साथ वर्ष 2021-22 के दौरान 22.3 करोड़ टन दूध उत्पादन होने की संभावना है।

डेरी सहकारिताओं द्वारा दूध का संकलन वर्ष 2021-22 में 5.5 प्रतिशत तक बढ़कर 587 लाख किलोग्राम प्रतिदिन हो गया, वहीं तरल दूध की बिक्री 7 प्रतिशत तक बढ़कर 390 लाख लीटर प्रतिदिन हो गई।

वर्ष की पहली छमाही के दौरान, दूध पाउडर की मांग में कमी और एसएमपी की इन्वेंट्री में वृद्धि के कारण स्किम्ड मिल्क पाउडर (SMP) की कीमतें 200 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास बनी रहीं। डेरी कमोडिटी की कम कीमतों के अलावा, ऊर्जा, परिवहन और पैकेजिंग सामग्री की बढ़ती लागत ने डेरी क्षेत्र की चिंता को बढ़ा दिया। चुनौतीपूर्ण स्थिति के बावजूद, डेरी सहकारिताओं ने डेरी किसानों को 4.5 प्रतिशत फैट और 8.5 प्रतिशत एसएनएफ के लिए लगभग 31 रुपये प्रति लीटर के औसत कीमत का भुगतान करना निरंतर जारी रखा।

वर्ष की दूसरी छमाही के दौरान, बढ़ती अंतरराष्ट्रीय डेरी कमोडिटी की कीमतों और आकर्षक निर्यात बाजार ने घरेलू डेरी कमोडिटी की कीमतों मे सुधार लाने में मदद की। डेरी की अनुकूल निर्यात प्रतिस्पर्धा ने पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2021-22 में निर्यात में लगभग 78 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने में मदद की और 3,815 करोड़ रुपये का कारोबार किया। वर्ष के अंत तक, एसएमपी का कारोबार करीब 300 रुपये प्रति किलो पर किया गया, जबकि मक्खन का कारोबार करीब 400 रुपये प्रति किलो पर किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य

एफएओ के अनुसार, 2021 में वैश्विक दूध उत्पादन 92.8 करोड़ टन तक पहुंचने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 1.5 प्रतिशत अधिक है। प्रमुख एशियाई देशों में दूध उत्पादन में हुई वृद्धि से वैश्विक दूध उत्पादन को अपनी वृद्धि दर को बरकरार रखने में मदद मिली।

पिछले वर्ष की तुलना में 2021 के दौरान अंतरराष्ट्रीय व्यापार लगभग 2 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 8.8 करोड़ टन (दूध के समतुल्य) हुआ। दूध की समतुल्यता में, चीन वैश्विक व्यापार में लगभग 24 प्रतिशत के शेयर के साथ प्रमुख आयातक देश बना हुआ है।

अप्रैल और जुलाई 2021 के दौरान, सुस्त व्यापार गतिविधियों के कारण अंतर्राष्ट्रीय एसएम पी और मक्खन की कीमतों में क्रमशः 12 प्रतिशत और 23 प्रतिशत की गिरावट आई।

हालांकि, जुलाई 2021 के बाद, उपभोक्ताओं के साथ-साथ खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की बढ़ती मांग के कारण कीमतें बढ़ने लगीं। मार्च 2022 में एसएमपी और मक्खन दोनों की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मार्च 2022 में मक्खन लगभग 7,000 डॉलर प्रति टन के सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि एसएमपी का लगभग 4,500 डॉलर प्रति टन के दर से कारोबार किया।

वर्ष 2021-22 के दौरान मुद्रास्फीति कई देशों के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय रही। विश्व खाद्य कीमतों में वृद्धि शुरू हो गई और रूस के यूक्रेन पर आक्रमण और यूक्रेन के निर्यात में हुई हानि के कारण वैश्विक खाद्य कीमतों ने आसमान छू लिया। एफएओ के अनुसार, मार्च 2022 में वैश्विक खाद्य मुद्रास्फीति लगभग 34 प्रतिशत थी, जबकि इसी अवधि के दौरान भारत में यह 8 प्रतिशत रही।

दिल्ली में आयोजित एक समारोह के दौरान माननीय केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी ने एनडीडीबी को *राजभाषा कीर्ति प्रथम पुरस्कार* से सम्मानित किया। एनडीडीबी के अध्यक्ष श्री मीनेश शाह ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

डॉ. कुरियन का जन्म शताब्दी वर्ष

डॉ. कुरियन का human portrait

राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के अवसर पर माननीय केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री ने मिल्कोबाइक – दुग्ध मशीनों के साथ मोटरसाइकिलों को हरी झंडी दिखाई, नस्ल गुणन योजना के लिए एनडीडीबी द्वारा विकसित वेब पोर्टल का शुभारंभ और शहरी जैविक खाद किट का अनावरण किया।

भारत में श्वेत क्रांति के जनक कहे जाने वाले डॉ. वर्गीज कुरियन की जयंती 26 नवंबर को राष्ट्रीय दूध दिवस के रूप में मनाया जाता है। ऑपरेशन फ्लड के प्रणेता डॉ. कुरियन ने भारत को विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे ग्रामीण परिवारों का सामाजिक-आर्थिक विकास हुआ। यह वर्ष उनकी जन्म शताब्दी का वर्ष था। डॉ. कुरियन को श्रद्धांजलि देते हुए डेरी संस्थाओं ने उनके विज़न को आगे बढ़ाने के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाई।

पशुपालन और डेयरी विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और अन्य संस्थाओं –गुजरात को-ऑपरेटीव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (जीसीएमएमएफ), कैरा मिल्क यूनियन (अमूल डेरी), एनसीडीएफआई लिमिटेड, ईन्स्टीट्यूट ऑफ रूरल मेनेजमेंट, आणंद (IRMA), मदर डेरी फ्रूट एंड वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड (MDFVPL), IDMC लिमिटेड, इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड (IIL), एनडीडीबी डेरी सर्विसेज (NDS) और आनंदालय ने संयुक्त रूप से डॉ. वर्गीज कुरियन की जन्मशताब्दी मनाने के लिए 26 नवंबर 2021 को एनडीडीबी आणंद में 'राष्ट्रीय दुग्ध दिवस' मनाया।

समारोह के दौरान, माननीय श्री परशोत्तम रूपाला, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री ने देश में देशी नस्ल के गायों/भैंस को पालने वाले सर्वश्रेष्ठ डेरी किसान, सर्वश्रेष्ठ कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन और सर्वश्रेष्ठ डेरी सहकारी समिति (DCS)/ दूध उत्पादक कंपनी/डेरी किसान उत्पादक संस्था विजेताओं को गोपाल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया। यह पुरस्कार देशी दुधारू नस्लों के पालन और सर्वोत्तम पद्धतियों और इनोवेशन को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। समारोह के दौरान, धाम्रोड, गुजरात और हेसारघाट्टा, कर्नाटक में आईवीएफ लैब और स्टार्ट-अप ग्रैंड चैलेंज 2.0 का भी उद्घाटन किया गया। केंद्रीय मंत्री ने इस अवसर पर मिल्कोबाइक – दूध मशीनों के साथ मोटरसाइकिलों को हरी झंडी दिखाई, नस्ल गुणन योजना के लिए एनडीडीबी द्वारा विकसित वेब पोर्टल का शुभारंभ किया और शहरी जैविक खाद किट का अनावरण किया। इस अवसर पर एक टीवीसी – दूध दूध पियो ग्लास फुल और डॉ. कुरियन पर एक श्रद्धांजलि फिल्म दिखाई गई।

एनडीडीबी के संस्थापक अध्यक्ष को सम्मानित करने के लिए 20 करोड़ footsteps को पूरा करने के उद्देश्य से वॉकथॉन – *कदमफॉरकुरियन* के साथ डॉ. कुरियन की 100वीं जयंती के उत्सव की शुरुआत हुई। *कदमफॉरकुरियन* ऐप के माध्यम से लोगों के footsteps दर्ज किए गए। वॉकाथॉन का समापन डॉ. कुरियन के human portrait के निर्माण के साथ हुआ।

शताब्दी समारोह के हिस्से के रूप में, एनडीडीबी के सभी चार क्षेत्रीय कार्यालयों में डॉ. कुरियन के जीवन को प्रदर्शित करने वाली स्मारक प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। स्कूलों/कॉलेजों और डेरी से संबद्ध छात्रों ने दूरदर्शी कुरियन के जीवन की झलक को उत्सुकता से देखा।

एनडीडीबी द्वारा आयोजित कविता, निबंध, पोस्टर, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के विजेताओं और डॉ. कुरियन की स्मृति में जीसीएमएमएफ लिमिटेड द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के विजेता और उप-विजेता को केंद्रीय मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया।

IDF WDS एक वार्षिक समारोह है जिसमें डेरी उत्पादकों, प्रोसेसर, विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं सहित दुनियाभर के प्रतिनिधि विज्ञान, प्रौद्योगिकी और इनोवेशन से संबंधित सम-सामयिक विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान करते हैं

अंतर्राष्ट्रीय डेरी महासंघ - भारत में विश्व डेरी शिखर सम्मेलन 2022 का आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय डेरी महासंघ (IDF) और आईडीएफ की भारतीय राष्ट्रीय समिति (IDF-INC) भारत में, ग्रेटर नोएडा (दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र), इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 9-16 सितंबर 2022 के दौरान आईडीएफ विश्व डेरी शिखर सम्मेलन (WDS) - 2022 और संबंधित बैठकों की मेजबानी करने के लिए सहमत हुए। एनडीडीबी के अध्यक्ष द्वारा विश्व डेरी समुदाय के लिए इसकी औपचारिक घोषणा 10 अक्तूबर 2021 को कोपेनहेगन, डेनमार्क में आईडीएफ विश्व डेरी शिखर सम्मेलन के दौरान की गई थी और आगामी शिखर सम्मेलन पर एक प्रस्तुति और शिखर सम्मेलन का वीडियो भी जारी किया गया था। पूर्व शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने वाले दक्षिण अफ्रिका द्वारा 2020 के नियोजित शिखर सम्मेलन (जिसे कोविड–19 की महामारी के कारण बाद में निरस्त करना पड़ा) के लिए अध्यक्ष एनडीडीबी को आईडीएफ़ डबल्यूडीएस की प्रतीकात्मक कुंजी सौंपी गई । आईडीएफ़ डबल्यूडीएस 2022 का आयोजन दो वर्ष के अंतराल के बाद किया जाएगा। भारत 4 दशकों के अंतराल के बाद, इस व्यापक स्तर के डेरी कार्यक्रम की मेजबानी करेगा – भारत में आयोजित अंतिम अंतर्राष्ट्रीय डेरी कार्यक्रम 1974 में आयोजित आईडीएफ वर्ल्ड डेरी कांग्रेस था। डबल्यूडीएस –आईडीएफ़ का एक वार्षिक कार्यक्रम है जिसमें डेरी उत्पादकों, प्रोसेसर, विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं सहित दुनियाभर के प्रतिनिधि विज्ञान, प्रौद्योगिकी और इनोवेशन में सामयिक मुद्दों पर विचारों का आदान–प्रदान करते हैं। भारत मे आयोजित होने वालें आईडीएफ़ डबल्यूडीएस – 2022 का विषय 'पोषण और आजीविका के लिए डेरी' है और इसमें 1,500 प्रतिभागियों के एकत्रित होने की संभावना है। एनडीडीबी, आईएनसी आईडीएफ के सचिवालय के रूप में, शिखर सम्मेलन के आयोजन से संबंधित गतिविधियों का समन्वय कर रही है।

गोपाल रत्न पुरस्कार 2020-21

पशुपालन और डेयरी विभाग ने विभिन्न संस्थाओं और व्यक्तियों को गोपाल रत्न पुरस्कार 2020–21 प्रदान किए। यह पुरस्कार उत्पादकता बढ़ाने, देशी नस्ल के संरक्षण और डेरी सहकारिताओं के प्रभावी प्रबंधन के लिए अभिनव प्रौद्योगिकीय प्रक्रियाओं को अपनाने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए दिया गया। एनडीडीबी ने गोपाल रत्न पुरस्कार 2020–21 के निर्धारण और संवर्धन में सहयोग और समन्वय किया। यह पुरस्कार समारोह एनडीडीबी आणंद में राष्ट्रीय दुग्ध दिवस यानी 26 नवंबर, 2021 को आयोजित किया गया।

पशुमित्र: एनडीडीबी कॉल सेंटर

एनडीडीबी ने *पशु मित्र* नामक एक कॉल सेंटर की स्थापना की है, जहां डेरी किसान पशु स्वास्थ्य, पशु प्रजनन और पशु पोषण से संबंधित अपने प्रश्नों के लिए एनडीडीबी में विशेषज्ञों से सीधे संपर्क कर सकते हैं। अधिकांश प्राप्त कॉलें पशु स्वास्थ्य से संबंधित

2021–22 के दौरान,
एनडीडीबी कॉल सेंटर की

26

राज्यों तक पहुंच स्थापित हुई

समस्याओं पर जानकारी या मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए थीं। वर्ष 2021–22 के दौरान कुल 26 राज्यों से कॉल प्राप्त हुए।

प्रधानमंत्री श्रम-योगी मानधन (PM-SYM) योजना के लाभ का विस्तारीकरण

यह मानते हुए कि डेरी किसानों के पास राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक सुरक्षा के लिए कोई विशिष्ट योजना नहीं है, एनडीडीबी ने श्रम और रोजगार मंत्रालय (MoLE), पशुपालन और डेयरी विभाग, LIC और CSC के परामर्श से डेरी सहकारिताओं के साथ पंजीकृत डेरी किसानों को PM-SYM के विस्तार से संबंधित दिशानिर्देशों के बारे में जानकारी प्रदान की।

एनडीडीबी ने डेरी किसानों के लिए PM-SYM योजना में तेजी से नामांकन को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास किए।

असम में डेरी विकास

असम के माननीय मुख्यमंत्री के अनुरोध पर, एनडीडीबी ने असम के लिए एक व्यापक डेरी विकास योजना तैयार करने का बीड़ा उठाया, जिससे राज्य अगले कुछ वर्षों में दूध उत्पादन, संकलन, प्रसंस्करण और विपणन में आत्मनिर्भर बन सके। इसके बाद, असम सरकार और एनडीडीबी के बीच 7 जनवरी, 2022 को गुवाहाटी में 50:50 इक्विटी शेयर के साथ एक संयुक्त उद्यम कंपनी स्थापित करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। संयुक्त उद्यम कंपनी क्लस्टर डेरी सहकारी संघों के माध्यम से राज्य भर में एक व्यापक असम डेरी विकास योजना (ADDP) को लागू करके, WAMUL मॉडल के माध्यम से अब तक हासिल की गई असम में सहकारी डेरी की सफलता को दोहराने में सक्षम होगी।

कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान सहकारिताओं को सहयोग

भारत सरकार की एसडीसी और एफपीओ योजना के तहत कार्यशील पूंजी ऋण (working capital loan) की सुविधा प्रदान करके देश की डेरी सहकारिताओं को सहयोग दिया गया। एनडीडीबी ने किसान सदस्यों के हितों की रक्षा के लिए एडवाइजरी जारी करके डेरी सहकारिताओं को मार्गदर्शन प्रदान करना निरंतर जारी रखा। चुनौतीपूर्ण समय के बावजूद, डेरी सहकारिताओं ने दूध के संकलन मूल्य को स्थिर रखकर किसानों की आजीविका में सहयोग दिया। एनडीडीबी ने विभिन्न केन्द्रीय/राज्य सरकार योजनाओं के अंतर्गत सहायता प्राप्त करने के लिए डीपीआर तैयार करने में डेरी सहकारिताओं को निशुल्क आधार पर सहायता प्रदान की। वर्ष 2021–22 के दौरान, एनडीडीबी ने हरियाणा डेरी विकास सहकारी महासंघ लिमिटेड (HDDCF), मथुरा दूध संघ, शाहजहांपुर महिला दूध संघ लिमिटेड (SHMMUL), भीलवाड़ा दूध संघ, बल्लभगढ़ दूध संघ, वाराणसी दूध संघ और उड़ीसा स्टेट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स फेडरेशन लिमिटेड (OMFED) को डीपीआर तैयार करने में सहायता की।

एनडीडीबी द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यशालाओं में लगभग 146 डेरी सहकारिताओं, 17 दूध महासंघों, 16 उत्पादक कंपनियों, मदर डेरी और लगभग 50 निजी डेरियों ने भाग लिया।

एकीकृत डेरी मार्क - कंफर्मिटी असेसमेंट स्कीम

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा 23 दिसंबर, 2021 को एकीकृत डेरी मार्क - कंफर्मिटी असेसमेंट स्कीम के लोगो का डिजिटल रूप से शुभारंभ किया गया। शुभारंभ कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, एनडीडीबी ने उत्पाद-खाद्य सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली-प्रक्रिया प्रमाणन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम भौतिक और डिजिटल रूप से 32 विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए गए। कार्यशालाओं में लगभग 146 डेरी सहकारिताओं, 17 महासंघों, 16 उत्पादक कंपनियों, मदर डेरी और लगभग 50 निजी डेरियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में लगभग 1,000 प्रतिभागियों ने भौतिक रूप से भाग लिया, जबकि 2,000 से अधिक प्रतिभागियों ने डिजिटल रूप से भाग लिया।

राष्ट्रीय डेरी योजना, चरण II

विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित राष्ट्रीय डेरी योजना चरण-I (NDP-I) के सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद, राष्ट्रीय डेरी योजना II (NDP-II), जिसे राष्ट्रीय डेरी सहायता परियोजना (NDSP-II) के रूप में भी जाना जाता है, के द्वितीय चरण की संकल्पना की गई।

एनडीपी II की प्रारंभिक परियोजना रिपोर्ट (PPR) को भारत सरकार द्वारा सैद्धांतिक रूप से अनुमोदित कर दिया गया है और विचारार्थ विश्व बैंक को अग्रेषित कर दिया गया है।

प्रस्तावित परियोजना भारत के चुनिंदा राज्यों में डेरी क्षेत्र के प्रमुख कमियों को दूर करेगी और पशु उत्पादकता, अनुकूलता (resilience) और लाभप्रदता में वृद्धि की दिशा में डेरी क्षेत्र में सहायक होगी। एनडीपी II के तहत, सहकारी संस्थाओं और उनकी विपणन गतिविधियों के विकास और सुदृढ़ीकरण, वैज्ञानिक आहार पद्धतियों और चारा उत्पादन/संरक्षण को बढ़ावा देने, आईसीटी सहयोग के माध्यम से डेरी व्यवसाय संचालन को मजबूत करने और दूध की गुणवत्ता आश्वासन और सुरक्षा के साथ-साथ डेरी किसानों और डेरी से जुड़े अधिकारियों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। ग्रीनहाउस गैस (GHG) शमन और जलवायु अनुकूलन (resilience) के लिए जलवायु स्मार्ट परियोजनाओं को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

इस संबंध में, दो identification missions पहले ही पूरे किए जा चुके हैं और एनडीपी II के लिए Project Information Document (PID) को विश्व बैंक द्वारा अनुमोदन के पहले चरण के रूप में प्रकाशित किया जा चुका है।

भारत सरकार को तकनीकी सहयोग

एनडीडीबी ने वर्ष के दौरान पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD), भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI), भारतीय निर्यात निरीक्षण परिषद (EICI) आदि जैसे विभिन्न नियामक, वैज्ञानिक और सलाहकार निकायों को अपना सहयोग देना निरंतर जारी रखा। डेरियों की निर्यात योग्यता के मूल्यांकन के लिए पैनलिस्ट के रूप में निर्यात निरीक्षण एजेंसी (EIA) को भी सहयोग प्रदान किया गया। एनडीडीबी ने भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) के साथ मिलकर काम करना जारी रखा और दूध और दूध उत्पादों के लिए भारतीय मानकों (IS) के विकास के लिए वैज्ञानिक/तकनीकी समितियों में भागीदारी के माध्यम से तकनीकी सहयोग प्रदान किया। एनडीडीबी ने अंतर्राष्ट्रीय डेरी महासंघ (IDF) की भारतीय राष्ट्रीय समिति (INC) के सचिवालय के रूप में भी काम किया और कोडेक्स एलिमेंटेरियस भागीदारी कमीशन की प्रासंगिक बैठकों में भाग लिया तथा अंतर्राष्ट्रीय खाद्य मानकों के विकास में योगदान देने हेतू इनकी समितियों में भागीदारी की।

एनडीडीबी द्वारा आयोजित उत्पाद-खाद्य सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली-प्रक्रिया प्रमाणन से संबंधित जागरूकता कार्यक्रमों में

1,000

प्रतिभागी उपस्थित रहे

सहकारी व्यवसाय को प्रोत्साहन देना

वर्ष 2021-22 के दौरान, 'उत्पादक स्वामित्व वाली संस्थाओं (POI) के विपणन संचालन के सुदृढ़ीकरण हेतु सहयोग' योजना के अंतर्गत 15 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ 16 परियोजना प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

उत्पादक स्वामित्व वाली संस्थाओं के पुनः सुदृढ़ीकरण की योजना

विश्वस्त दूध उत्पादक स्वामित्व वाली संस्थाओं को उनके समग्र व्यावसायिक संचालन के सुदृढ़ीकरण में सहयोग देने के उद्देश्य से एनडीडीबी ने एक योजना की शुरूआत की है, जिससे उनकी बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाई जा सके और आत्मनिर्भर संस्थान बनाया जा सके। इस योजना के
अंतर्गत विश्वस्त पीओआई को तकनीकी, प्रबंधकीय और वित्तीय सहायता प्रदान करने की परिकल्पना की गई है। 2022-23 से 2026-27 की अवधि के लिए इस योजना का कुल परिव्यय 96 करोड़ रुपये है, जिसमें 36 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता और 60 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त सुरक्षित ऋण शामिल है।

डेरी सहकारिताओं को मार्केटिंग में सहयोगः

2021-22 में, 'उत्पादक स्वामित्व वाली संस्थाओं (POI) के मार्केटिंग व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सहयोग' योजना के अंतर्गत, 15 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ 16 परियोजना प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। एनडीडीबी ने 6.45 करोड़ रुपये की सहायता अनुदान राशि मंजूर की। इस परियोजना में मिल्क पार्लर की स्थापना, कोल्ड चेन इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, बिक्री और मार्केटिंग नेटवर्क में सुधार, ब्रांड विकास और प्रशिक्षण और लाभार्थी पीओआई के लिए श्रमशक्ति का क्षमता विकास की परिकल्पना की गई है। योजना के तहत, पीओआई के बिक्री और एसएंडडी व्यवस्था को प्रोफेशनल बनाने के लिए और हैंड होल्डिंग सहायता प्रदान करने के लिए एक बिक्री और वितरण सलाहकार को नियुक्त किया गया है। इसी तरह, विभिन्न ब्रांड निर्माण अभ्यासों को लागू करने में पीओआई की मदद करने के लिए एक प्रोफेशनल ब्रांडिंग परामर्श एजेंसी की नियुक्ति की गई है ताकि वे अपने परिचालन क्षेत्र में एक प्रमुख 'टॉप ऑफ द माइंड' ब्रांड बन सकें। इसमें तेज ब्रांड संचार, पैकेजिंग सुधार, बूथों का आधुनिकीकरण, visibility elements, आदि शामिल होंगे।

वर्ष के दौरान, एनडीडीबी ने दूध और दूध उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए वाराणसी दूध संघ को सहयोग दिया है। बिक्री और मार्केटिंग पर अद्यतन वास्तविक समय की जानकारी, बिक्री बल और चैनल भागीदारों के प्रदर्शन की निगरानी के लिए एक दैनिक बिक्री रिपोर्टिंग प्रणाली स्थापित की गई है। समयबद्ध लक्ष्यों के साथ एक कार्य योजना तैयार की गई है और उसकी समीक्षा की जा रही है। उत्पादों और विज्ञापनों के लिए नए क्रिएटिव विकसित किए गए हैं और दूध संघ के साथ साझा किए गए हैं।

खाद प्रबंधन पहल

एनडीडीबी ने खाद प्रबंधन मॉडल का समर्थन करना जारी रखा है जो न केवल ग्रामीण जनता की स्वच्छ ऊर्जा की आवश्यकता को पूरा करता है बल्कि पर्यावरण की चुनौतियों का भी समाधान करता है और बेहतर उत्पादन और आय सुनिश्चित करने के लिए स्थायी कृषि प्रक्रियाओं का प्रचार करने में मदद करता है।

एनडीडीबी ने गुजरात के आणंद के दो गांव, जकारियापुरा और मुजकुवा में एंड टू एंड खाद मूल्य शृंखला (मन्योर वैल्यू चैन) स्थापित की

है। बायो गैस स्वामित्व वाले किसानों द्वारा बेची गयी स्लरी को प्रोसेस करने के लिए एक स्लरी प्रसंस्करण संयंत्र (स्लरी प्रोसेसिंग प्लांट) स्थापित किया गया है। प्लांट में स्लरी आधारित कृषि उत्पादों का निर्माण कर किसानों व अन्य को बेचा जा रहा है। वर्ष के दौरान एनडीडीबी के सहयोग से शहरी बाजार के लिए 'न्यूट्री किट' के नाम से एक नए उत्पाद का शुभारंभ किया गया। स्लरी टैंकर सह एप्लीकेटर का परीक्षण पूरा हुआ और भारत का पहला स्लरी टैंकर सह एप्लीकेटर आणंद में चालू हुआ।

- **सीएसआर वित्त पोषित खाद प्रबंधन कार्यक्रम**

  एनडीडीबी ने आईओसीएल, बरौनी और एनडीडीबी फाउंडेशन फॉर न्यूट्रीशन (NFN) के वित्त पोषण सहायता के माध्यम से बरौनी दूध संघ (बिहार) और कटक दूध संघ (ओडिशा) में खाद प्रबंधन मॉडल का कार्यान्वयन पूरा किया।

- **एनडीडीबी-सस्टेन प्लस खाद प्रबंधन कार्यक्रम**

  एनडीडीबी ने सस्टेन प्लस एनर्जी फाउंडेशन (टाटा ट्रस्ट की सहायक) के सहयोग से सात राज्यों असम, झारखंड, महाराष्ट्र, राजस्थान, सिक्किम, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में नौ स्थानों पर खाद प्रबंधन की पहल को लागू किया। वर्ष के दौरान लाभार्थी परिवार स्तर पर 850 से अधिक फ्लेक्सी बायो गैस संयंत्र स्थापित किए गए। विभिन्न परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों के 40 से अधिक अधिकारियों को आणंद में खाद व्यवसाय प्रबंधन और स्लरी प्रसंस्करण कार्यों पर प्रशिक्षित किया गया। भीलवाड़ा दूध संघ, PEDO डूंगरपुर, पुणे दूध संघ और कोल्हापुर दूध संघ में 450 से अधिक महिला लाभार्थियों को कवर करते हुए चार किसान अभिमुख कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

- **एनडीडीबी का बायो गैस कार्यक्रम**

  वर्ष के दौरान, एनडीडीबी ने डेरी सहकारिताओं और दूध उत्पादक कंपनियों की मदद से घरेलू बायो गैस संयंत्रों की स्थापना हेतु वित्तीय सहायता जारी रखने के लिए एनडीडीबी बायो गैस कार्यक्रम के कार्यान्वयन की शुरुआत की। योजना के तहत 2021-22 में 400 से अधिक लाभार्थियों को विभिन्न मॉडलों और क्षमता के घरेलू बायो गैस संयंत्रों की स्थापना के लिए कवर किया गया। इन घरेलू बायो गैस संयंत्रों ने न केवल लाभार्थी परिवारों को ईंधन की लागत के लिए धन बचाने में मदद की है बल्कि पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव डाला है।

- **गोबरधन योजना के तहत क्लस्टर बायो गैस मॉडल**

  'जकारियापुरा मॉडल' के आधार पर क्लस्टर बायो गैस मॉडल के कार्यान्वयन के लिए, गुजरात सरकार ने गुजरात के 25 जिलों में केंद्र प्रायोजित योजना गोबरधन को लागू करने के लिए एनडीडीबी को 'मुख्य कार्यान्वयन एजेंसी' के रूप में नामित किया। इस योजना के तहत पहले चरण में गुजरात के हर जिले में 100-200 घरेलू बायो गैस प्लांट लगाने की परिकल्पना की गई है। प्रथम चरण के अनुभव और व्यवहार्यता के आधार पर दूसरे चरण में बायो गैस स्लरी प्रोसेसिंग सिस्टम विकसित किया जाएगा।

  गोबरधन योजना के तकनीकी भागीदार के रूप में एनडीडीबी ने राज्य में खाद प्रबंधन मॉडल के कार्यान्वयन के लिए तकनीकी और प्रशिक्षण सहायता प्रदान करने हेतु मध्य प्रदेश गोसंवर्धन बोर्ड के साथ एक सेवा समझौते पर भी हस्ताक्षर किए।

एकीकृत फार्म प्रणाली

किसान की आय बढ़ाने की दिशा में हमारे प्रयासों को जारी रखते हुए, एनडीडीबी ने इटोला, वड़ोदरा में अपने फार्म पर एकीकृत फार्म प्रणाली (IFS) का एक मॉडल स्थापित किया। आईएफएस का उद्देश्य डेरी फार्मिंग, मत्स्यपालन, मुर्गीपालन, बत्तख पालन, मधुमक्खीपालन, फल, सब्जी, फूल, अनाज, दालें, तिलहन, चारा और बायो गैस जैसे विभिन्न उद्यमों को मिलाकर खेती करनेवाले किसान परिवार की आय में वृद्धि करना है। इस मॉडल के माध्यम से, एनडीडीबी छोटे धारक डेरी किसान के लिए एक लाभकारी क्रियाशील मॉडल पेश करने की कोशिश कर रही है, जो आम तौर पर 2-3 एकड़ भूमि और 2-3 डेरी पशुओं के स्वामित्व वाले हैं।

यह मॉडल एक किसान परिवार के लिए वर्ष भर नकदी प्रवाह, आजीविका की स्थिरता और पोषण सुरक्षा के साथ स्थायी लघु धारक डेरी फार्मिंग सिस्टम को प्रदर्शित करने में मदद करेगा। यह अन्य किसानों, छात्रों और अन्य हितधारकों के प्रदर्शन और स्थायी प्रक्रियाओं को अपनाने के लिए 'फार्म स्कूल' के रूप में भी कार्य करेगा।

राष्ट्रीय मधुमक्खीपालन एवं शहद मिशन

केन्द्रीय क्षेत्र की योजना का मुख्य उद्देश्य देश में वैज्ञानिक पद्धति के अनुसार मधुमक्खीपालन को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ मिशन स्तर पर 'मीठी क्रान्ति' के लक्ष्य को प्राप्त करना है और 3 मिनी मिशन के अंतर्गत क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण, विशेष रूप से महिलाओं की प्रतिभागिता को सुनिश्चित करते हुए, बुनियादी ढाँचा जैसे एकीकृत मधुमक्खीपालन विकास केंद्र (IBDC), डिजिटलीकरण/ऑनलाइन पंजीकरण, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, बाजार सहयोग और अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से देश में मधुमक्खीपालन के विकास के पथ पर अग्रसर होगी। 31 मार्च 2022 तक, एनडीडीबी ने कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों, डेरी सहकारिताओं और अन्य संस्थाओ के सहयोग से 43 प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग किया। किसानों को अपनी उपज बढ़ाने में परागण के व्यापक प्रभाव के साथ-साथ कृषि, बागवानी और वानिकी में मधुमक्खीपालन के महत्व के बारे में समझाया जा रहा है।

मधुमक्खीपालन एफपीओ शहद क्लस्टर का निर्माण एवं संवर्धन

केन्द्रीय क्षेत्र की योजना 6,865 करोड़ रुपए के बजटीय प्रावधान के साथ देश में 10,000 नए किसान उत्पादक संस्थाओं (FPO) के गठन निर्माण एवं संवर्धन के लिए एक स्पष्ट कार्यनीति और प्रतिबद्ध संसाधनों के साथ उपलब्ध है। एफपीओ को उत्पाद समूहों के रूप में विकसित किया जाना है, जिसमें सदस्यों को आर्थिक लाभ दिलाने और बाजार की पहुंच उपलब्ध कराने हेतु कृषि एवं बागवानी उत्पादों की खेती किया जाना शामिल है। विशेषज्ञता एवं बेहतर प्रसंस्करण, विपणन, ब्रांडिंग एवं निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक जिला, एक उत्पाद क्लस्टर का निर्माण किया गया है।

केन्द्रीय क्षेत्र की योजना के अंतर्गत एफपीओ का निर्माण एवं संवर्धन कार्यान्वयन एजेंसियों (IA) के माध्यम से किया जाना है। एनडीडीबी को शहद एफपीओ के निर्माण एवं संवर्धन हेतु देश में 26 जिले आवंटित किए गए है, जिसके लिए बिजनेस प्लान निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

डेरी सहकारिताओं के लिए वित्तीय सहायता

एनडीडीबी डेरी सहकारिताओं को दूध प्रसंस्करण, आहार उत्पादन, डेरी संयंत्रों में सोलर एप्लिकेशन और कौशल विकास जैसी अन्य गतिविधियों के लिए अपनी आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

31 मार्च 2022 तक 'अवसंरचनात्मक गतिविधियों, कौशल विकास और प्रशिक्षण के लिए वित्तीय सहायता' योजना के तहत, डेरी सहकारिताओं कुल 1,567.6 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ परियोजनाओं को स्वीकृत किया गया है। वर्ष 2021–22 के दौरान डेरी सहकारिताओं को 32 करोड़ रुपये की दीर्घकालिक वित्तीय सहायता वितरित की गई है।

डेरी सहकारिताओं को 31 मार्च 2022 तक कुल 145.5 करोड़ रूपये की कार्यशील पूंजी स्वीकृत की गई है।

सहकारिताओं के माध्यम से डेरी व्यवसाय-स्थायी आजीविका की कुंजी

एनडीडीबी भारत सरकार की योजना 'सहकारिता के माध्यम से डेरी (DTC)' – नेशनल प्रोग्राम फॉर डेरी डेबलपमेंट (NPDD) की घटक 'बी' परियोजना की कार्यान्वयन एजेंसी है।

सहकारिता के माध्यम से डेरी (DTC) – NPDD परियोजना के घटक 'बी' का कुल परिव्यय 1568.3 करोड़ रुपये है जिसमें जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (JICA) से 924.6 करोड़ रुपये ODA ऋण के रूप में, 475.5 करोड़ रुपये अनुदान के तहत भारत सरकार के योगदान के रूप में और 168.2 करोड़ रुपये राज्य/प्रतिभागी संस्थान (PI) के योगदान के रूप में सम्मिलित है।

डेरी सहकारिताओं को

32 करोड़ रुपये

की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

सहकारिता के माध्यम से डेरी (DTC) - NPDD परियोजना के घटक 'बी' का कुल परिव्यय 1568.3 करोड़ रुपये है जिसमें जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (JICA) से 924.6 करोड़ रुपये ODA ऋण के रूप में, 475.5 करोड़ रुपये अनुदान के तहत भारत सरकार के योगदान के रूप में और 168.2 करोड़ रुपये राज्य/प्रतिभागी संस्थान (PI) के योगदान के रूप में सम्मिलित है।

इस योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश एवं बिहार राज्य के सभी जिले शामिल किए जाएंगे।

परियोजना के घटकों में दूध संकलन अवसंरचना को सुदृढ़ करना, दुग्ध प्रसंस्करण सुविधाएं और निर्माण सुविधाएं (दूध और दुग्ध उत्पाद और पशु आहार), विपणन अवसंरचना के लिए सहायता, आईसीटी अवसंरचना के लिए सहायता, उत्पादकता वृद्धि, परियोजना निगरानी और अध्ययन, प्रशिक्षण और क्षमता विकास शामिल हैं।

इस परियोजना से छोटे और सीमांत दुग्ध उत्पादकों की आजीविका के विकल्प को बढ़ाने, मूल्य शृंखला में दूध की गुणवत्ता में सुधार लाने, प्रतिभागी संस्थानों के प्रसंस्करण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, बाजार में सहकारी ब्रांडों की पहुंच बढ़ाने और जनशक्ति की क्षमता निर्माण करने की संभावना है।

परियोजना के तहत, प्रतिभागी संस्थाओं को 1.5% प्रति वर्ष की दर पर ऋण उपलब्ध होगा।

दूध संघ, बहु राज्य दूध सहकारिताएं, राज्य दूध महासंघ, दूध उत्पादक कंपनियां परियोजना के अंतर्गत भाग लेने की पात्र हैं।

डेरी प्रसंस्करण और अवसंरचना विकास निधि

एनडीडीबी भारत सरकार की एक योजना 'डेरी प्रसंस्करण और अवसंरचना विकास निधि (DIDF)' की एक कार्यान्वयन एजेंसी है जिसकी कार्यान्वयन अवधि 2018-19 से 2022-23 तक है। इस योजना के प्रमुख घटक डेरी प्रसंस्करण अवसंरचना का सृजन/आधुनिकीकरण/विस्तार, मूल्यवर्धित उत्पादों के लिए निर्माण सुविधाएं, ग्रामीण स्तर पर चिलिंग अवसंरचना और इलेक्ट्रॉनिक दूध परीक्षण उपकरण की स्थापना करना है। इस योजना का 11,184 करोड़ रुपये का वित्तीय परिव्यय है, जिसमें राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) से ऋण के रूप में 8,004 करोड़ रुपये, अंतिम ऋणियों के अंशदान के रूप में 2,001 करोड़ रुपये, परियोजना प्रबंधन और अध्ययन के लिए कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा 12 करोड़ रुपये का अंशदान और भारत सरकार से नाबार्ड को 1,167 करोड़ रुपये की ब्याज सहायता शामिल है। सहकारी दूध संघ, राज्य सहकारी डेरी संघ, बहु-राज्यीय दूध सहकारिताएं, दूध उत्पादक कंपनियां और एनडीडीबी की सहायक कंपनियां इस योजना की पात्र अंतिम ऋणी हैं।

31 मार्च 2022 तक, 5824.9 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 42 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिसमें 3805.9 करोड़ रुपये शामिल हैं। वर्ष 2021-22 के दौरान, इस योजना के अंतर्गत, पीओआई को 139.35 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया जिसमें 2018-19 से 2021-22 तक 1,271 करोड़ रुपये का संचयी वितरण शामिल है। अनुमोदित परियोजनाओं के कार्यान्वयन से पीओआई की दूध प्रसंस्करण क्षमता में प्रतिदिन 173 लाख लीटर की वृद्धि होगी। 31 मार्च 2022 तक 10 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं जिसमें 58.7 लाख लीटर प्रतिदिन की दूध प्रसंस्करण क्षमता का निर्माण शामिल है।

कार्यशील पूंजी ऋण के लिए उत्पादक स्वामित्व वाले संस्थाओं को ब्याज सहायता

कोविड-19 महामारी से संबद्ध प्रतिबंधों के कारण उत्पादक स्वामित्व वाली संस्थाओं (POI) के सामने आने वाली कठिनाइयों के कारण, भारत सरकार ने वर्ष 2020-21 के दौरान 203 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 'कार्यशील पूंजी ऋणों पर ब्याज सहायता' के लिए योजना की शुरूआत की।

भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2025-26 की अवधि के लिए 500 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ इस योजना का विस्तार किया है। भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 100 करोड़ रुपये भी जारी किए हैं।

यह योजना पात्र पीए द्वारा बैंकों और वित्तीय संस्थानों से लिए गए कार्यशील पूंजी ऋण पर प्रति वर्ष 2 प्रतिशत की ब्याज सहायता उपलब्ध कराती है। शीघ्र और समय पर ऋण की अदायगी के लिए, ऋण अदायगी अवधि के अंत में प्रतिवर्ष अतिरिक्त 2 प्रतिशत ब्याज सहायता देय है। ब्याज सहायता के घटक को डेरी गतिविधियों से संबद्ध डेरी सहकारिताओं और किसान उत्पादक संस्थाओं को सहयोग (SDCFPO) योजना के तहत शामिल किया गया है। यह योजना एनडीडीबी के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही है।

वर्ष 2021-22 के दौरान पीओआई को 44 करोड़ रुपये की ब्याज सहायता जारी की गई है। इस योजना ने बैंकों से प्राप्त 13,138 करोड़ रुपये के कार्यशील पूंजी ऋणों पर ब्याज सहायता की मदद से पीओआई को डेरी किसानों को नियमित भुगतान करने योग्य बनाया।

उत्पादकता वृद्धि

पशु प्रजनन

देश के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों में महत्वपूर्ण गोवंशीय नस्लों के लिए क्षेत्र आनुवंशिक सुधार कार्यक्रमों को चलाने में एक दशक से अधिक के प्रयासों ने अब आनुवंशिक सुधार के लक्ष्य को मजबूती दी है। उत्पादकता और बेहतर झुंड गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में योगदान देने के अलावा, इन प्रयासों ने देशी नस्लों के विकास और कृत्रिम गर्भाधान (एआई) कवरेज और व्यवस्थित प्रदर्शन रिकॉर्डिंग के तहत अधिक देशी पशु आबादी को लाने में मदद की।

इस वर्ष, गाय और भैंस के जर्मप्लाज्म के लिए एनडीडीबी के डीएनए बायो बैंकिंग कोष ने एक लाख से अधिक सैंपलों को संरक्षित किया। यह कोष जीनोमिक चयन जैसी किसी भी भविष्य की डीएनए-आधारित प्रौद्योगिकियों के लिए एक मूल्यवान संसाधन है। विभिन्न नस्लों में बढ़ती संदर्भ आबादी के मददेनज़र, जीनोमिक चयन को गाय के गिर, एचएफ संकर और जर्सी संकर नस्ल पर और भैंस के मुर्रा और महेसाना नस्ल पर लागू किया गया है।

किफायती दर पर सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकियों (ART) के माध्यम से किसानों के घर पर श्रेष्ठ जर्मप्लाज्म में शीघ्र वृद्धि के लिए, एनडीडीबी ने देश में ओवम पिक-अप और इन विट्रो भ्रूण उत्पादन (OPU-IVEP) के लिए सेवाएं और प्रशिक्षण प्रदान किए।

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड ने गोवंशीय पशुओं की उत्पादकता वृद्धि के लिए आईवीएफ और ईटी जैसी जीनोमिक और सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकियों से संबंधित निम्नलिखित गतिविधियां शुरू कीं।

जीनोमिक चयन के लिए संदर्भ आबादी में वृद्धि

2021-22 के दौरान, वीर्य केंद्रों पर उपलब्ध सांड़ों के कुल 4,736 सैंपलों को एकत्र कर डीएनए एक्स्ट्रेक्शन के लिए प्रोसेस किया गया। जीनोमिक प्रजनन मूल्यों के आकलन के लिए, सैंपलों की जीनोटाइपिंग की जा रही है। महत्वपूर्ण देशी नस्लों के संगठित पशु झुंडों से संपर्क स्थापित करके जीनोमिक चयन के लिए संदर्भ आबादी में वृद्धि करने और उन्हें निष्पादन रिकॉर्डिंग के अंतर्गत रखे जाने के प्रयास जारी हैं।

विशाल संदर्भ आबादी के सृजन के लिए और गुजरात में गायों और भैंसों के महत्वपूर्ण डेरी नस्लों में जीनोमिक चयन को लागू करने के लिए, एनडीडीबी ने गुजरात जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र (GBRC), गुजरात सहकारी दूध विपणन संघ लिमिटेड (GCMMF) और आणंद कृषि विश्वविद्यालय (AAU) के साथ सहयोग स्थापित किया।

वैश्विक रिफ्रेंस बफैलो जीनोम:

एनडीडीबी ने युनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर (USDA) के सहयोग से श्रेष्ठ गुणवत्ता के रिफ्रेंस बफैलो जीनोम असेंबली (असेंबली सं.: GCA_019923935.1 (NDDB_SH_1) और GCA_019923925.1 (NDDB_DH_1) को सफलतापूर्वक पूरा किया। दोनों जीनोम असेंबलियों को एनोटेट किया गया है। यह जीनोम पूर्ण हैं और जीन और प्रोटीन स्तर की विशेषताओं के साथ है। भैंस जीनोम NDDB_SH_1 को अब नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन (NCBI), यूएसए द्वारा भैंस प्रजाति *(Bubalus bubalis)* के लिए संदर्भ प्रतिनिधि (Refseq) जीनोम के रूप में सौंपा गया है। इसलिए मुर्रा भैंस जीनोम का उपयोग वैश्विक संदर्भ जीनोम के रूप में किया जाएगा। नदीय भैंसों के सभी जीनोमिक संबंधी अनुसंधान के लिए, BAIF के सहयोग से विकसित "BUFFCHIP" नामक भैंस के लिए जीनोटाइपिंग SNP चिप के नवीनतम संस्करण को NDDB_SH_1 में मैप किया गया है। एनडीडीबी के भैंस जीनोम – NDDB_SH_1 को UCSC जीनोम ब्राउज़र में संदर्भ के रूप में शामिल किया गया है।

वर्ष के दौरान, गाय और भैंस डोनरों से कुल 752 जीवनक्षम भ्रूण का उत्पादन किया गया। कुल 22 पशु गाभिन किए गए और 27 बछड़े पैदा हुए।

ओवम पिक-अप और इन विट्रो भ्रूण उत्पादन

ओवम पिक–अप और इन विट्रो भ्रूण उत्पादन (OPU-IVEP) में श्रेष्ठ जर्मप्लाज्म से संततियों की संख्या में वृद्धि करके और पीढ़ी के अंतराल को कम करके गायों और भैंस नस्लों के आनुवंशिक सुधार में तेजी लाने की बड़ी क्षमता है। OPU-IVEP में एनडीडीबी की अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास और प्रशिक्षण सुविधा ने तकनीक की दक्षता में सुधार, आईवीएफ भ्रूण की लागत को कम करने और तेज गति से प्रौद्योगिकी का प्रसार करने के लिए जनशक्ति के बड़े पूल को प्रशिक्षित करने की दिशा में प्रयास जारी रखे। OPU-IVEP -ET का काम बनास डेरी और अमूल डेरी के सहयोग से गायों और भैंसों दोनों में शुरू किया गया था, जहां किसानों के पशुओं का उपयोग या तो डोनर के रूप में या प्राप्तकर्ता के रूप में किया जाता था। यह भ्रूण उत्पादन और प्रत्यारोपण के हब और स्पोक मॉडल के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहा है, जिसमें एनडीडीबी की OPU-IVEP प्रयोगशाला भ्रूण उत्पादन के लिए हब के रूप में काम करेगी।

वर्ष के दौरान, गायों और भैंस डोनरों से कुल 752 जीवनक्षम भ्रूण का उत्पादन किया गया। कुल 22 पशु गाभिन किए गए और 27 बछड़े पैदा हुए। वर्ष के दौरान OPU-IVEP के लिए कुशल जनशक्ति विकसित करने की दिशा में प्रयास जारी रहे। विभिन्न संस्थाओं के सोलह पशु चिकित्सकों को प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षित किया गया था।

आनुवंशिक सुधार कार्यक्रम

एनडीडीबी भारत सरकार की राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) योजना के तहत स्वीकृत विभिन्न महत्वपूर्ण केंद्रीय क्षेत्र की परियोजनाओं का कार्यान्वयन कर रही है या कार्यान्वयन को सुविधाजनक बना रही है। इन परियोजनाओं को राज्य पशुधन विकास बोर्डों, सहकारी दूध संघों और दूध संघों, कुछ गैर–सरकारी संस्थाओं और एनडीडीबी की सहायक कंपनियों के सहयोग से इस क्षेत्र में कार्यान्वित किया गया है।

आनुवंशिक रूप से श्रेष्ठ युवा नर बछड़ों के उत्पादन के लिए वैज्ञानिक क्षेत्र–आधारित आनुवंशिक सुधार कार्यक्रमों को लागू करके आनुवंशिक रूप से बेहतर सांड़ और सांड़ माताओं का चयन करके गुणवत्ता आनुवंशिकी के उत्पादन और प्रसार के प्रयास वर्ष के दौरान जारी रहे। रोगमुक्त हिमीकृत वीर्य डोज के उत्पादन के लिए ऐसे नर बछड़ों को देश के विभिन्न वीर्य केंद्रों में वितरित किया गया है।

संतति परीक्षण (PT) और वंशावली चयन (PS) कार्यक्रम

संतति परीक्षण – उच्च आनुवंशिक गुण वाले सांड़ों के पहचान करना और बाद में, पीटी परियोजनाओं के माध्यम से एचजीएम सांड़ और श्रेष्ठ गायों के नियोजित प्रजनन द्वारा आनुवंशिक रूप से श्रेष्ठ नर बछड़ों का उत्पादन आनुवंशिक सुधार कार्यक्रमों का मूल है। भारत सरकार की योजना राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) के तहत गिर, साहीवाल, जर्सी जैसी विभिन्न गाय नस्लों, एचएफ (CBHF) और जर्सी (CBJY) के संकर नस्ल और मुर्रा और महेसाना जैसी भैंस नस्लों के लिए पीटी परियोजनाएं नौ राज्यों में जारी हैं। वर्ष के दौरान, पीटी परियोजनाओं ने दूध रिकॉर्डिंग और प्रजनन गतिविधियों की सटीकता की निगरानी के लिए ऑनलाइन सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन और जीपीएस निर्देशांक के प्रभावी उपयोग के माध्यम से फीनोटाइप रिकॉर्डिंग गतिविधियों में सुधार करना जारी रखा।

वर्ष 2021-22 में, सभी पीटी परियोजनाओं ने मिलकर 286 सांड़ों का परीक्षण किया, 4.57 लाख टेस्ट एआई किए, और 59,775 पशुओं को दूध रिकॉर्डिंग के तहत रखा है। कुल मिलाकर, पीटी परियोजनाओं ने 869 युवा उच्च आनुवंशिक गुण वाले सांड़ों का उत्पादन किया और इन सांड़ों को हिमीकृत वीर्य डोज के उत्पादन के लिए वीर्य केंद्रों को उपलब्ध कराया गया। आनुवंशिक विकारों और संक्रामक रोगों से मुक्त सांड़ों को दूध उत्पादन के लिए उनके प्रजनन मूल्यों के आधार पर चुना गया, डीएनए-आधारित माता-पिता परीक्षण और Karyotyping के माध्यम से माता-पिता की पुष्टि की गई। दूध उत्पादन के अलावा, फैट, एसएनएफ, प्रोटीन उत्पादन, open period, पहली ब्यांत के समय उम्र और type के लक्षणों जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण लक्षणों के लिए प्रजनन मूल्यों का भी आंकलन किया जा रहा है। Animal type वर्गीकरण उन पशुओं की पहचान करने में सहायता करता है जिनका उत्पादन और प्रजनन में सहयोग करने के लिए सही शारीरिक गठन होता है और यह पीटी कार्यक्रमों का एक अभिन्न अंग है। पशुओं के चयन में type लक्षणों को प्राथमिकता देने से पशुओं की lifetime उत्पादकता में सुधार होता है।

आरजीएम योजना के तहत कार्यान्वित पीटी परियोजनाओं का विवरण नीचे तालिका में उल्लिखित है:

क्रम सं.	राज्य	ईआईए का नाम	नस्ल
1	आंध्र प्रदेश	एपीएलडीए	जर्सी सीबी
2	गुजरात	एसएजी	मुर्रा
3	गुजरात	एसएजी	एचएफसीबी
4	गुजरात	महेसाणा दूध संघ	महेसाना
5	गुजरात	बनास दूध संघ	महेसाना
6	गुजरात	एसएजी	गिर
7	हरियाणा	एचएलडीबी	मुर्रा
8	हिमाचल प्रदेश	एचपीएलडीबी	जर्सी
9	केरल	केएलडीबी	एचएफसीबी
10	पंजाब	पीएलडीबी	मुर्रा
11	पंजाब	पीएलडीबी	साहीवाल
12	राजस्थान	श्रीगंगानगर दूध संघ	साहीवाल
13	तमिलनाडु	टीसीएमपीएफ	जर्सी सीबी
14	उत्तर प्रदेश	एब्रो	मुर्रा

वंशावली चयन - ऐसी कई गाय और भैंस नस्लों में अधिक दूध उत्पादन की संभावना है जो कम इनपुट सिस्टम में अनुकुलित होती है, जिसमें गर्मी को सहन करने की क्षमता होती है, रोगों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता होती है, वो कम एआई कवरेज वाले क्षेत्रों में पाई जाती हैं। पीएस कार्यक्रमों को आबादी के भीतर बेहतर पशुओं का चयन करके और फिर एआई डिलीवरी के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण के माध्यम से नस्लों की बड़ी आबादी को उनके आनुवंशिकी का प्रसार करके इन नस्लों के प्रजनन क्षेत्रों में क्षेत्र-आधारित विकास और संरक्षण प्रयासों को शुरू करने के प्रमुख उद्देश्य से कार्यान्वित किया गया है। इसके अलावा, पीएस परियोजनाएं आनुवंशिक सुधार कार्यक्रमों के महत्व पर भाग लेने वाले किसानों के बीच जागरूकता फैलाने का प्रयास करती हैं।

वर्तमान में, आरजीएम के तहत, एनडीडीबी पांच राज्यों में 7 ईआईए के माध्यम से गायों के विभिन्न देशी नस्लों हरियाना, कांकरेज, थारपारकर और राठी तथा भैंस के देशी नस्लों जाफराबादी, नीली-रावी, पंढरपुरी के विकास के लिए 7 पीएस परियोजनाओं को लागू कर रही है। इसके अतिरिक्त, 2021-22 के दौरान गावलाओ गायों और बन्नी भैंस के विकास के लिए दो नई पीएस परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं के तहत फील्ड गतिविधियां 2022-23 से शुरू की जाएंगी।

वर्ष के दौरान, पीएस परियोजनाओं ने कुल मिलाकर 75,995 एआई किए, दूध रिकॉर्डिंग के तहत 4,357 पशुओं को कवर किया, और 134 एचजीएम सांड़ खरीदे।

आरजीएम के तहत कार्यान्वित पीएस परियोजनाओं का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

क्रम सं.	राज्य	ईआईए का नाम	नस्ल
1	गुजरात	एसएजी	जाफराबादी
2	गुजरात	बनास दूध संघ	कांकरेज
3	हरियाणा	एचएलडीबी	हरियाना
4	महाराष्ट्र	एमएलडीबी	पंढरपुरी
5	पंजाब	पीएलडीबी	नीली-रावी
6	राजस्थान	आरएलडीबी	थारपारकर
7	राजस्थान	उरमूल ट्रस्ट	राठी

देशी नस्लों के लिए राष्ट्रीय गोवंशीय जीनोमिक केंद्र (NBGC-IB)

2021-22 के दौरान, प्रदर्शन दर्ज पशुओं और सांड़ों से कुल 31,353 रक्त/Tissue के सैंपल एकत्र किए गए और DNA extraction के लिए प्रोसेस किए गए। "INDUSCHIP" और "BUFFCHIP" का उपयोग कुल 3,677 सैंपलों के जीनोटाइपिंग के लिए किया गया, जबकि, उच्च घनत्व चिप का उपयोग 104 पशुओं को जीनोटाइप करने के लिए किया गया। गिर, एचएफ संकर नस्ल और जर्सी संकर नस्ल गायों नस्लों और मुर्रा और महेसाणा भैंस नस्लों के सांड़ बछड़ों के जीनोमिक प्रजनन मूल्यों का आकलन किया गया और अधिक सटीक चयन के लिए पीटी परियोजनाओं के साथ साझा किया गया।

गोवंशीय जर्मप्लाज्म का आयात

डेरी विकसित देशों में हुई आनुवंशिक प्रगति का लाभ उठाने और देशी नस्लों के लिए मौजूदा आनुवंशिक सुधार कार्यक्रम को प्रोत्साहन देने के लिए, भारत सरकार की राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के तहत देशी और विदेशी नस्लों (गिर, लाल सिंधी, एचएफ और जर्सी) के बेहतर जर्मप्लाज्म के आयात की एक परियोजना को मंजूरी दी गई है। अब तक, 228 एचएफ सांड़ों का आयात किया जा चुका है और देश के विभिन्न वीर्य केंद्रों को वितरित किया जा चुका है। इस वर्ष के दौरान, ब्राजील से गिर सांड़ों की 40,000 पारंपरिक वीर्य डोजों का आयात करने की प्रक्रिया शुरू की गई। 125 जर्सी सांड़ों के आयात की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है।

एसएजी, बीडज में ETT/IVF सुविधा का सुदृढ़ीकरण

वीर्य उत्पादन और झुंड प्रतिस्थापन के लिए IVF/ET के माध्यम से क्रमशः श्रेष्ठ नर और मादा बछड़ों का उत्पादन करने के लिए, भारत सरकार की आरजीएम योजना के तहत एनडीडीबी द्वारा एसएजी, बीडज में ET/IVF सुविधा के सुदृढ़ीकरण पर एक परियोजना कार्यान्वित की गई। वर्ष के दौरान, कुल 983 भ्रूण का उत्पादन किया गया और 176 भ्रूणों को उपयुक्त प्राप्तकर्ताओं में प्रत्यारोपित कर दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप 36 पशु गाभिन हुए। परियोजना में वर्ष के दौरान 25 बछड़ों का जन्म भी दर्ज किया गया।

शीघ्र नस्ल सुधार कार्यक्रम

आरजीएम योजना के तहत भारत सरकार ने आईवीएफ प्रौद्योगिकी को किफायती बनाने के उद्देश्य से इस परियोजना को मंजूरी दी और इस तरह किसानों के बीच डोनर पशुओं के प्रचार के लिए इसकी स्वीकार्यता में वृद्धि की और डोनर के रूप में अधिक उत्पादक पशुओं का उपयोग करके किसानों के लिए एक अतिरिक्त आय का स्रोत निर्मित किया। परियोजना की प्रधान कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में एनडीडीबी ने सेवा प्रदाताओं के साथ एक दर अनुबंध पर हस्ताक्षर किए और विभिन्न कार्यान्वयन एजेंसियों (दूध संघों, दूध महासंघों, दूध उत्पादक कंपनियों, राज्य पशुधन विकास बोर्डों, राज्य पशुपालन विभागों) से अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करने का अनुरोध किया। परियोजना का क्षेत्रीय कार्यान्वयन 2022-23 में शुरू किया जाएगा।

29 ToT प्रशिक्षणों के माध्यम से INAPH पर प्रशिक्षित प्रतिभागियों की संख्या है

635

शीघ्र नस्ल सुधार कार्यक्रम- सुनिश्चित गर्भधारण के लिए sex sorted semen का उपयोग करना

मादा बछड़ों के उत्पादन के लिए 90 प्रतिशत सटीकता के साथ sexed/sex sorted semen के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, भारत सरकार ने आरजीएम स्कीम के तहत शीघ्र नस्ल सुधार कार्यक्रम – सुनिश्चित गर्भधारण के लिए sexed semen का उपयोग करने की परियोजना को मंजूरी दी है। एनडीडीबी परियोजना के कार्यान्वयन की निगरानी करेगी। एनडीडीबी ने वर्ष के दौरान sexed/sex sorted semen के आपूर्तिकर्ताओं के साथ दर अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। विभिन्न कार्यान्वयन एजेंसियों के माध्यम से परियोजना का फील्ड कार्यान्वयन 2022-23 में शुरू किया जाएगा।

नस्ल गुणन फार्म

एनडीडीबी ने आरजीएम के तत्वावधान में नस्ल गुणन फार्म (BMF) भी शुरू किया। इस परियोजना का उद्देश्य sex sorted semen और IVF प्रौद्योगिकी सहित वैज्ञानिक प्रजनन के माध्यम से गायों और भैंस की देशी नस्लों की रोगमुक्त उच्च उत्पादक श्रेष्ठ बछिया/गर्भवती बछिया/गायों का उत्पादन करने के लिए नस्ल गुणन फार्म स्थापित करने हेतु उद्यमियों को प्रोत्साहित करना है ताकि उन्हें किफायती लागत पर किसानों को उपलब्ध कराया जा सके। एनडीडीबी ने इसके लिए आवेदन प्राप्त करने के लिए एक वेब पोर्टल शुरू किया है।

वीर्य उत्पादन में सहयोग-वर्तमान वीर्य केंद्रों का सुदृढ़ीकरण

एआई के लिए गुणवत्तापूर्ण हिमीकृत वीर्य डोजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बुनियादी ढांचे का निर्माण करने के लिए, भारत सरकार ने अपनी आरजीएम योजना के तहत देश के वर्तमान वीर्य केंद्रों को सहयोग देने के लिए वीर्य केंद्र परियोजना के सुदृढ़ीकरण करने की मंजूरी दी। एनडीडीबी परियोजना दस्तावेज तैयार करने में वीर्य केंद्रों की सहायता कर रही है। मार्च 2022 तक, 12 वीर्य केंद्रों से प्राप्त परियोजना प्रस्तावों का मूल्यांकन पूरा हो गया और डीएएचडी को आगे प्रस्तुत करने के लिए मंजूरी दे दी गई है।

पूर्वोत्तर राज्यों में एआई प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना और एआई नेटवर्क की निगरानी

पूर्वोत्तर राज्यों (NER) में एआई तकनीशियनों के प्रशिक्षण हेतु बुनियादी ढांचे का सृजन करने के लिए, असम पशुधन विकास एजेंसी (ALDA) के अनुरोध पर एनडीडीबी ने खानापारा, गुवाहाटी में एक एआई प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना शुरू की। परियोजना को कार्यान्वित किया जा रहा है और सितंबर 2022 तक इसके पूरा होने की संभावना है। इसके अलावा, एनडीडीबी एआई नेटवर्क की निगरानी और पर्यवेक्षण में राज्यों की सहायता कर रही है और पूर्वोत्तर राज्यों में MAITRI (बहुउद्देशीय एआई तकनीशियनों) के माध्यम से एआई के कवरेज को बढ़ाने के लिए INAPH पर प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। वर्ष 2021-22 में इस परियोजना के तहत कुल 8.94 लाख एआई किए गए हैं। अब तक, इस क्षेत्र में कुल 1,206 MAITRI तैनात किए गए हैं और 635 प्रतिभागियों को 29 ToT प्रशिक्षणों के माध्यम से INAPH पर प्रशिक्षित किया गया है।

प्रोजेक्ट गिर वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी दूध क्षेत्र में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए एनडीडीबी ने आरजीएम योजना के अंतर्गत एनडीडीबी डेरी सर्विसेज के माध्यम से प्रोजेक्ट गिर वाराणसी कार्यान्वित की। इस परियोजना के अंतर्गत शामिल की गई विभिन्न गतिविधियां इस प्रकार हैं- क) तीन वर्ष की अवधि में 450 गिर गायों को शामिल करना, ख) अगले पांच वर्षों की अवधि में आईवीएफ तकनीक से 5,000 पशुओं को गाभिन करना और ग) sex sorted semen का उपयोग द्वारा प्रत्येक 2 लाख गायों और भैंसों को गाभिन करना।

पशु पोषण

आहार संतुलन कार्यक्रम

आहार संतुलन कार्यक्रम (RBP) की पहुंच बढ़ाने के लिए, एनडीडीबी ने एक नए किफायती मॉडल का संचालन किया है। इसमें ग्राम-स्तरीय स्वयं सहायता समूह (SHG) की महिला सदस्य- जिन्हें 'पशु सखियाँ' भी कहा जाता है, द्वारा डेरी किसानों को राशन की सलाह (RA) देने के लिए कहा गया। परियोजना को भाग्योदय सामुदायिक प्रबंधित संसाधन केंद्र (CMRC) की मदद से लागू किया गया था, यह एक समिति है जो महाराष्ट्र सरकार के उद्यम महिला आर्थिक विकास महामंडल (MAVIM) के तत्वावधान में SHG की गतिविधि का समन्वय करती है। इस मॉडल के तहत, CMRC नोडल केंद्र है, जिसके कर्मचारी मौसम-अनुकूल RA तैयार करके इसे 'पशु सखियों' को देते है। फिर पशु सखियां डेरी किसानों को RA के बारे में बताती हैं।

12 पशु सखियों की मदद से आठ गांवों में लगभग 200 डेरी किसानों के कुल 290 पशुओं को नामांकित किया गया। किसानों द्वारा राशन की सलाह को अपनाने से दूध उत्पादन और फैट की मात्रा में क्रमशः 0.67 किलोग्राम और 0.5 प्रतिशत का सुधार हुआ।

एनडीडीबी ने विदर्भ और मराठवाड़ा डेरी विकास परियोजना (VMDDP) में आरबीपी को लागू करने में तकनीकी सहायता प्रदान करना जारी रखा है। इस पहल के तहत वर्ष के दौरान 945 गांवों के 21,299 किसानों के लगभग 37,931 पशुओं को शामिल किया गया। आरबीपी प्रभाव के आंकड़ों से पता चला है कि दूध में प्रति पशु 0.2 किलोग्राम प्रतिदिन और फैट प्रतिशत में 0.18 यूनिट की वृद्धि हुई है, जिससे किसान की शुद्ध दैनिक आय में प्रति पशु 22.94 रुपये प्रतिदिन की वृद्धि हुई है।

आहार संपूरक 'संवृद्धि' के माध्यम से दूध की गुणवत्ता में सुधार

एनडीडीबी ने दूध उत्पादन और इसकी गुणवत्ता में सुधार के लिए 'संवृद्धि' नामक एक आहार संपूरक विकसित किया है। एनडीडीबी द्वारा किए गए विभिन्न क्षेत्रीय अध्ययन में दूध उत्पादन और इसके composition में वृद्धि का पता चला है। दूध संघों/महासंघों द्वारा वर्ष के दौरान लगभग 26,300 किलोग्राम संवृद्धि का उत्पादन कर किसानों को आपूर्ति की गई।

पशु आहार और खनिज मिश्रण के लिए गुणवत्ता चिह्न

वर्ष के दौरान, सहकारी दूध संघों/महासंघों से संबंधित पुणे और उत्तराखंड के दो पशु आहार संयंत्रों ने 'गुणवत्ता चिह्न' को लागू करने के लिए एनडीडीबी के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। वर्ष के दौरान 'गुणवत्ता चिह्न' के तहत, कुल लगभग 18,000 मीट्रिक टन पशु आहार और 70 मीट्रिक टन खनिज मिश्रण का उत्पादन किया गया।

RBP कार्यक्रम के अंतर्गत,
945 गांवों के

37,931

पशुओं को कवर किया गया है

वैज्ञानिक आहार और खाद प्रबंधन प्रक्रियाओं द्वारा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना

वैज्ञानिक आहार और खाद प्रबंधन प्रक्रियाएं डेरी फार्मों के ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को काफी कम करती हैं।

सम्पूर्ण मिश्रित आहार (TMR) के रूप में संतुलित पोषणयुक्त आहार खिलाने से rumen fermentation में सुधार करने में मदद मिलती है और आंत्रीय मीथेन उत्सर्जन (enteric methane emission) में कमी आती है। आणंद जिले में किए गए एक क्षेत्र अध्ययन से पता चला है कि कंट्रोल ग्रुप की तुलना में TMR के रूप में संतुलित राशन खिलाने से संकर नस्ल की गायों में आंत्रीय मीथेन उत्सर्जन में 11 प्रतिशत की कमी आई है (14.51 vs. 16.32 ग्राम/किग्रा दूध)।

खाद के anaerobic digestors बायोगैस संयंत्र) के माध्यम से प्रबंधन करके भी ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाने में मदद मिलती है। एनडीडीबी किसानों को बायोगैस संयंत्र अपनाने के लिए सहायता कर रही है ताकि घरेलू इंधन की आवश्यकता को पूरा करने के लिए खाद को बायोगैस में परिवर्तित किया जा सके और उत्पादित स्लरी को कृषि में जैव-उर्वरक के रूप में उपयोग किया जा सके। अध्ययन से पता चला है कि बायोगैस संयंत्रों की स्थापना से खाद प्रबंधन से GHG उत्सर्जन में औसतन 40 प्रतिशत यानी 931 किलोग्राम CO2-समतुल्य प्रति वर्ष की दर से कमी आई है। (2331 vs.1400 किलोग्राम CO2-समतुल्य प्रति वर्ष, बायोगैस संयंत्र की स्थापना से पहले व बाद में)। इसके परिणाम स्वरूप कुल farm-gate GHG उत्सर्जन में 7.2 प्रतिशत की कमी आई।

एफ्लाटॉक्सिन बी1 के स्तर की निगरानी

वर्ष के दौरान, पशु आहार और आहार के कच्चे माल में AFB1 के स्तर की निगरानी के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 290 सैंपल एकत्र किए गए। विश्लेषण के परिणामों में बीआईएस मानकों की तुलना में कुछ सैंपलों में AFB1 का उच्च स्तर पाया गया। मौसमी विविधताओं को ध्यान में रखते हुए, AFB1 की उच्चतम सांद्रता मानसून के आखिरी दौर (सितंबर, अक्तूबर और नवंबर) में पाई गई। मक्का के अनाज, मूंगफली की खली, चावल की पॉलिश और तेल रहित चावल चोकर में AFB1 की सांद्रता अधिक पाई गई।

चारा बीज गुणन शृंखला का सुदृढ़ीकरण

डेरी सहकारिताओं के बीज प्रसंस्करण संयंत्रों द्वारा फ़ाउंडेशन, प्रमाणित एवं सत्यापित बीजों के उत्पादन के लिए उच्च आनुवंशिक शुद्धता वाले उन्नत किस्मों के प्रजनक बीज (breeder seed) का उपयोग किया जाता है। वर्ष के दौरान, एनडीडीबी ने 15 डेरी सहकारिताओं के बीज प्रसंस्करण संयंत्रों के माध्यम से आईसीएआर और कृषि विश्वविद्यालयों से 25.80 मीट्रिक टन प्रजनक बीज (खरीफ के 2.45 मीट्रिक टन और रबी के 23.35 मीट्रिक टन) दिलवाने हेतु समन्वय किया। इस कार्यक्रम के तहत, कई नई अधिसूचित चारे की किस्मों को जैसे; कृष्णा (रिजका), ओएल-1861 (जई), एमएफसी 09-1 (लोबिया), टीएसएफबी 15-8, टीएसएफबी 15-4 (बाजरा) और टीएसएफएम 15-5 (मक्का) को बीज गुणन शृंखला में लाया गया।

चारा उत्पादन तकनीकों के लिए जागरूकता

किसानों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए, नई अधिसूचित चारे की किस्में जैसे बी.एन. संकर घास, बारहमासी रिजका, चारा मक्का, बरसीम और जई का चारा प्रदर्शन इकाई (FDU) में प्रदर्शन किया गया। आगंतुकों/किसानों को गुणवत्तायुक्त साइलेज बनाने की तकनीक, चारा बीज उत्पादन और वैकल्पिक चारा फसलों जैसे कि कांटा रहित कैक्टस, चारा गन्ना, मोरिंगा आदि से चारे के उत्पादन के बारे में जानकारी दी गई। विभिन्न चारा फसलों की महत्वपूर्ण चारा उत्पादन तकनीकों जैसे cropping sequence, चारा अनाज/घास फसलों की दलहनी चारे के साथ मिश्रित फसल, उर्वरक और खाद प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण आदि पर चर्चा की गई और वे तकनीकें किसानों को प्रदर्शित की गईं। उन्नत चारे की किस्मों को लोकप्रिय बनाने के लिए, किसानों को बाजरा नेपियर संकर घास की लगभग 1.78 लाख स्टेम कटिंग की आपूर्ति की गई।

किसानों को प्रमाणित चारा बीज का वितरण

चारे की खेती में प्रमाणित बीजों के उपयोग को बढ़ाने के लिए, एनडीडीबी ने 22 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के 117 दूध संघों और उत्पादक कंपनियों को 2,900 मीट्रिक टन मुफ्त चारा बीज के वितरण का समन्वय किया। इस बीज वितरण कार्यक्रम के तहत, लगभग 1,800 मीट्रिक टन चारा मक्का (अफ्रीकन टॉल), 990 मीट्रिक टन बहु-कटाई ज्वार (सीएसएच 24 एमएफ), 10 मीट्रिक टन बारहमासी बहु-कटाई चारा ज्वार (सीएसवी 33 एमएफ), 50 मीट्रिक टन एक-कटाई चारा ज्वार (सीएसवी 32 एफ) और 50 मीट्रिक टन चारा बाजरा (बायफ़-1) के बीज जायद और खरीफ सीजन 2021 में चारे की खेती के लिए मिनी किट (8 लाख) के रूप में किसानों को दिए गए।

प्रमाणित चारा बीज उत्पादन कार्यक्रम

राष्ट्रीय पशुधन मिशन (NLM) के अंतर्गत, 'चारा और चारा विकास पर उप-मिशन' और इसकी गतिविधि 'गुणवत्ता चारा बीज उत्पादन के लिए सहायता' के तहत प्रमाणित चारा बीज उत्पादन किया जा रहा है। इसमें नौ डेरी सहकारिताओं के माध्यम से लगभग 2,500 मीट्रिक टन फ़ाउंडेशन और प्रमाणित चारा बीज उत्पादन किया जा रहा है। इसके तहत एनडीडीबी डेरी सहकारिताओं के साथ मिलकर काम कर रही है और गुणवत्तापूर्ण चारा बीज के उत्पादन के लिए आवश्यक तकनीकी सहायता प्रदान कर रही है।

किफायती 'रैपिड टेस्ट किट' का विकास

AFB1 के लिए पशु आहार/आहार के कच्चे माल की स्क्रीनिंग करके, पशु आहार संयंत्रों में इसके प्रवेश को निर्धारित किया जा सकता है तथा संभावित संदूषण (contamination) से डेरी पशुओं की रक्षा की जा सकती है। AFB1 की पशु आहार/आहार के कच्चे माल में स्क्रीनिंग के लिए एक किफ़ायती पार्श्व प्रवाह (lateral flow) उपकरण विकसित करने के लिए, एनडीडीबी ने अर्ध-शुष्क-उष्णकटिबंधीय अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (ICRISAT) के साथ सहयोग से एक अनुसंधान प्रोजेक्ट किया है जिसमे वित्तीय सहायता जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (BIRAC), भारत सरकार की ओर से की जा रही है।

पशु स्वास्थ्य

एनडीडीबी हमेशा वैज्ञानिक, किफायती और संपूर्णतावादी पशु स्वास्थ्य गतिविधियों को बढ़ावा देकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए डेरी को एक स्थायी आय का साधन बनाने का प्रयास करता रही है। संपूर्णतावादी रोग नियंत्रण मॉडल, दूध में एंटीबायोटिक अवशेषों को कम करने में मदद करते हैं, जो एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस (AMR) की उत्पत्ति को रोकने में एक लंबा रास्ता तय कर सकते है।

पशु उत्पादकता और स्वास्थ्य के लिए सूचना नेटवर्क (INAPH) का पशु स्वास्थ्य मॉड्यूल, कोल्हापुर दूध संघ में चार वर्ष से कार्यरत है और अब संघ की पशु चिकित्सा सेवा वितरण प्रणाली का एक अभिन्न अंग है। वर्ष के दौरान सिस्टम में 2.88 लाख से अधिक पशु चिकित्सा संबन्धित समस्याएं दर्ज की गई हैं, जिसमें थन से संबंधित समस्याएं लगभग 30 प्रतिशत, पाचन संबंधी समस्याएं 26 प्रतिशत और प्रजनन संबंधी समस्याएं 9.5 प्रतिशत हैं। इस वित्तीय वर्ष में किसानों ने दूध संघ की पशु चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाने के लिए 129.96 लाख रुपये खर्च किए है, जिसका पशु-वार डेटा सिस्टम में उपलब्ध है।

रोगमुक्त वीर्य का उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए सांड़ उत्पादन क्षेत्रों और वीर्य केंद्रों को नियमित आधार पर एनडीडीबी द्वारा जैव सुरक्षा और रोग नियंत्रण पर परामर्श भी प्रदान किया जा रहा है। आरजीएम के तहत वीर्य केंद्र सुदृढ़ीकरण के लिए पशु स्वास्थ्य मूल्यांकन भी नियमित रूप से किया जा रहा है।

एनडीडीबी ने गुजरात के चार जिलों को शामिल करते हुए 573 गांवों में ब्रूसेलोसिस नियंत्रण के वन हेल्थ मॉडल को सहयोग देना निरंतर जारी रखा। मार्च 2022 के अनुसार, इस वित्त वर्ष के दौरान 1,26,966 गोवंशीय मादा बछड़ों का टीकाकरण किया गया है और उनके कान में टैग लगाया गया है और अप्रैल 2013 में परियोजना की शुरूआत होने के बाद, इसमें पांच लाख से अधिक पशुओं को शामिल किया गया है। टीकाकरण के अलावा, इसमें पशु पहचान, प्लेसेंटा और गर्भित (एबॉर्टेड) सामग्री का उचित निपटान, जागरूकता निर्माण, कीटाणुशोधन, पशु को अलग स्थान पर रखना (आइसोलेशन) जैसे मुख्य घटक शामिल हैं, जिसका उद्देश्य रोग को फैलने से रोकना है जो टीकाकरण के समान ही महत्वपूर्ण है। एक चिकित्सा संस्थान के सहयोग से पशु और मानव रोग के बीच अधिक आवश्यक लिंकेज का निर्माण किया गया है हालांकि, मनुष्यों में इस ज़ूनोसिस का काफी हद तक पता नहीं चल पाता है और यह किसान और अन्य पशुपालन कर्मचारियों की कार्य क्षमता को गंभीर रूप से प्रभावित करता है।

one health ऐसे संक्रमित लोगों की पहचान करने में मदद करता है जिन्हें विशिष्ट उपचार खुराक प्रदान किया जाता है। ब्रुसेलोसिस के लिए आवश्यक किसी भी अन्य common bacterial infection से भिन्न है। इस बीमारी के बारे में पर्याप्त जागरूकता के लिए परियोजना के अंतर्गत बीमारी से ठीक हुए

किसानों की सफलता की कहानियों पर एक वीडियो फिल्म व्यापक रूप से प्रसारित की जा रही है। ब्रुसेलोसिस पर जागरूकता का स्तर और किसानों के बीच इसका नियंत्रण भी परियोजना क्षेत्रों में काफी बढ़ गया है। अब तक, 2,200 से अधिक हितधारकों (किसानों और पशु स्वास्थ्य कर्मियों) में ब्रूसेलोसिस की जांच की गई है और ब्रूसेलोसिस के लक्षणों वाले 123 रोगियों का उपचार किया गया है और वे स्वस्थ हो गए हैं, अपने उत्तम स्वास्थ्य स्थिति में वापस आ गए हैं और उनकी कार्य दक्षता में काफी सुधार हुआ है।

थनैला नियंत्रण लोकप्रियता परियोजना

एनडीडीबी ने कई और बीमारियों को शामिल करने के लिए थनैला नियंत्रण के अपने समग्र मॉडल - थनैला नियंत्रण लोकप्रियता परियोजना (MCPP) का विस्तार किया और इसे वैकल्पिक विधियों के माध्यम से रोग नियंत्रण (DCAM) का नया नाम दिया। DCAM को आठ राज्यों (केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, असम, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश) के 16 दूध संघों/उत्पादक कंपनियों में लागू किया गया है। परियोजना क्षेत्रों में थनैला रोगजनकों और इसकी जीवाणुरोधी संवेदनशीलता की निगरानी की जा रही है और उचित उपाय सुझाए जा रहे हैं ताकि एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग को युक्तिसंगत किया जाए और एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (AMR) की उत्पत्ति की संभावना को कम किया जा सके। परियोजना गांवों मे दूध में उप-नैदानिक थनैला (SCM), एंटीबायोटिक अवशेष, सोमैटिक सेल काउंट्स (SCC), बैक्टीरियल लोड और एफ्लाटॉक्सिन अवशेषों जैसे मापदंडों के लिए की निगरानी की जा रही है। 2021-22 में एससीएम का आकलन करने के लिए कैलिफ़ोर्निया थनैला टेस्ट (CMT) द्वारा डेरी सहकारी समिति (DCS) या मिल्क पूलिंग प्वाइंट (MPP) में दूध देने वाले किसानों के कुल 2,66,638 दूध के सैंपलों का परीक्षण किया गया। SCM वाले प्रत्येक पशु की पहचान किसानों के घर में CMT के एक और स्तर द्वारा की गई और जो पॉजिटिव पाए गए उन्हें लगभग 35 रूपये का 10 दिन का आसान oral regimen खिलाया गया। इस रणनीति से SCM की घटनाओं में भारी गिरावट, और प्रभावित पशुओं में प्रतिदिन एक लीटर की औसत दूध उत्पादन में वृद्धि दर्ज की गई है। DCAM के तहत थनैला सहित कई सामान्य बीमारियों के लिए पारंपरिक पशु चिकित्सा दवाओं (EVM) का दस्तावेजीकरण भी किया जा रहा है। मार्च 2022 तक, परियोजना क्षेत्रों में ईवीएम का उपयोग 6.75 लाख से अधिक पशु स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में किया है, जिनमें से 2.15 लाख से अधिक थनैला के हैं, जिनकी औसत उपचार दर 79 प्रतिशत है। किसानों को EVM की जानकारी प्रदान करने पर यह पाया गया है कि जहां दूध संघों में ईवीएम का व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है वहाँ पशु स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में काफी कमी आई है और जिससे पता चलता है किसान अधिक से अधिक ईवीएम को अपनाना पसंद करते हैं ताकि आम बीमारियों की स्वयं रोकथाम कर सकें।

DCAM के तहत, एनडीडीबी ईवीएम की आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने के लिए ईवीएम उत्पादन सुविधा की स्थापना हेतु कुल परियोजना लागत का 30 प्रतिशत तक अनुदान प्रदान करके यूनियनों को प्रोत्साहित कर रही है। एनडीडीबी ने 2021-22 से तीन वर्ष की अवधि के लिए इसके लिए 5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। 2021-22 के दौरान साबरकांठा और कैरा दूध संघ ने इस पहल के तहत ईवीएम उत्पादन सुविधा की स्थापित की/बढ़ाई है। अपने क्षेत्र में ईवीएम का व्यापक उपयोग करने वाली दूध संघों ने अपनी दवा खरीद, विशेष रूप से एंटीबायोटिक दवाओं की खरीद को काफी कम कर दिया है।

सफलता की कहानी

कैरा दूध संघ, आणंद में EVM फार्म्यूलेशन प्लांट एवं आपूर्ति शृंखला सुविधा की स्थापना

एनडीडीबी 2017 से गोवंश में सामान्य बीमारियों के प्रबंधन के लिए एथनोवेटरिनरी मेडिसिन (EVM) को लोकप्रिय बना रही है। ईवीएम एक प्रभावी, किफायती और पर्यावरण के अनुकूल दृष्टिकोण है जो पशुधन स्वामित्व वाले किसानों को कई सामान्य गोवंशीय बीमारियों की रोकथाम करने में मदद करता है। एनडीडीबी पूरे भारत में 16 से अधिक दूध संघों और दूध उत्पादक कंपनियों में ईवीएम का प्रचार कर रही है। डेरी बोर्ड ने दूध संघों को ईवीएम उत्पादन प्लांट स्थापित करने में मदद करके ईवीएम सप्लाई चेन को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित करने का भी निर्णय लिया है ताकि बड़ी संख्या में सदस्य उत्पादकों को कवर किया जा सके। ईवीएम प्रचार पर साबरकांठा दूध संघ की सफलता से प्रेरणा लेते हुए, कैरा दूध संघ, आणंद, गुजरात ने पशुपालकों और संघ के लाभ के लिए अपने संपूर्ण दूध क्षेत्र के लिए एक मॉडल ईवीएम उत्पादन प्लांट स्थापित करने का निर्णय लिया। ईवीएम उत्पादन संयंत्र दूध संघ के पशु आहार फैक्टरी संयंत्र के परिसर में स्थापित किया गया है, जिसमें एनडीडीबी के 51.51 लाख रुपये के वित्तीय अनुदान के साथ कुल परिव्यय 2 करोड़ रुपये से अधिक है। इस संयंत्र में कुल सात ईवीएम फॉर्मूलेशन तैयार किए जा रहे हैं और सदस्य उत्पादकों के बीच वितरित किए जा रहे हैं। दूध संघ से 1,800 से अधिक पशुधन जानकार व्यक्तियों को विभिन्न गोवंशीय रोगों के रोकथाम के लिए ईवीएम पद्धति, ईवीएम तैयार करने और उसके प्रयोग पर प्रशिक्षित किया गया है। अब तक दूध संघ क्षेत्र में लगभग 28,000 सदस्यों को 2 लाख से अधिक ईवीएम की आपूर्ति की जा चुकी है। लंबे समय में, ये रेडी-टू-यूज़ ईवीएम फॉर्मूलेशन निश्चित रूप से कैरा दूध संघ को गोवंश में एंटीबायोटिक के उपयोग को कम करने, गुणवत्ता वाले दूध का उत्पादन करने और किसानों के घर पर पशु चिकित्सा दौरे को कम करने में मदद करेंगे।

अनुसंधान एवं विकास

नस्लों की उत्पादकता में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए निरंतर वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास की आवश्यकता है। एनडीडीबी के अनुसंधान संबंधी प्रयास विभिन्न पद्धतियों का मूल्यांकन करते हैं और जब वे लाभकारी सिद्ध होते हैं तो उन्हें विशिष्ट परियोजना के रूप में क्षेत्र में ले जाया जाता है।

हैदराबाद में स्थित एनडीडीबी की अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला एक अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधा है जो गोवंशीय रोगों और रोग निदान से संबंधित अनुप्रयुक्त अनुसंधान में शामिल है। प्रयोगशाला ने रोग निदान के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकों के गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (QMS) को अपनाया है और इसे आईएसओ/आईईसी 17025: 2017 (NABL) और आईएसओ 9001:2015 प्रमाणपत्रों की मान्यता दी गई है। इसके अलावा, प्रयोगशाला गोवंशीय रोग निदान के लिए अपनाई गई परीक्षण विधियों की सटीकता और उपयुक्तता का पता लगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तावित दक्षता परीक्षण (PT) कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लेती है। नस्ल सुधार एजेंसियों को गोवंशीय हिमीकृत वीर्य के उत्पादन के लिए न्यूनतम मानक प्रोटोकॉल में सूचीबद्ध रोगों की जांच सहायता जारी रखी गई है। अनुसंधान के प्रयास नैदानिक विकास और सत्यापन, बीमारी के प्रकोप की जांच, और जो आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण, जूनोटिक और वन हेल्थ से सबंद्ध महत्वपूर्ण विश्लेषणात्मक एजेंटों की निगरानी और मॉलिक्युलर विवरणों पर केंद्रित होते हैं।

नैदानिक सहयोग

गोवंशीय ब्रुसेलोसिस, गोवंशीय राइनोट्रैकाइटिस (IBR), गोवंशीय वायरल डायरिया (BVD), जॉन रोग (JD), गोवंशीय जेनाइटल कम्पाईलोलोबैक्टीरियोसिस (BGC) और गोवंशीय ट्राइकोमोनोसिस के लिए गायों और भैंसों के कुल 60,400 सैंपलों की जांच की गई।

किए गए परीक्षण का विवरण नीचे दिया गया है:

क्रम सं.	रोग	परीक्षण	सैंपलों की संख्या	सैंपलों का प्रकार	प्रजाति	प्रतिशत पॉज़िटिव
1	आईबीआर	एंटीबॉडी एलिसा	15,279	सीरम	गाय एवं भैंस	15
2	ब्रूसेलोसिस	एंटीबॉडी एलिसा	15,071	सीरम	गाय एवं भैंस	1.04
3	बीवीडी	एंटीजन एलिसा	7,312	सीरम	गाय एवं भैंस	0.15
		आरटी-पीसीआर	107	सीरम	बछड़े <6 महीने उम्र	0
4	जेडी	एलिसा	617	सीरम	गाय एवं भैंस	5
5	बीजीसी एवं ट्राइकोमोनोसिस	इन-विट्रो कल्चर	1,164	प्रीप्यूशियल वॉश	गाय एवं भैंस	0
6	आईबीआर	आरटी-पीसीआर	19,686	हिमीकृत वीर्य	आईबीआर सीरो-पॉज़िटिव सांड़	2

नस्ल सुधार और उत्पादकता वृद्धि परियोजना से संबद्ध वीर्य केंद्रों एवं फार्म को शीघ्र और सटीक रोग निदान, न्यूनतम मानक प्रोटोकॉल (MSP) में सूचीबद्ध बीमारियों से मुक्त स्वस्थ पशुओं की खरीद और रखरखाव में सहायता प्रदान करता है।

गुणवत्ता प्रत्यायन और दक्षता परीक्षण (पीटी)

वर्ष के दौरान गोवंशीय रोग परीक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों (आईएसओ 9001:2015 और आईएसओ/आईईसी 17025:2017) के लिए प्रयोगशाला के प्रत्यायन का नवीनीकरण किया गया। रोग परीक्षण गतिविधियों के लिए क्यूएमएस संबंधित मान्यता एजेंसियों द्वारा किए गए वार्षिक आकलन के मानकों के पूर्ण अनुरूप पाए गए।

पीटी प्रदाता (VETQAS, APHA, UK) से प्राप्त सैंपलों के लिए प्रयोगशाला द्वारा अपनाए गए आईबीआर और ब्रुसेलोसिस स्क्रीनिंग टेस्ट (एंटीबॉडी एलिसा) के परिणाम सभी दौरों के परीक्षणों में पीटी प्रदाता के परिणामों के 100 प्रतिशत अनुरूप थे। दक्षता परीक्षण, प्रयोगशाला का प्रदर्शन और परीक्षण विधियों की सटीकता में योग्यता की पुष्टि करता है।

गाय से पृथक *ब्रुसेला मेलिटेंसिस* का होल जीनोम सीक्वेंसिंग

ब्रुसेलोसिस, जूनोटिक होने के कारण भी, न केवल डेरी पशुओं की एक महत्वपूर्ण बीमारी है, बल्कि यह वन हेल्थ के नजरिए से महत्वपूर्ण है। गाय और भैंसों में यह रोग ज्यादातर *ब्रुसेला एबॉर्टस* के कारण होता है, जबकि मनुष्य और जुगाली करने वाले छोटे पशुओं (भेड़ और बकरी) ज्यादातर *ब्रुसेला मेलिटेंसिस* से संक्रमित होते हैं। हालांकि, ब्रुसेलोसिस से एक संक्रमित झुंड में, गर्भपात हुए गाय में *ब्रुसेला मेलिटेंसिस* को आइसोलेट किया गया। संपूर्ण जीनोम सीक्वेंसिंग और *इन-सिलिको*, मल्टीलोकस वेरिएबल टेंडेम रिपीट एनालिसिस (MLVA) ने दिखाया कि आइसोलेट 'पूर्वी भूमध्यसागरीय' वंश के जीनोटाइप 116 से संबंधित था। इसके अलावा, फ़ाइलोजेनेटिक विश्लेषण से पता चला कि यह आइसोलेट Genotype IId से संबंधित था और तमिलनाडु के मानव आइसोलेट से निकटता से संबंधित है। यह अध्ययन ब्रुसेलोसिस के नियंत्रण में वन हेल्थ दृष्टिकोण की आवश्यकता को सूचित करता है।

थनैला कारक बैक्टीरिया में एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (AMR) की निगरानी

एनडीडीबी द्वारा कार्यान्वित थनैला नियंत्रण लोकप्रियता परियोजना (MCPP) में थनैला कारक एजेंटों की पहचान और antibiotic susceptibility के निर्धारण के लिए भाग लेने वाले संघों से दूध के सैंपलों की निर्धारित जांच शामिल है। प्रयोगशाला ने उप-नैदानिक/नैदानिक थनैला केस से एकत्र किए गए दूध के सैंपलों (n=358) से कारक एजेंटों को आइसोलेट कर पहचान किए। सैंपलों से कुल 549 बैक्टीरिया अलग किए गए। नॉन-ऑरियस *स्टेफाइलोकोकस* सबसे ज्यादा मात्रा में (33 प्रतिशत) था, इसके बाद *स्ट्रेप्टोकोकस* की प्रजातियाँ (25 प्रतिशत) और *एस. ऑरियस* (17 प्रतिशत) थे।

बैक्टीरिया के एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (AMR) प्रोफाइल फीनोटाइपिक (broth-dilution) और जीनोटाइपिक (PCR) पद्धतियों द्वारा निर्धारित किए गए। मेथिसिलिन प्रतिरोधी *एस. ऑरियस* (MRSA) *एस. ऑरियस* का 10 प्रतिशत हिस्सा है जो थनैला का कारण बनता है। थनैला कारक वाले एजेंटों का एएमआर प्रोफाइल (एंटीबायोग्राम) संबंधित यूनियनों को सूचित किया गया था ताकि उपचार के लिए एंटीबायोटिक दवाओं की जानकारी और उचित विकल्प की सहायता की जा सके।

थनैला के मामलों से पृथक *क्लेबसिला न्यूमोनिया* (17) के सीक्वेंस और विरुलेंस टाइपिंग ने आइसोलेट्स के high-divergence और 27.5 प्रतिशत आइसोलेट्स (कैप्सुलर प्रकार- K20, K54) ने hyper -divergence का संकेत दिया। multivalent mastitis थनैला वैक्सीन के विकास के लिए तीन अच्छी विशेषता वाले स्ट्रेन को candidate vaccine strains के रूप में सूचीबद्ध किया गया।

आइबीआर निदान के लिए BoHV-1 (DIVA) एलिसा का सत्यापन

आईबीआर के निदान के लिए प्रयोगशाला में एलिसा परीक्षण विकसित किया गया जिसको आईबीआर टीकाकरण वाले पशुओं (DIVA) से संक्रमित को अलग करने के लिए वेलीडेट किया जा रहा है। यह परीक्षण BoHV-1 के रिकोम्बिनेंट ग्लाइकोप्रोटीन-ई (gE) और gE स्पेसेफिक मोनोक्लोनल एंटीबॉडी पर आधारित है। सत्यापन परीक्षणों से परीक्षण की उच्च संवेदनशीलता (> 99 प्रतिशत) और विशिष्टता (100 प्रतिशत) का पता चला। परीक्षण पद्धति की अंतर-प्रयोगशाला तुलना (ILC) देश के विभिन्न स्थानों में छः प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं में की गई थी। आईएलसी में भाग लेने वाली प्रयोगशालाओं द्वारा दो बार 80 नामांकित सैंपलों का परीक्षण शामिल है। परिणामों के विश्लेषण से पता चलता है कि यह परीक्षण अत्यधिक रीप्रोड्यूशेबल (99.58 प्रतिशत मेल खाता) है। प्रयोगशाला ने वर्ष के दौरान तीन बार Vetqas, APHA, U.K. के साथ दक्षता परीक्षण (PT) के माध्यम से परीक्षण की सटीकता का मूल्यांकन किया। नामांकित सैंपलों (18) के परीक्षण के परिणाम पीटी प्रदाता के परीक्षण परिणामों के साथ 100 प्रतिशत मेल खाते थे, जो आगे परीक्षण की सटीकता की पुष्टि करते हैं।

गांठदार त्वचा रोग वायरस (lumpy skin disease virus) के प्रकोपों की जांच

गांठदार त्वचा रोग हाल ही में एक प्रमुख गोवंशीय रोग के रूप में उभरा है जिसके कारण पूरे भारत में कई प्रकोप हुए हैं। प्रयोगशाला ने आरटी-पीसीआर द्वारा गुजरात के आणंद, खेड़ा और साबरकांठा जिलों के संदिग्ध LSD प्रकोप स्थलों में पशुओं के सैंपलों की जांच की। परिणामों ने प्रकोप की पुष्टि की। सात LSD वायरस को संक्रमित पशुओं से एकत्र किए गए टिश्यू स्कैब से आईसोलेट किया गया था। इन आइसोलेट्स का मॉलिक्युलर परीक्षण किया जा रहा है।

गोवंशीय प्रजनन विकार में जूनोटिक संक्रामक एजेंटों की प्रोफाइलिंग

रिपोर्ट किए गए गोवंशीय प्रजनन विकारों (गर्भपात, जेर न गिरना, थनैला) वाले 401 गाय और भैंसों की महत्वपूर्ण जूनोटिक रोगजनकों *(ब्रुसेला एबोर्टस, लेप्टोस्पाइरा इंटेरोगांस, लिस्टेरिया मोनोसाइटजीन तथा कॉक्सिएला बर्नेटी)* के संक्रमण के लिए जाँच की गई। योनि स्राव या एबोर्टेड सामग्री के साथ स्पॉट किए गए विशेष पेपर-आधारित नमूना मैट्रिक्स (FTA® कार्ड) का मॉलिक्युलर परीक्षण- या तो आरटी-पीसीआर या पीसीआर द्वारा किया गया। परिणामों में *ब्रुसेला, लेप्टोस्पाइरा और कॉक्सिएला* के संक्रमण क्रमशः 18.45 प्रतिशत, 22.19 प्रतिशत और 28.93 प्रतिशत मिलें। लिस्टेरिया प्रजाति किसी भी सैंपल में नहीं मिली। परिणाम 232 पशुओं (57.86 प्रतिशत) में उपर्युक्त रोगजनकों में से कम से कम एक के साथ, जबकि 45 पशुओं (11.22 प्रतिशत) में एक से अधिक गर्भपात संबंधी जीवाणु संक्रमण का संकेत देते हैं। प्रजनन संबंधी विकारों वाले गाय और भैंसों में जूनोटिक क्षमता वाले बैक्टीरिया का उच्च प्रसार, गोवंशीय गर्भपात और प्रजनन रोग पैदा करने वाले संक्रामक एजेंटों के नियंत्रण में वन हेल्थ दृष्टिकोण की आवश्यकता को प्रेरित करता है।

गोवंश की बायोमैट्रिक पहचान

विभिन्न स्टार्ट-अप प्रौद्योगिकी भागीदारों के सहयोग से, एनडीडीबी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल का उपयोग करके गोवंश की बायोमैट्रिक पहचान की दिशा में शुरुआत की है। प्राथमिक परिणाम संकेत देते हैं कि एक बार पशु के मज़ल इमेज डेटाबेस में संग्रहीत हो जाती है तो मज़ल इमेज से गाय या भैंस की पहचान लगभग 90% सटीक होती है।

जीनोमिक चिप का विकास

वर्ष के दौरान, विभिन्न संस्थाओ द्वारा देश में उपयोग किए जा रहे जीनोटाइपिंग पैनल को एकीकृत करने की दिशा में कदम उठाए गए। पहले कदम के रूप में, BAIF डेवलपमेंट रिसर्च फाउंडेशन के सहयोग से जीनोटाइपिंग चिप "INDUSCHIP" और "BUFFCHIP" को व्यापक उपयोगिता और अनुकूलता के लिए अपग्रेड किया गया। इस प्रयास में NAIB और NBAGR जैसे अन्य संगठनों को शामिल करने के प्रयास जारी हैं ताकि देश भर में उत्पन्न जीनोटाइप डेटा संगत हो और संदर्भ पशुसंख्या के विस्तार के लिए आसानी से उनका विलय किया जा सके।

आईवीएफ (IVF) तकनीक का विकास

भैंस में आईवीएफ को एनडीडीबी प्रयोगशाला में मानकीकृत किया गया। भैंस के आईवीएफ में 15 OPU (ओवम पिक अप) सत्रों से 42 भ्रूणों के उत्पादन के साथ बहुत उत्साहजनक परिणाम देखा गया। इसके परिणामस्वरूप रेसिपिएंट में भ्रूण के प्रत्यारोपण से पांच गर्भधारण सुनिश्चित हुए।

एनडीडीबी, OPU-IVEP-ET के लिए स्वदेशी मीडिया विकसित करने का प्रयास कर रहा है जो इन-विट्रो फर्टिलाइज्ड भ्रूणों की लागत को कम करने और क्षेत्रीय स्तर पर टेक्नोलॉजी की स्वीकार्यता बढ़ाने में मदद कर सकता है।

चारा अनुसंधान स्वैच्छिक केंद्र की स्थापना

वर्ष के दौरान, एनडीडीबी ने भारतीय चरागाह और चारा अनुसंधान संस्थान (IGFRI), झांसी के सहयोग से चयनित चारा फसलों पर अनुसंधान परीक्षण करने और साइलेज उत्पादन प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए आणंद में एक स्वैच्छिक केंद्र की स्थापना की। *खरीफ* के सीजन के दौरान, पांच चारा मक्का किस्मों के साथ एक फील्ड परीक्षण किया गया, जिसकी

साइलेज उद्देश्य के लिए तीन चरणों में कटाई की गई। यह पाया गया कि dough stage पर चारा मक्का की कटाई करके उच्चतम औसत हरे चारे की पैदावार (35.86 मीट्रिक टन/हेक्टेयर) और शुष्क पदार्थ की पैदावार (9.34 मीट्रिक टन/हेक्टेयर) प्राप्त की जा सकती है, जबकि चारे में शुष्क पदार्थ की मात्रा लगभग 26 प्रतिशत है। मक्का किस्मों का साइलेज पीएच 3.5-3.6 के बीच देखा गया। मक्का की किस्में जैसे जे-1006, जे-1007 और अफ्रीकन टाल हरे चारे की पैदावार, शुष्क पदार्थ पैदावार, शुष्क पदार्थ सामग्री और कच्चे प्रोटीन सामग्री के मामले में बेहतर पाई गईं।

साइलेज विशिष्ट पत्तेदार मक्का संकर का विकास

लीन सीजन के दौरान गुणवत्तापूर्ण हरे चारे की कमी को दूर करने के लिए डेरी किसान साइलेज बनाने की तकनीक अपना रहे हैं। यह देखा गया है कि अधिक अनाज और स्टार्च सामग्री के कारण किसान साइलेज उत्पादन के लिए मक्का संकर या दोहरे उद्देश्य वाली किस्मों की खेती करना पसंद करते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, एनडीडीबी ने साइलेज विशिष्ट पत्तेदार मक्का संकर के विकास के लिए भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान (IIMR), लुधियाना के साथ सहयोग किया है। इस कार्यक्रम के तहत, लगभग 108 मक्का संकर का मूल्यांकन किया गया, जिनमें से नौ संकर साइलेज निर्माण अनुरूप पाए गए।

बेंटोनाइट - दूध में एफ्लाटॉक्सिन एम1 को नियंत्रित करने के लिए एक किफायती टॉक्सिन बाइंडर मशीन

आहार और चारा दूध में एफ्लाटॉक्सिन एम1 (AFM1) दूषित पदार्थ - एफ्लाटॉक्सिन बी1 (AFB1) प्रमुख स्रोत हैं जो कि principal hydroxylated metabolite है। लगभग, AFB1 का लगभग 0.3 से 6.2% metabolized AFM1 में परिवर्तित हो जाता है और डेरी पशुओं के दूध में उत्सर्जित होता है। AFB1 मिलावट की समस्या को कम करने के लिए, एनडीडीबी ने दूध में AFM1 के उत्सर्जन पर बेंटोनाइट (जुगाली करने वाले पशुओं के लिए आहार में AFB1 की कमी करने वाला एक पदार्थ) के संपूरकता के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए in vivo में दो अध्ययन किए।

पहले अध्ययन से यह पता चला है standard bentonite (Sigma-Aldrich)@150 ग्राम प्रति गाय को खिलाने से शुष्क पदार्थ के ग्रहण (8.7 के प्रति 8.9 किलोग्राम/दिन) और दूध उत्पादन (8.8 के प्रति 8.4 किलोग्राम/पी = 0.307) को प्रभावित किए बिना दूध में AFM1 के उत्सर्जन में 76 प्रतिशत (पी<0.01) (पी = 0.292) तक कमी आई। un-supplemented control group (1.10%) की तुलना में, supplemented group में, आहार से दूध तक AFM1 के ट्रांसमीशन की दर काफी कम रही (0.42%; पी<0.01)।

दूसरे in vivo अध्ययन में पता चला है कि प्रतिदिन 150 ग्राम प्रति गाय की दर से व्यावसायिक बेंटोनाइट के suplementation ने दूध में AFM1 के उत्सर्जन को, शुष्क पदार्थ सेवन (9.08 के प्रति 9.07 किलोग्राम/दिन;) पी = 0.140) और दूध उत्पादन (9.13 के प्रति 8.65 किलोग्राम/दिन; पी = 0.526) को प्रभावित किए बिना 47% (पी<0.01) तक कम कर दिया। un-supplemented control group (1.17%) की तुलना में आहार से दूध तक AFM1 के ट्रांसमीशन दर काफी कम रही (0.75%); पी<0.01)। व्यावसायिक बेंटोनाइट की दैनिक supplemental लागत प्रति पशु एक रुपये से भी कम थी। इसलिए, बेंटोनाइट को डेरी पशुओं के दूध में AFM1 के नियंत्रण के लिए एक किफायती टॉक्सिन बाइंडर मशीन माना जा सकता है।

सूचना नेटवर्क का निर्माण

डेरी और संबद्ध क्षेत्र से संबंधित एक व्यापक डेटाबेस को ट्रैक, संकलित और विश्लेषण किया जा रहा है ताकि देश के डेरी किसानों और उपभोक्ताओं के हित में सूचित निर्णय लिया जा सके और नीतिगत उद्देश्यों के लिए उनका विश्लेषण किया जा सके।

सूचना निर्माण

इंटरनेट पर आधारित डेरी सूचना प्रणाली (iDIS) - जो एक वेब आधारित राष्ट्रीय डेरी सहकारी डेटाबेस प्रणाली है, को डेरी सहकारिताओं से संबंधित जानकारी एकत्रित करने के लिए एक प्लेटफार्म के रूप में निरंतर जारी रखा है। 250 से अधिक दूध संघों, विपणन डेरियों, पशु चारा संयंत्रों और दूध महासंघों के अधिकारी इस इंटरनेट आधारित प्रणाली का उपयोग कर रहे हैं। एनडीडीबी ने डेरी सहकारिताओं के प्रदर्शन पर नज़र रखना और आवश्यकतानुसार तकनीकी और हैंडहोल्डिंग सहयोग प्रदान करना जारी रखा।

अध्ययन और सर्वेक्षण

एनडीडीबी ने असम के धेमाजी और लखीमपुर जिलों में सुबनसिरी नदी के निचले क्षेत्रों में आजीविका विकल्प के रूप में डेरी की संभावना पता लगाने के लिए नेशनल हाइडोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन (NHPC) लिमिटेड के लिए एक परामर्शी अध्ययन किया। क्षेत्र में आजीविका के स्थायी विकल्प के रूप में डेरी को बढ़ावा देने के लिए एक एकीकृत डेरी विकास योजना तैयार की गई है।

इस योजना में प्रस्तावित प्रमुख गतिविधियां पशु प्रेरण ग्राम स्तरीय संस्थाओं का निर्माण, दूध प्रसंस्करण बुनियादी ढांचे का निर्माण वैज्ञानिक पशु-आहार एवं डेरी किसानों की क्षमता निर्माण हैं। इस योजना का वित्तीय परिव्यय लगभग 52 करोड़ रुपये आकलित किया गया है।

वाराणसी, उत्तर प्रदेश में, गोबर की उपलब्धता का पता लगाने और वाराणसी दूध संघ डेरी संयंत्र के आस-पास के गांवों से नियमित और संगठित तरीके से गोबर की बिक्री के लिए किसानों के इच्छा समझने के लिए एक सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण में, आस-पास के गांवों में गोबर की पर्याप्त उपलब्धता पाई गई, जिसका उपयोग बायोगैस के माध्यम से डेरी संयंत्र चलाने के लिए ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत के रूप में किया जा सकता है।

एनडीडीबी द्वारा गुजरात के आणंद जिले में स्थित जाकरियापुरा गांव के महिला किसानों के आंगन में कम क्षमता के घरेलू बायो गैस संयंत्र स्थापित किए गए। बायो गैस संयंत्र के प्रभाव को समझने के लिए एक प्रभाव अध्ययन किया गया। अध्ययन में यह पाया गया कि परियोजना गांव में लाभार्थियों ने खाना पकाने के ईंधन के रूप में गोबर के उपले के उपयोग को पूरी तरह से बदल दिया है और खाना पकाने के लिए लकड़ी के उपयोग में भी कमी आयी है। लगभग 67 प्रतिशत किसानों का मानना है कि स्लरी के उपयोग से फसल की उत्पादकता - धान में 17 प्रतिशत और बाजरा में 23 प्रतिशत में सुधार करने में मदद मिली। परियोजना गांव के लगभग 36 प्रतिशत किसानों ने यह बताया कि उन्होंने यूरिया जैसे रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 42 प्रतिशत और डीएपी में 13 प्रतिशत की कमी की, जबकि गैर-परियोजना गांव में बहुत कम बदलाव हुआ। गतिविधि के कारण अर्जित कुल अतिरिक्त आय में, अतिरिक्त आय का अधिकतम शेयर में स्लरी की बिक्री (64 प्रतिशत) का योगदान था, इसके कारण ईंधन की लागत में बचत (16 प्रतिशत) और फसल के उत्पादन में वृद्धि (10 प्रतिशत) हुई।

दूध संकलन में हो रही लगातार कमी को संज्ञान में लेते हुए, बिहार राज्य दूध सहकारी संघ लिमिटेड (COMFED) ने एनडीडीबी से इसके कारणों का पता लगाने और उपयुक्त उपचारात्मक कार्रवाई का सुझाव देने का अनुरोध किया। एनडीडीबी ने किसान स्तर पर इनपुट सेवा वितरण प्रणालियों में सुधार लाने, ग्रामीण डेरी सहकारी समितियों को मजबूत करने के अलावा बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए एक आकस्मिक योजना बनाने से संबंधित अध्ययन किया और सिफारिशें प्रस्तावित कीं।

दूध संघों और उत्पादक कंपनियों को स्थानिक विश्लेषण में सहयोग

एनडीडीबी ने जीआईएस सर्वर एप्लिकेशन और 'डेरी सर्वेयर' विकसित किया है - जो फील्ड डेटा संग्रहण और विज़ुअलाइज़ेशन का एक जीआईएस चलित एंड्रॉयड एप्लिकेशन है। ये एप्लिकेशन दूध के संकलन और बिक्री गतिविधियों की निगरानी करने, रियल टाइम रिपोर्ट प्रदान करने और दूध के संकलन और बिक्री में वृद्धि हेतु संभावित क्षेत्रों की पहचान करने के लिए अंतिम उपयोगकर्ताओं की मदद करते हैं।

एनडीडीबी ने दूध संकलन, डेरी बुनियादी ढांचे, फील्ड गतिविधियों की निगरानी और इनपुट सेवाओं की मैपिंग करने के लिए इच्छुक दूध संघों और उत्पादक कंपनियों का अभिमुखन कर उन्हें प्रशिक्षित किया।

इस पहल के तहत, पुणे दूध संघ, महाराष्ट्र ने डेरी बुनियादी ढांचे और खुदरा विक्रेताओं की मैपिंग की है। संघ नए फील्ड स्टाफ की नियुक्ति के लिए फील्ड अधिकारियों और पशुधन पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की निगरानी कर रहा है। संघ दैनिक आधार पर दूध और दूध उत्पादों की बूथ-वार मांग की निगरानी भी कर रहा है और तदनुसार, उनकी आपूर्ति का प्रबंधन करता है। इसी तरह, विजया विशाखा दूध उत्पादक कंपनी, आंध्र प्रदेश ने गांव के डीसीएस, बल्क मिल्क कूलर, मिल्क बूथ और खुदरा विक्रेताओं को डिजिटल किया। यह एप्लिकेशन किसानों के गायों का बीमा कराने, गायों की मृत्यु के दावों की निगरानी करने, नए पशु शाला की स्थापना करने और नई समितियों के गठन के लिए स्थानों की पहचान करने में संघ की मदद करता है। इसी तरह, तिरहुत दूध संघ, बिहार ने सदस्यों और गैर-सदस्यों के अनुपात की निगरानी, बोनस वितरण और व्यापक स्तर पर कृमिनाश और टीकाकरण गतिविधियों की निगरानी के लिए जीआईएस एप्लिकेशन का उपयोग किया।

अभियांत्रिकी सेवाएं

एनडीडीबी पूरे देश में डेरी सहकारिताओं को परियोजनाओं के निष्पादन, नए प्रसंस्करण बुनियादी ढांचे का निर्माण करने और डेरी और पशु आहार संयंत्रों के लिए वर्तमान सुविधाओं का विस्तार करने के लिए परामर्श सेवाएं प्रदान करती है। जैव-सुरक्षा प्रयोगशालाओं (BSL), पशु वैक्सीन उत्पादन सुविधाओं, पशु प्रयोग सुविधा और हिमीकृत वीर्य केंद्रों की योजना निर्माण, निष्पादन और सत्यापन के लिए भी सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। एनडीडीबी दक्षता में सुधार, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और उत्पाद हैंडलिंग में होने वाली हानि को कम करने के लिए बुनियादी ढांचे के नवीनीकरण और विकास के लिए वर्तमान संयंत्रों का अध्ययन भी करती है।

वर्ष के दौरान 14 परियोजनाएं पूरी की गईं, जिनमें बस्सी पठाना (पंजाब) में एक एसेप्टिक पैकेजिंग स्टेशन, देवघर और साहिबगंज (झारखंड) में 50 हलीप्रदि क्षमता के दो डेरी संयंत्र, जलगांव (महाराष्ट्र) में एक उत्पाद संयंत्र, इरोड (तमिलनाडु) में एक पशु आहार संयंत्र, एक एंथ्रेक्स वैक्सीन उत्पादन सुविधा और आईवीपीएम रानीपेट (तमिलनाडु) में लघु पशु परीक्षण सुविधा सहित एक गुणवत्ता नियंत्रण/गुणवत्ता आश्वासन प्रयोगशाला और तथा पूरे देश में विभिन्न स्थानों पर सात आईवीएफ/ईटीटी प्रयोगशालाएं शामिल हैं।

बस्सी पठाना, पंजाब में एसेप्टिक मिल्क पैकिंग संयंत्र

यह पंजाब का पहला और सबसे बड़ा पूर्णतः स्वचालित 'अत्याधुनिक' एसेप्टिक मिल्क पैकिंग संयंत्र है जो 500 मिलीलीटर में 2 लाख लीटर प्रतिदिन (लालीप्रदि) क्षमता के साथ-साथ 1,000 मिलीलीटर अल्ट्रा-हीट-ट्रीटेड (UHT) दूध पैक का उत्पादन करने में सक्षम है।

इस संयंत्र में उत्पादित यूएचटी दूध के पैकेट 100 प्रतिशत पुनर्नवीनीकरण योग्य हैं। इसके अलावा, इन एसेप्टिक पैकों में कोई मिलावट संभव नहीं है जो उपभोक्ताओं को उत्तम गुणवत्ता वाले दूध की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। नवंबर, 2021 में पंजाब के माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा संयंत्र का औपचारिक उद्घाटन किया गया था।

स्वचालित डेरी और पाउडर संयंत्र, ओम्फेड, ओडिशा

ओडिशा में स्थित इस स्वचालित तरल दूध प्रसंस्करण (LMP) संयंत्र में 5 लाख लीटर प्रतिदिन (लालीप्रदि), यूएचटी और 20 मीट्रिक टन प्रतिदिन (मीटप्रदि) दूध पाउडर निर्माण की सुविधा है।

एलएमपी की कुल ठोस (TS) हानि में सुधार और अनुकूलन के लिए आधुनिक डेरी लाइब्रेरी तथा आधुनिक स्वचालन सुविधाओं को क्रियान्वित किया गया है। नवंबर, 2021 में, ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा इस संयंत्र का उद्घाटन किया गया।

इरोड, तमिलनाडु में 150 मीटप्रदि क्षमता के पशु आहार संयंत्र (CFP) का विस्तार कुल उत्पादन क्षमता यानी 300 मीटप्रदि को दोगुना करने के लिए किया गया।

झारखंड में डेरी संयंत्र

झारखंड के देवघर, साहिबगंज और पलामू में 50 हजार लीटर प्रतिदिन (हलीप्रदि) क्षमता वाले डेरी संयंत्र स्थापित किए गए। इन संयंत्रों ने अपनी प्रसंस्करण क्षमता को 100 हजार लीटर प्रतिदिन (हलीप्रदि) तक बढ़ाने का प्रावधान किया है। इन संयंत्रों को स्किड-बेस्ड ऑटोमेशन के तहत डिज़ाइन किया गया है, ताकि जहां आवश्यकतानुसार, प्रोसेस ऑटोमेशन के लाभ प्राप्त हो सकें और साथ ही इसे किफायती भी बनाया जा सके।

जलगांव, महाराष्ट्र में दूध उत्पाद संयंत्र

एनडीडीबी ने महाराष्ट्र के जलगांव में 40 हलीप्रदि क्षमता का एक दूध उत्पाद संयंत्र स्थापित किया। उत्पाद शृंखला में दही, लस्सी, मक्खन दूध, श्रीखंड, पनीर और कांच की बोतलों में प्लेवर्ड दूध शामिल हैं। दिसंबर, 2021 में महाराष्ट्र के माननीय उप मुख्यमंत्री जी के द्वारा इस संयंत्र का औपचारिक उद्घाटन किया गया।

तमिलनाडु में पशु आहार संयंत्र का विस्तार

इरोड तमिलनाडु में 150 मीटप्रदि क्षमता के पशु आहार संयंत्र (CFP) का विस्तार कुल उत्पादन क्षमता यानी 300 मीटप्रदि तक दोगुना करने के लिए किया गया। इस संयंत्र की कमीशनिंग सफलतापूर्वक की गई है और इसे आविन-तमिलनाडु सहकारी दूध उत्पादक संघ लिमिटेड को सौंप दिया गया है।

एनिमल वैक्सीन उत्पादन और लघु पशु परीक्षण सुविधा

एनडीडीबी ने आईवीपीएम, रानीपेट, तमिलनाडु में एंथ्रेक्स वैक्सीन उत्पादन के लिए इस परियोजना को निष्पादित किया। यह सुविधा प्रतिवर्ष 70 लाख डोज का उत्पादन करने और उत्तम निर्माण प्रक्रियाओं (GMP) का अनुपालन करने में सक्षम है। तमिलनाडु सरकार के पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा विभाग के लघु पशु परीक्षण के लिए क्यूए-क्यूसी प्रयोगशाला (बीएसएल-3) भी स्थापित की गई है।

इसके अलावा, केंद्रीय मवेशी प्रजनन फार्म (CCBF), पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार के लिए देश भर में सात स्थानों अर्थात हेसारघट्टा (कर्नाटक), अलामाढ़ी (तमिलनाडु), धाम्रोड (गुजरात), सूरतगढ़ (राजस्थान), अंदेशनगर (उत्तर प्रदेश), चिपलिमा (ओडिशा), सुनाबेड़ा (ओडिशा) में आईवीएफ/ईटीटी प्रयोगशालाओं की स्थापना की गई है।

पर्यावरणीय स्थिरता और हरित पहल

डेरी विकास के लिए सौर ऊर्जा समाधान

इंडो-जर्मन सोलर एनर्जी पार्टनरशिप फ्रेमवर्क के अंतर्गत, केएफडब्ल्यू डेवलपमेंट बैंक, जर्मनी ने डेरी क्षेत्र में सौर ऊर्जा उपयोग की क्षमता का पता लगाने के लिए एनडीडीबी के सहयोग से 'डेरी प्रसंस्करण के लिए सौर ऊर्जा उत्पादन की संभावना' पर एक अध्ययन आयोजित किया। केएफडब्ल्यू, एक जर्मन बैंक ने डेरी सहकारी समिति (DCS), बल्क मिल्क कूलर (BMC), मिल्क चिलिंग सेंटर (MCC) और डेरी संयंत्रों के लिए सीएसटी और सौर फोटोवोल्टिक (SPV) प्रणालियों के क्रियान्वयन के लिए एक फीजीबिलिटी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसे एनडीडीबी द्वारा क्रियान्वित किया जाएगा। अध्ययन के निष्कर्षों को संक्षिप्त रूप देने और डेरी सहकारिताओं की आवश्यकताओं को समझने के लिए एनडीडीबी, आणंद में एक कार्यशाला आयोजित की गई। डेरी सहकारिताओं ने अपनी डेरी मूल्य शृंखला में विभिन्न सौर ऊर्जा समाधानों को अपनाने में अपनी रुचि व्यक्त की। एनडीडीबी विभिन्न डेरी संयंत्र संचालन में उपयोग हेतु सौर विकिरण से गर्म पानी उत्पन्न करने के लिए सीएसटी प्रणाली का इनबिल्ट कंपोनेंट बनाने की इच्छुक है।

इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार करने की प्रक्रिया जारी है।

एनडीडीबी ने असम के नित्यानंद और बोरबांग में ग्राम स्तर पर ऑफ-ग्रिड सोलर मिल्क चिलिंग (थर्मल स्टोरेज सिस्टम) स्थापित करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की है। इसके परिणामस्वरूप दूध की चिलिंग की परिचालन लागत में काफी कमी आई है।

एनडीडीबी सौर विकिरण से हॉट-वॉटर उत्पन्न करने के लिए CST प्रणाली की इनबिल्ट घटक स्थापित करने की इच्छुक है, ताकि डेरी संयंत्रों के विभिन्न संचालनों में इसका उपयोग किया जा सके।

वर्तमान में, दो सीएसटी परियोजनाएं प्रगति पर हैं-एक पश्चिम असम दूध संघ (WAMUL) के लिए गुवाहाटी, असम में 10 लाख किलो कैलोरी प्रतिदिन की क्षमता वाली परियोजना और दूसरी सागर, मध्य प्रदेश में 5 लाख किलो कैलोरी प्रतिदिन की क्षमता वाली परियोजना।

चालू परियोजनाएं:

परियोजना	क्षमता	स्थान
उत्तरी क्षेत्र		
तरल दूध संयंत्र और मक्खन संयंत्र	900 हलीप्रदि एलएमपी और मक्खन संयंत्र	लुधियाना, पंजाब
किण्वित उत्पाद संयंत्र	125 हलीप्रदि	जालंधर, पंजाब
बाईपास प्रोटीन पशु आहार संयंत्र	50 मीटप्रदि	घनिया के बांगर, पंजाब
वर्तमान ईटीपी का सुदृढ़ीकरण और विस्तार	20 लालीप्रदि तक विस्तार	रोहतक, हरियाणा
पश्चिमी क्षेत्र		
नया डेरी संयंत्र	500 हलीप्रदि	भीलवाड़ा, राजस्थान
नए ईटीपी संयंत्र (चरण I) की स्थापना और वर्तमान ईटीपी संयंत्र का सुदृढ़ीकरण और आधुनिकीकरण	20 लालीप्रदि	हिम्मतनगर, गुजरात
चीज़ और व्हे ड्राइंग प्लांट	20 मीटप्रदि चेडर, 10 मीटप्रदि मोज़ेरेला, 16 मीटप्रदि प्रोसेस्ड चीज़ और 45 मीटप्रदि व्हे ड्राइंग संयंत्र	हिम्मतनगर, गुजरात
इरमा पीएच IV	इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट	आणंद, गुजरात
मध्य क्षेत्र		
स्वचालित डेरी संयंत्र का विस्तार	अतिरिक्त सिविल कार्य-चरण 2	सागर, मध्य प्रदेश
दक्षिणी क्षेत्र		
आइसक्रीम प्लांट	10 हलीप्रदि से 30 हलीप्रदि तक विस्तार	मदुरै, तमिलनाडु
स्वचालित डेरी संयंत्र का विस्तार, नया एसेप्टिक पैक्ड दूध और आइसक्रीम संयंत्र	500 हलीप्रदि से 800 हलीप्रदि एलएमपी, 100 हलीप्रदि यूएचटी और 5 हलीप्रदि आइसक्रीम	हैदराबाद, तेलंगाना
जीएमपी वेयर हाउस	(अतिरिक्त कार्य) - पीएच II	आईवीपीएम, रानीपेट, तमिलनाडु
आइसक्रीम प्लांट	10 से 20 हलीप्रदि तक विस्तार	पुडुचेरी, तमिलनाडु
पूर्वी क्षेत्र		
डेरी संयंत्र	50 हलीप्रदि	पलामू, झारखंड
किण्वित दूध उत्पाद और देशी मिठाई योजना	207 हलीप्रदि	बरौनी, बिहार
तरल दूध संयंत्र का विस्तार	60 हलीप्रदि से 150 हलीप्रदि	गुवाहाटी, असम
पशु आहार संयंत्र	50 मीटप्रदि बाईपास प्रोटीन और 12 मीटप्रदि खनिज मिश्रण संयंत्र	चांगसारी, असम
कृत्रिम गर्भाधान प्रशिक्षण संस्थान (AITI)	-	गुवाहाटी, असम
राज्य की केंद्रीय प्रयोगशाला	-	होटवार, झारखंड
अन्य परियोजनाएं		
बायोगैस प्लांट	4000 क्यू.मी./प्रतिदिन	वाराणसी, उत्तर प्रदेश

हलीप्रदि-हजार लीटर प्रतिदिन; टप्रदि-टन प्रतिदिन; एलपीडी-लीटर प्रतिदिन

उत्पाद एवं प्रक्रिया विकास

एनडीडीबी डेरी उत्पादों, प्रक्रियाओं और उपकरणों का विकास करती है और मूल्य संवर्धन एवं सुविधाओं के विकास के माध्यम से सहकारी डेरियों को सहयोग प्रदान करती हैं ताकि वर्तमान और भविष्य के बाजार की मांग पूरी की जा सके। शाकाहार को अपनाने के रुझान में हो रही वृद्धि के मद्देनज़र, स्वाद, टेक्सचर और माउथफील में मीट-बेस्ड नगेट जैसा यूनिक टेक्सचर डेरी-आधारित शाकाहारी उत्पाद विकसित किया गया। वर्ष के दौरान, विकसित एक अन्य उत्पाद आइसक्रीम वेरिएंट था जिसमें अतिरिक्त चीनी का उपयोग नहीं किया गया है। चीनी के बजाए, स्टेविया - जो प्राकृतिक स्रोत से प्राप्त एक शीघ्र स्वीटनर है- का उपयोग उत्पाद में मिठास लाने के लिए किया गया है। यह उत्पाद कैलोरी के प्रति सजग उपभोक्ताओं के लिए उपयुक्त है।

छोटे डेरी उद्यमियों को सहयोग प्रदान करने के लिए अनेक डेरी उत्पादों के निर्माण हेतु उत्पादन शृंखला विकसित की गई है।

देशी रेडी-टू-यूज कल्चर (RUC) के विकास के लिए अनुसंधान प्रयास निरंतर जारी रहे। व्यावसायिक उत्पादन की सुविधा के लिए स्ट्रेप्टोकोकस थर्मोफिलस के तीन स्ट्रेन के लिए एक किफायती फर्मेंटेशन प्रोसेस (किण्वन प्रक्रिया) का विकास किया गया। व्यावसायिक स्तर पर उपयोग हेतु मजबूती प्रदान करने के लिए स्ट्रेप्टोकोकस थर्मोफिलस के अनुकूल स्ट्रेन का उपयोग करके आरयूसी के तीन पेयर्ड फार्म्यूलेशन को विकसित किया गया। एनडीडीबी ने मिष्टी दही के निर्माण के लिए फ्रीज-ड्राइड कल्चर की आपूर्ति द्वारा तिरुपति और पिलखुवा में मदर डेरी की इकाइयों को सहयोग दिया।

एनडीडीबी ने प्लाज्मा-एक्टिवेटेड पानी पर प्रयोगशाला में और क्षेत्र में परीक्षण किए और डेरी संचालन के दौरान स्वच्छता बनाए रखने में इसके संभावित उपयोग का पता लगाया।

कचरे से कंचन निर्माण के अपने प्रयासों के तहत, एनडीडीबी ने जैविक खाद और जैव-घोल के निर्माण की प्रक्रिया को मजबूती दी। ठोस पदार्थों के कुशल पृथक्करण को सुनिश्चित करने के लिए जैव उर्वरक उत्पादन की प्रक्रिया में सुधार किया गया। यूनिफार्म मिक्सिंग ऑपरेशन को सुनिश्चित करने हेतु इसके प्रदर्शन में सुधार करने के लिए जैव उर्वरक विनिर्माण उपकरण को भी अनुकूलित किया गया। इसके अलावा, कच्चे माल के रूप में खरीदे गए बायो-डाइजेस्टेट के गुणवत्ता मापदंडों को उपयुक्त बनाने और अंतिम उत्पादों के गुणवत्ता परीक्षण के लिए महत्वपूर्ण विश्लेषणात्मक परीक्षणों और उपकरणों की पहचान की गई।

गुणवत्ता आश्वासन

गुणवत्ता चिह्न, जो संपूर्ण डेरी मूल्य शृंखला में प्रक्रिया-प्रमाणन की राष्ट्रव्यापी पहल है, वर्ष के दौरान निरंतर जारी रही। 115 आवेदकों में से 55 डेरियों को गुणवत्ता चिह्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। खाद्य सुरक्षा प्रणाली पर विश्वास की शुरूआत करने वाली शेष 60 डेरियां गुणवत्ता चिह्न पुरस्कार प्राप्ति हेतु कमियों को दूर करने के लिए विभिन्न चरणों में कार्यरत हैं।

गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा पर प्रयासों को और मजबूती प्रदान करते हुए, एनडीडीबी ने एक एकीकृत लोगो के साथ 'दूध और दूध उत्पादों के लिए कंफर्मिटी एसेसमेंट स्कीम (CAS)' को अंतिम रूप देने में बीआईएस को सहयोग प्रदान किया।

डेरी बोर्ड ने दूध और दूध उत्पादों में दूषित पदार्थों के स्तर, उनके हानिकारक प्रभावों और दूध और दूध उत्पादों में दूषित पदार्थों को नष्ट करने/नियंत्रित करने के उपायों/रणनीतियों के बारे में जागरूकता पैदा करने के अपने प्रयासों को निरंतर जारी रखा। इसके अलावा, पूरे देश में दूध और दूध उत्पादों के कंटामिनेंट मैपिंग के लिए एक मॉड्यूल विकसित किया जा रहा है।

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दूध और दूध उत्पादों के रख-रखाव में सुधार लाने के बारे में शिक्षण और प्रशिक्षण एनडीडीबी द्वारा किया जाने वाला एक सतत प्रमुख उपाय है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के क्षेत्रों में स्वच्छ-दूध-उत्पादन, गुणवत्ता और खाद्य-सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली और दूध और दूध उत्पादों के लिए कोल्ड चैन और खाद्य नियामक पहलू शामिल हैं।

समय-समय पर आवश्यकता पर आधारित अध्ययन किए गए। महत्वपूर्ण अध्ययनों में दिल्ली दूध योजना के लिए जनशक्ति की आवश्यकता, सिक्किम राज्य और वाराणसी दूध संघ के लिए व्यापक डेरी योजना निर्माण करने के लिए गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा पहलू शामिल हैं।

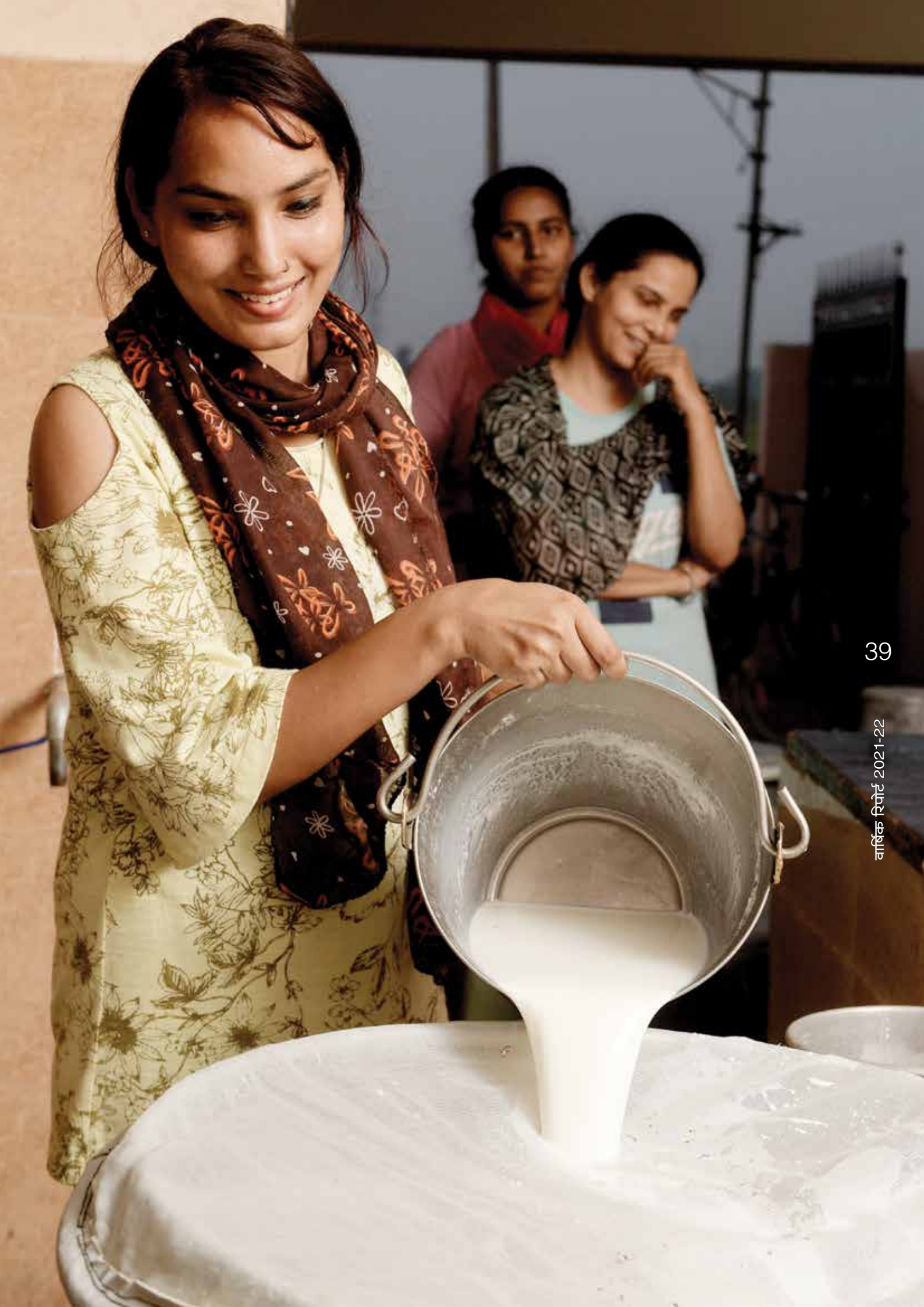

पशु उत्पादकता और स्वास्थ्य के लिए सूचना नेटवर्क तथा राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन

पशु प्रजनन, पोषण और स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश में चलाए जा रहे उत्पादकता वृद्धि कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन और निगरानी के लिए एनडीडीबी द्वारा एक डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र, पशु उत्पादकता और स्वास्थ्य के लिए सूचना नेटवर्क (INAPH) प्रणाली का विकास किया गया है।

भारत में लगभग 70% डेरी पशु इनाफ में रजिस्टर्ड हैं जिसमें पशु स्वामित्व का विवरण तथा विशिष्ट पहचान युक्त कान टैग लगे पशुओं की जानकारी शामिल है और इससे पशुओं और उसके उत्पादों का पता लगाया जाना और रियल टाइम के आधार पर पशु की प्रत्येक गतिविधि को कैप्चर किया जाना संभव हो पाया है। 2021-22 के दौरान, इनाफ का उपयोग तेजी से बढ़ा है। यह संपूर्ण पशुपालन कार्यक्रमों के कार्यान्वयन का आधारस्तम्भ बन गया है। यह 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित 5.59 लाख गांवों के लगभग 7.3 करोड़ किसानों के लगभग 21.9 करोड़ पशुओं का रिकॉर्ड रखता है। खुरपका और मुंहपका रोग (FMD) और ब्रुसेलोसिस के लिए राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NADCP); राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम (NAIP) और आरजीएम की अन्य परियोजनाएं इनाफ के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही हैं।

अभी हाल ही में, इनाफ में नई कार्य-क्षमताओं का विकास किया जा रहा हैं जैसे एफएमडी, पीपीआर, सीएसएफ इत्यादि के प्रति भेड़, बकरियों और सूअरों का टीकाकरण। प्रायोगिक स्तर पर उत्तराखंड राज्य में एनडीडीबी के पशु सेवा कॉल सेंटर और इनाफ के प्रयोगशाला मॉड्यूल को संयोजित करके पशु उपचार की गतिविधियां प्रभावी ढंग से चलाई जा रही हैं। यह अनेक प्रकार के रोगों, उपयोग की जाने वाली दवाओं की रिकॉर्डिंग करने और पशुपालक किसानों को ई-प्रिस्क्रिप्शन जारी करने, रोगों की रिपोर्टिंग करने, रोगों को फैलने से रोकने और निवारक रोग नियंत्रण की योजना निर्माण के एक एकीकृत प्लेटफार्म के रूप में सामने आया है। विभिन्न अंतिम कार्यान्वयन एजेंसियों (EIA) ने फील्ड परिस्थितियों में प्रदर्शन सेक्स-सॉर्टेड वीर्य और अन्य प्रजनन पहल की निगरानी के लिए इनाफ का उपयोग करना शुरू कर दिया है। डीएएचडी, भारत सरकार ने किसानों के घर पर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए एक अन्य केंद्रीय क्षेत्र की योजना मोबाइल वेटनरी यूनिट (MVU) के कार्यान्वयन लिए भी इनाफ का उपयोग किए जाने का सुझाव दिया है।

ई-गोपाला

डेरी किसानों को आवश्यक वैज्ञानिक पशुपालन की जानकारी और इनपुट सेवाएं प्रदान करने के लिए, एनडीडीबी ने एक किसान केंद्रित डिजिटल एप्लिकेशन विकसित किया है जो गूगल प्ले स्टोर पर डाउनलोड के लिए निशुल्क उपलब्ध है और इसे वेब आधारित एप्लिकेशन के माध्यम से भी एक्सेस किया जा सकता है। यह ऐप 12 भाषाओं में उपलब्ध है। अब तक, देश के 1,30,535 यूजर इस ऐप पर रजिस्टर हुए हैं। यह रिकार्डेड है कि इसका प्रतिदिन का हिट्स 2,089 है और प्रतिदिन औसतन 398 किसान इस एप्लिकेशन का उपयोग करते हैं। यह ई-गोपाला एप्लिकेशन भारत सरकार के 'उमंग' एप्लिकेशन पर उपलब्ध है।

यह ऐप किसानों के प्रत्येक पशु का विवरण और इनाफ में पंजीकृत उनके पशुओं के प्रजनन, पोषण और स्वास्थ्य की स्थिति पर रियल टाइम जानकारी प्रदान करता है। एथनो-वेटरनरी मेडिसिन के माध्यम से डेरी पशुओं की लगभग 29 सामान्य बीमारियों का रोकथाम इस ऐप के माध्यम से संभव है। यह डेरी पशुओं की खरीद/बिक्री के लिए डिजिटल प्लेटफार्म प्रदान करता है, हिमीकृत वीर्य, सेक्स सॉर्टेड सीमन, आईवीएफ भ्रूण इत्यादि की उपलब्धता पर जानकारी प्रदान करता है। ई-गोपाला के माध्यम से किसान पशु स्वास्थ्य, पोषण और प्रजनन संबंधी समस्याओं से संबंधित अपने प्रश्नों के उत्तर के लिए सीधे एनडीडीबी कॉल सेंटर से जुड़ सकते हैं। टीकाकरण, गर्भावस्था निदान, ब्यांत आदि के लिए निश्चित तारीख पर किसानों को समय पर अलर्ट भेजा जाता है। डेरी और पशुपालन से संबंधित विभिन्न योजनाओं के बारे में भी इस एप्लिकेशन पर जानकारी उपलब्ध है।

21.9 करोड़

INAPH के अंतर्गत पंजीकृत गांवों में पशुओं की संख्या 5.59 लाख है

ई-गोपाला के अंतर्गत,

1,30,535

किसान पंजीकृत हैं

ई-गोपाला की औसतन दैनिक हिट है

2,089

राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन

डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म की अहम भूमिका को महत्व देते हुए, डीएएचडी, भारत सरकार और एनडीडीबी संयुक्त रूप से राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन (NDLM) कार्यक्रम के माध्यम से एंड-टू-एंड किसान-केंद्रित प्रौद्योगिकी से चलने वाले लाइवस्टैक इको-सिस्टम का विकास कर रहे हैं।

इस पहल की अहमियत को देखते हुए, इस क्षेत्र के कुछ सर्वश्रेष्ठ विद्वानों को डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में इसे डिजाइन करने के लिए एक साथ लाया गया है, जिसमें प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय का सहयोग शामिल है। मैसर्स टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को कोर आर्किटेक्चर के निर्माण के लिए नियुक्त किया गया है। अक्तूबर 2021 के दौरान, एनडीडीबी आणंद में एनडीएलएम के लिए सॉफ्टवेयर को विकसित की पहल की गई थी। माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री, भारत सरकार श्री संजीव बालियान इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। माननीय मंत्री महोदय ने एनडीएलएम के ब्लू प्रिंट का भी अनावरण किया।

इस लाइवस्टैक प्रणाली से किसानों को उनके घर पर पशुपालन से संबंधित इनपुट सेवाएं निर्बाध रूप से उपलब्ध कराई जा सकेंगी। नई प्रणाली क्लाउड आधारित राष्ट्रीय पारिस्थितिकी तंत्र होगी, जो न केवल फील्ड स्टाफ को मोबाइल इंटरफेस का उपयोग करके डेटा दर्ज करने की अनुमति देगी, बल्कि किसानों को अपने पशु रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से एक्सेस करने, आधुनिक मोबाइल एप्लिकेशन के साथ राष्ट्रीय कॉल सेंटरों के माध्यम से अपने पशुओं की देखभाल करने में सक्षम बनाएगी। पशु फ्रंट-लाइन वर्कर जैसे चिकित्सक और पशुधन तकनीशियन जवाबदेही और पेपरलेस ट्रांजेक्शन सुनिश्चित करते हुए किसानों को सेवाएं प्रदान करने के लिए अपनी क्षमता में विस्तार करेंगे।

इस प्रणाली में एक ट्रेसेबिलिटी तंत्र के साथ मजबूत पशु प्रजनन, पोषण, रोग रिपोर्टिंग और नियंत्रण की कार्यक्षमताएं शामिल होंगी। किसान आसानी से बाजारों तक पहुंचने में सक्षम होंगे, भले ही, वे किसी भी स्थान पर हों, हितधारकों की एक विस्तृत शृंखला इस पारिस्थितिकी तंत्र में जुड़ी होगी। एनडीएलएम की मूल गतिविधि पशुधन आबादी की विशिष्ट पहचान करना है, जो किसानों की पहचान से जुड़ी हो, श्रेष्ठ घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए पशुओं और पशु उत्पादों की ट्रेसबिलिटी में वृद्धि करना है। यह प्रणाली न केवल उच्च गुणवत्ता वाले डेटा का निर्माण करेगी, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मशीन लर्निंग (ML) जैसे विश्लेषणात्मक तरीकों को भी बढ़ावा देगी ताकि डेटा जैसे रोग का पूर्वानुमान, निदान, पशु प्रबंधन, उत्पाद ट्रेसेबिलिटी इत्यादि से बेहतर मूल्य प्राप्त किया जा सके।

एनडीएलएम ने लाइवस्टैक प्रणाली के महत्वपूर्ण मॉड्यूल के डिजाइन की चालू प्रक्रिया के दौरान, कई दौर में राज्यों के हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श किया है। उत्तराखंड राज्य में एनडीएलएम-लाइवस्टैक पर पायलट के विभिन्न घटकों पर अनुभव लाइवस्टैक-डिजिटल आर्किटेक्चर को डिजाइन करने के लिए काफी उपयोगी साबित हुआ है।

अनेक प्रगतिशील उपाय जैसे पशुओं के पहचान के लिए पशुओं के मज़ल प्रिंट का उपयोग, डेरी पशुओं के हीट में आने या बीमारी का पता लगाने के लिए आईओटी आधारित सेंसर का उपयोग और जुगाली करने छोटे पशुओं के लिए ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का विकास भी एनडीएलएम से जुड़े हुए हैं।

FAST
7

काफ प्रयोगशाला

काफ दूध, दूध उत्पादों, फैट एवं तेल, शहद, पशु आहार, खनिज मिश्रण और विटामिन प्रीमिक्स, फल एवं सब्जियों, पैकेज्ड पेयजल व विभिन्न शिशु खाद्य उत्पादों के विश्लेषण की एक अग्रणी बहु-विषयक प्रयोगशाला के रूप में लगातार कार्यरत है (बीआईएस के अनुसार)। यह गाय और भैंसों के रोगों का निदान और अनुवांशिक विश्लेषण भी उपलब्ध कराती है। काफ आईएसओ/आईईसी 17043:2010 के अनुसार दक्षता परीक्षण में सेवाएं प्रदान करती है।

2021-22 के दौरान, काफ ने लगभग 39,500 सैंपलों में पाँच लाख से अधिक रासायनिक, सूक्ष्म जीवाणु और आनुवंशिक पैरामीटर का परीक्षण एवं रिपोर्टिंग किया। प्रयोगशाला ने पिछले कुछ वर्षों के दौरान अनेक पहल की है, जिसमें मुख्य रूप में खाद्य विश्लेषण के लिए नवीनतम बुनियादी ढांचे की स्थापना करना, मान्यता प्राप्त टेस्टिंग के दायरे को बढ़ाना और डेरी संयंत्र से सैंपल संकलन करने की सुविधा प्रदान करना शामिल है।

वित्त वर्ष के दौरान, काफ ने 129 मापदंडों के लिए 25 दक्षता परीक्षण (PT)/ अंतर प्रयोगशाला तुलना (ILC) कार्यक्रमों में भाग लिया। इनमें से, काफ ने 127 मापदंड़ो में सफलता हासिल की, जिसमें विभिन्न प्रकार के दूध उत्पाद, शहद, फल और सब्जियां, दाल और अनाज, पानी और पेय पदार्थ, पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य और बेकरी उत्पाद और मसाले शामिल हैं। प्रयोगशाला का प्रदर्शन 98 प्रतिशत से अधिक पीटी परीक्षणों में स्वीकृत मानदंडों के अनुरूप पाया गया, जो गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम के सफल कार्यान्वयन को दर्शाता है।

इस वर्ष के दौरान, काफ ने डेरी सहकारिताओं और सरकारी संस्थाओं के कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। भारत सरकार के राष्ट्रीय डेरी विकास कार्यक्रम (NPDD) के अंतर्गत प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए डेरी सहकारिताओं को तकनीकी सहायता प्रदान की। काफ ने पशु आहार, आहार सामग्री और विटामिन के विभिन्न मापदंडों के परीक्षण विधियों को अंतिम रूप देने में बीआईएस को सहायता प्रदान की और गोवंश के पितृत्व सत्यापन (parentage verification) और रोग परीक्षण में राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) परियोजना में सहयोग दिया।

काफ को आईएसओ 17025: 2017 और आईएसओ 17043: 2010 की आवश्यकताओं के अनुसार, एनएबीएल, भारतीय गुणवत्ता परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त है। प्रयोगशाला को विभिन्न कीटनाशक अवशेष निगरानी योजनाओं (RMP) और बीआईएस मानकों के अनुसार दूध, शहद, फलों और सब्जियों के परीक्षण के लिए निर्यात निरीक्षण परिषद, एपीडा, बीआईएस द्वारा मान्यता प्राप्त है। काफ दूध और दूध उत्पादों, फैट, तेल, स्वीटनर और शहद के परीक्षण के लिए एफएसएसएआई की एक अधिसूचित प्रयोगशाला है।

प्रयोगशाला अक्तूबर 2023 तक अपनी मान्यता के नवीनीकरण के लिए एनएबीएल, एपीडा, ईआईसी और एफएसएसएआई से संबंधित आईएसओ 17025: 2017 के अनुसार एकीकृत मूल्यांकन में सफल रही है। प्रयोगशाला ने जैविक और रासायनिक विषयों मान्यता प्राप्त टेस्टिंग पैरामीटर में अपने स्कोप को 3,000 से बढ़ाकर 3,500 तक कर दिया है।

काफ एफएसएसएआई द्वारा दूध और दूध उत्पादों के लिए एक रेफरल और राष्ट्रीय संदर्भ प्रयोगशाला (NRL) है। एनआरएल के अंतर्गत, काफ ने दक्षता परीक्षण (PT) सुविधा के लिए आईएसओ 17043:2010 के अनुसार मूल्यांकन प्रक्रिया को पूरा कर लिया है।

काफ ने खाद्य एवं पशु आहार परीक्षण प्रयोगशालाओं और खाद्य, आहार एवं डेरी सहकारिताओं सहित डेरी उद्योग की आंतरिक प्रयोगशालाओं के लिए दक्षता परीक्षण सेवाएं शुरू की हैं। वर्ष के दौरान, प्रयोगशाला ने दूध पाउडर में संरचनागत विश्लेषण के लिए एक पीटी कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। एनआरएल गतिविधि के एक भाग के रूप में, काफ ने एफएसएसएआई, नई दिल्ली के लिए 3 रैपिड एनालिटिकल फूड टेस्टिंग (RAFT) किटों का सत्यापन सफलतापूर्वक पूरा किया।

एनडीडीबी द्वारा प्रबंधित परियोजनाएं

पश्चिम असम दूध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड

एनडीडीबी ने पश्चिम असम दूध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड (WAMUL) का प्रबंधन करना निरंतर जारी रखा, जिसे पूरबी डेरी के नाम से जाना जाता है। 6 अगस्त, 2021 को एनडीडीबी द्वारा वामूल के प्रबंधन के लिए त्रिपक्षीय समझौते को असम सरकार द्वारा पांच वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया।

वामूल लगभग 22,000 डेरी किसानों के साथ 485 डेरी सहकारी समितियों के माध्यम से जुड़ा है, जिसमें लगभग 1,500 गाँव शामिल है, इसने प्रतिदिन औसतन 42,190 किलोग्राम दूध संकलित किया। वर्ष के दौरान, वामूल द्वारा अपने डेरी किसानों को औसतन लगभग 39 रुपये प्रति किलो दूध संकलन मूल्य का भुगतान सीधे बैंक अंतरण के माध्यम से किया।

वर्ष के दौरान, वामूल ने 'पूरबी' ब्रांड के तहत लगभग 69,000 लीटर/प्रतिदिन पैक किए गए तरल दूध और दूध के समतुल्य उत्पादों की बिक्री की। वामूल ने उच्च फैट वाले दूध पसंद करने वाले उपभोक्ताओं के लिए अपना फुल क्रीम दूध वेरिएंट भी लॉन्च किया। वामूल विटामिन ए और डी के साथ पैक किए गए तरल दूध के अपने सभी प्रकारों को फोर्टिफाई कर रहा है। इस वर्ष कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के कारण बाजार प्रतिबंधों को मद्देनजर वामूल ने दूध और दूध उत्पादों की बिक्री अधिक बढ़ाने के लिए मोबाइल वितरण और होम डिलीवरी के तरीकों को अपनाया। वर्ष 2021-22 के दौरान, हालांकि महामारी के प्रकोप की दूसरी लहर के कारण शुरुआती महीनों में बाजारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा, लेकिन फिर भी वामूल लगभग 151 करोड़ रुपये का बिक्री कारोबार हासिल करने में सफल रहा, जो कि वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान प्राप्त बिक्री कारोबार से लगभग 24 प्रतिशत अधिक है।

इसके अलावा, वर्ष के दौरान वामूल ने अपने पात्र डेरी किसानों को लगभग 1.40 रुपये प्रति किलो दूध के अतिरिक्त दूध संकलन मूल्य का भुगतान किया। इस वर्ष वामूल ने 5 बीएमसी केंद्रों में 16,000 लीटर की अतिरिक्त बल्क मिल्क कूलिंग क्षमता स्थापित करके अपने संचालन के क्षेत्र के डेरी किसानों के आधार को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वामूल ने 2021-22 के दौरान इसके साथ जुड़े कार्यात्मक डेरी किसानों की संख्या में लगभग 60 प्रतिशत की वृद्धि देखी। इसके अलावा वामूल ने अपने डेरी किसानों के लिए फील्ड प्रदर्शन, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की व्यवस्था करने के अलावा विभिन्न इनपुट सेवाएं जैसे कि डोरस्टेप आर्टिफिशियल इनसेमिनेशन (AI) डिलीवरी, पशु आहार का वितरण और सस्ती दरों पर फ़ीड सप्लीमेंट्स प्रदान करना निरंतर जारी रखा।

मार्च 2022 तक, वामूल ने असम कृषि व्यवसाय और ग्रामीण परिवर्तन परियोजना (APART) के तहत आने वाले जिलों में 452 मोबाइल एआई तकनीशियनों (MAIT) के नेटवर्क के माध्यम से 3,000 से अधिक गांवों में 6,54,024 एआई की सूचना दी। इस परियोजना में मार्च 2022 तक 2,27,265 बछड़े पैदा हुए (जिनमें से 1,19,117 मादा बछड़े हैं)। वामूल ने आहार संतुलन परामर्श सेवाएं, एथनो - वेटनरी चिकित्सा सेवाएं, टीकाकरण एवं अन्य इनपुट सेवाएं भी प्रदान कीं।

वामूल ने सौर ऊर्जा से संचालित स्वचालित दूध संकलन प्रणाली और तत्काल दूध ठंडा करने वाली इकाइयों जैसी अपनी हरित ऊर्जा पहल को जारी रखा। वामूल ने कामरूप (महानगर) जिले के खेतड़ी उप-मंडल के

मलोइबारी राजस्व गांव में एनडीडीबी और सस्टेन प्लस एनर्जी फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित एक खाद प्रबंधन परियोजना को भी लागू किया। इस परियोजना ने वामूल को कई महिला लाभार्थियों के घरों में 2 क्यूबिक मीटर क्षमता वाली 100 बायो गैस इकाइयों को स्थापित और चालू करने में सहायता की है। इसके अलावा, वामूल ने होजई और बारपेटा जिलों में अपने 40 डेरी किसानों को एनडीडीबी के सहयोग से 2 क्यूबिक मीटर क्षमता की गोबर गैस इकाइयाँ आवंटित कीं।

वामूल ने राष्ट्रीय मधुमक्खीपालन और शहद मिशन (NHBM), केंद्रीय सरकार योजना के तहत गतिविधियाँ भी शुरू कीं, जिसमें 50 चयनित डेरी किसानों को संभावित मधुमक्खीपालकों के रूप में प्रशिक्षित किया गया है।

झारखंड दूध महासंघ

एनडीडीबी ने झारखंड राज्य सहकारी दूध उत्पादक संघ लिमिटेड (JMF) का प्रबंधन करना निरंतर जारी रखा। दूध संघ ने लगभग 2,576 गांवों को कवर करते हुए 24,000 से अधिक सदस्यों से औसतन लगभग 124.30 हकिग्राप्रदि दूध संकलन हासिल किया। महासंघ ने वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान दूध उत्पादक के निजी बैंक खाते में सीधे बैंक अंतरण के माध्यम से दूध बिल भुगतान के लिए लगभग 141.8 करोड़ रुपये का भुगतान किया। जेएमएफ ने वर्ष के दौरान औसतन 136.28 लालीप्रदि तरल दूध का विपणन किया। पारदर्शिता और कुशल संचालन को बढ़ाने और सुनिश्चित करने के लिए गांव के एमपीपी में 511 DPMCU और 98 AMCU स्थापित किए गए हैं। सारथ, साहेबगंज और पलामू में प्रत्येक में 50 हलीप्रदि क्षमता (100 हलीप्रदि तक विस्तार योग्य) की तीन नई डेरियों का निर्माण पूरा हो गया है।

जेएमएफ अपनी हरित पहल के तहत रांची जिले के बेरो ब्लॉक के आसपास के गांवो में पुरियो, नारी, चंगानी और आसपास के गांवों में एनडीडीबी और सस्टेन प्लस एनर्जी फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित एक खाद प्रबंधन परियोजना को भी लागू कर रहा है। परियोजना ने जेएमएफ को कई महिला लाभार्थियों के घरों में 2 क्यूबिक मीटर क्षमता वाली 100 बायो गैस इकाइयों को स्थापित करने और चालू करने में सहायता की है। स्लरी की खरीद, प्रसंस्करण एवं स्लरी के विपणन तक और स्लरी आधारित उत्पाद बिक्री में भी सहायता की है।

महाराष्ट्र के विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्रों में डेरी विकास पहल

विदर्भ और मराठवाड़ा डेरी विकास परियोजना (VMDDP) की कल्पना महाराष्ट्र के विदर्भ और मराठवाड़ा के सूखा प्रभावित और कृषि संकटग्रस्त क्षेत्रों के गरीब डेरी किसानों के बीच डेरी विकास सुनिश्चित करने और उन्हें आजीविका के वैकल्पिक साधन प्रदान करने के लिए की गई। यह परियोजना संयुक्त रूप से राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) द्वारा अपनी सहायक मदर डेरी फ्रूट एंड वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड (MDFVPL) और महाराष्ट्र सरकार के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही है।

मदर डेरी इन क्षेत्रों में डेरी किसानों द्वारा उत्पादित दूध को सुनिश्चित बाजार पहुंच प्रदान करने में कार्यरत है। महाराष्ट्र सरकार का पशुपालन विभाग पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने और डेरी किसानों को रियायती कीमतों पर उच्च गुणवत्ता युक्त दुधारू पशु, चारा और भूसा कटर जैसे इनपुट प्रदान कर रहा है।

मदर डेरी लगभग 26,500 डेरी किसानों से विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्रों के लगभग 3,000 गांवों से दूध संकलित कर रही है। परियोजना की शुरुआत से अब तक प्राप्त दूध के एवज में मार्च 2022 तक मदर डेरी द्वारा डेरी किसानों को 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का भुगतान किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि 100 प्रतिशत दूध का भुगतान सीधे किसानों के खातों में किया जा रहा है। वर्तमान में प्रतिदिन औसतन लगभग 2.36 लाख किलोग्राम दूध संकलित किया जा रहा है। फ्लश सीज़न की शुरुआत के साथ इसमें वृद्धि की संभावना है।

वर्तमान में मदर डेरी नागपुर में प्रतिदिन 1 लाख लीटर दूध और 30,000 किलोग्राम दूध उत्पादों जैसे दही, छाछ और मिष्टी दोई को पैक करने की क्षमता के साथ एक दूध प्रसंस्करण संयंत्र का संचालन कर रही है। इन उत्पादों के साथ-साथ अन्य उत्पादों जैसे आइसक्रीम, पनीर, लस्सी, मिल्क शेक, मिठाई, घी आदि का विदर्भ क्षेत्र के प्रमुख शहरों और कस्बों में मदर डेरी द्वारा 'बूथ' के नेटवर्क के माध्यम से विपणन किया जा रहा है। इनमें से अधिकांश बूथों पर भारतीय सशस्त्र बलों के भूतपूर्व सैनिक कार्यरत हैं। मदर डेरी ने इस आशय के लिए रक्षा मंत्रालय के महानिदेशक (पुनर्वास) के साथ एक अनुबंध किया है। बूथों के निर्माण और उनके रखरखाव से संबंधित सभी खर्च मदर डेरी द्वारा वहन किए गए है। बूथ को संचालित करने वाले भूतपूर्व सैनिकों की आय 15,000 रुपये से कम होने की स्थिति में मदर डेरी द्वारा प्रतिमा सुनिश्चित मौद्रिक सहायता भी प्रदान की जाती है।

वीएमडीडी परियोजना विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्रों में डेरी को बढ़ावा देने, डेरी किसानों की आय बढ़ाने और उच्च गुणवत्ता वाले दूध और दूध उत्पादों को आम जनता के लिए आसानी से उपलब्ध कराने में सफल रही है।

वाराणसी दूध संघ का प्रबंधन

उत्तर प्रदेश सरकार के अनुरोध पर, एनडीडीबी ने 1 नवंबर, 2021 को वाराणसी दूध संघ का प्रबंधन अपने हाथ में लिया। वाराणसी दूध संघ के समग्र संचालन में स्थिरता और आर्थिक सक्षमता को ध्यान में रखते हुए एनडीडीबी ने इस क्षेत्र में अधिक दूध उत्पादों तक बाजार की पहुंच में वृद्धि करने पर ध्यान केंद्रित किया।

एनडीडीबी ने एक बड़े पैमाने पर विशेष मॉडल की अवधारणा की, जिसमें डेरी संयंत्रों की विद्युत और थर्मल एनर्जी की आवश्यकताओं को गोबर आधारित बिजली से पूरा किया जा सकता है। इस बायोगैस आधारित बिजली उत्पादन परियोजना की आधारशिला माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा रखी गई। 2022-23 में 4,000 क्यूबिक मीटर के बायोगैस संयंत्र की कमीशनिंग की जाने की संभावना है। जिसमें थर्मल और विद्युतीय उर्जा पर आधारित बायोगैस उत्पादन के लिए स्थानीय डेरी किसानों से प्रतिदिन 100 मीट्रिक टन गोबर संकलित किया जाएगा, जिससे इस डेरी संयंत्र की बिजली की आवश्यकता पूरी की जाएगी। इसके अलावा, प्रतिदिन 30 मीट्रिक टन से अधिक बायोगैस-स्लरी आधारित जैविक उर्वरक का उत्पादन किया जाएगा जो इस क्षेत्र और उसके बाहर जैविक खेती को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

संपूर्ण परियोजना के चालू होने पर न केवल वाराणसी डेरी संयंत्र को अक्षय स्रोतों के माध्यम से अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी, बल्कि गोबर की नियमित बिक्री के माध्यम से डेरी किसानों के लिए आय का एक अतिरिक्त स्रोत निर्मित करने में भी मदद मिलेगी।

एनडीडीबी फाउंडेशन फॉर न्यूट्रीशन

NFN ने सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की सीएसआर पहल के अंतर्गत महाराष्ट्र के गढ़चिरौली, तेलंगाना के भूपालपल्ली, उत्तर प्रदेश के वाराणसी में और मध्य प्रदेश के गुना में नए गिफ्टमिल्क कार्यक्रम के कार्यान्वयन की शुरूआत की।

एनडीडीबी फाउंडेशन फॉर न्यूट्रीशन ने गुजरात, तमिलनाडु, तेलंगाना और महाराष्ट्र में एनडीडीबी के सहायक संगठनों – आईडीएमसी लिमिटेड, इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड और मदर डेरी फ्रूट एंड वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड (MDFVPL) की सीएसआर के अंतर्गत अपने मौजूदा गिफ्टमिल्क कार्यक्रम को जारी रखा।

एनएफएन ने अन्य पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग (PSU) जैसे –शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (SCI), मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MAZDOCK), NBCC (भारत) लिमिटेड, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) और नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (NFL) आदि के सीएसआर पहल के अंतर्गत महाराष्ट्र में गढ़चिरौली, तेलंगाना में भूपलपल्ली और मध्यप्रदेश में गुना जिले में गिफ्टमिल्क कार्यक्रम के कार्यान्वयन को आगे बढ़ाया। एनएफएन ने एमडीएफवीपीएल की सीएसआर सहायता के तहत वाराणसी जिले में भी गिफ्टमिल्क कार्यक्रम शुरू किया।

2021–22 के दौरान, एनएफएन ने 187 स्कूलों में 32,736 बच्चों के लिए लगभग 11.89 लाख यूनिट गिफ्टमिल्क का वितरण किया।

वर्ष 2021–22 एनएफएन के लिए विशेष रहा क्योंकि, 2016 में अपनी गतिविधियों की शुरुआत के बाद से अब तक 100 लाख गिफ्टमिल्क यूनिट्स के वितरण की उपलब्धि हासिल की गई।

एनएफएन ने सितंबर 2021 में दूध और दूध उत्पादों के सेवन के महत्व के बारे में बच्चों और जनता के बीच जागरूकता फैलाने के लिए *राष्ट्रीय पोषण माह* मनाया।

एनएफएन के GoGreen पहल के तहत, ओडिशा के कटक जिले में केंद्रीय स्लरी प्रोसेसिंग केंद्र के साथ–साथ महिला डेरी किसानों के घर में 100 बायो–गैस स्थापित किए। इस परियोजना का उद्देश्य किसानों द्वारा खाना पकाने हेतु स्वच्छ के ईंधन के रूप में

एनडीडीबी फाउंडेशन फॉर न्यूट्रीशन के अंतर्गत कवर किए गए स्कूलों की संख्या है

187

एनडीडीबी फाउंडेशन फॉर न्यूट्रीशन के अंतर्गत कवर किए गए बच्चों की संख्या है

32,736

बायोगैस के उपयोग को लोकप्रिय बनाना और जैव–स्लरी को उर्वरक के रूप में उपयोग करना है जिससे मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार हो और किसानों के लिए अतिरिक्त आय का माध्यम हो।

इस परियोजना को आईआईएल की सीएसआर सहायता के अंतर्गत कटक सहकारी दूध उत्पादक संघ लिमिटेड के साझेदारी से सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया गया। इसके अतिरिक्त, तमिलनाडु के नीलगिरी जिले में 120 महिला किसानों के लिए 'खाद मूल्य शृंखला' स्थापित करने के लिए नीलगिरी जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ लिमिटेड के साथ साझेदारी की गयी।

मानव संसाधन विकास

वर्ष के दौरान, एनडीडीबी ने खाद प्रबंधन और स्लरी प्रसंस्करण पर विभिन्न प्रशिक्षण आयोजित किए, जिसमें असम, बिहार, गुजरात, झारखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा, सिक्किम और पश्चिम बंगाल के लगभग 100 अधिकारियों और 580 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम से खाद मूल्य शृंखला और कृषि अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव की स्पष्ट समझ मिली।

एनडीडीबी ने डिजिटल और पारंपरिक दोनों प्लेटफॉर्म पर अपने क्षमता निर्माण प्रयासों के माध्यम से डेरी हितधारकों तक पहुंच स्थापित की। पिछले कुछ वर्षों के दौरान, विकसित हुए शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र को विभिन्न माध्यमों से अधिक से अधिक हितधारकों तक पहुंचने के लिए विस्तारित किया गया, ताकि इस क्षमता निर्माण की प्रक्रिया निरंतरता सुनिश्चित की जा सके।

इस वर्ष वैज्ञानिक पशुपालन, डेरी आधारित गतिविधियों और मधुमक्खीपालन के लिए इच्छुक उद्यमियों को प्रोत्साहित करके क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो किसानों की आय बढ़ाने के विज़न के अनुरूप था।

वर्ष के दौरान, सात 'पशुपालन में डेरी उद्यमिता कार्यक्रम' आयोजित किए गए, जिसमें विभिन्न राज्यों के 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। दो सप्ताह तक चलने वाले डेरी उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कई महिला प्रतिभागियों ने भी भाग लिया। इस प्रशिक्षण के बाद, कुछ प्रतिभागियों ने अपने-अपने गांवों में वैज्ञानिक डेरी के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए स्वेच्छा से आगे आए।

डेरी उद्यमिता कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी लगभग 11 प्रतिशत थी और यह उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में अधिक से अधिक युवा महिला डेरी को एक लाभदायक आजीविका के रूप में स्वीकार करेंगी।

एनडीडीबी ने डेरी उद्यमियों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त और विकास निगम (NSFDC) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन के बाद, तीन कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें माही और आशा उत्पादक कंपनियों के 63 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

वर्ष के दौरान, एनडीडीबी ने खाद प्रबंधन और स्लरी प्रसंस्करण पर विभिन्न प्रशिक्षण आयोजित किए, जिसमें असम, बिहार, गुजरात, झारखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा, सिक्किम और पश्चिम बंगाल के लगभग 100 अधिकारियों और 580 किसानों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम से खाद मूल्य शृंखला और कृषि अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव की स्पष्ट समझ मिली।

कोविड-19 के एहतियात के तौर पर कुछ महीनों के बाद, जुलाई 2022 में पारंपरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए थे। नवनिर्वाचित निदेशक मंडल द्वारा भारत के दूध की राजधानी में बोर्ड अभिमुखन कार्यक्रम और भ्रमण का सक्रिय रूप से प्रस्ताव करना उत्साहजनक था। तीन तिमाहियों में, नौ दूध

संघों के निदेशक मंडल ने अभिमुखन कार्यक्रम में भाग लिया और इस दौरान संस्था का नेतृत्व करने में उनकी भूमिका के बारे में एक समझ विकसित की।

राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन (NDLM) के ब्लूप्रिंट के तहत, एनडीडीबी ने विभिन्न संस्थाओं और पशुधन विकास बोर्डों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। डिजिटल और पारंपरिक दोनों प्लेटफॉर्म पर 1,000 से अधिक अधिकारियों ने प्रशिक्षण में भाग लिए।

महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में माइक्रो प्रशिक्षण केंद्रों (MTC) को सहयोग देने के लिए महाराष्ट्र पशु और मत्स्यविज्ञान विश्वविद्यालय (MAFSU), नागपुर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ये एमटीसी उत्तम पशुपालन प्रक्रियाओं के स्थानीय शिक्षण केंद्रों के रूप में कार्य करेंगे। एमएएफएसयू के सहयोग से एमटीसी के विकास का कार्य प्रगति पर है।

एनडीडीबी ने अपने विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों और विभागों के माध्यम से 200 से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें लगभग 3,200 दूध उत्पादकों, 1,200 अधिकारियों (सरकारी अधिकारियों सहित) और 100 बोर्ड के सदस्यों ने भाग लिया। कोविड-19 की महामारी की वजह से उत्पन्न यात्रा प्रतिबंधों के कारण कुछ बोर्ड के कार्यक्रम डिजिटल रूप से भी आयोजित किए गए। डिजिटल मीडिया ने देश के दूर-दराज के क्षेत्रों में भी दूध उत्पादकों को सुगमता से सीखने में मदद की है।

पूरे वर्ष के दौरान वैज्ञानिक डेरी पशु प्रबंधन और उत्पादकता वृद्धि पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके बाद, इन व्याख्यानों को यूट्यूब पर अपलोड किया गया और राज्यवार व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से भी इसे साझा किया गया। इससे व्याख्यानों को 16,000 से अधिक दर्शकों तक पहुंचने में मदद मिली।

डेरी और अन्य इनोवेशन के माध्यम से आय वृद्धि से संबंधित विभिन्न विषयों पर आयोजित डिजिटल सेशन में अधिक संख्या में लोगों ने भाग लिया और यह लगभग 12,800 दर्शकों तक पहुंचा।

कोविड-19 के चुनौतीपूर्ण समय के दौरान, डेरी हितधारकों के मनोबल को बढ़ाने के लिए 'कोविड-19 के दौरान भारतीय डेरी उद्योग - चुनौतियां, सीख और आगे का मार्ग', 'डेरी किसानों के आर्थिक विकास के लिए सही कार्य संस्कृति अनिवार्य है', 'चुनौतीपूर्ण समय के दौरान उपलब्धि प्रेरणा को कैसे बनाए रखें' और 'डेरी सहकारिताओं के लिए प्रभावी पर्यवेक्षी कौशल' जैसे समकालीन विषयों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए।

वर्ष के दौरान, वैज्ञानिक पशु प्रबंधन और उत्पादकता, डेरी और अन्य इनोवेशन के माध्यम से आजीविका में वृद्धि, प्रेरणा, कार्य संस्कृति और 'सहयोग की शक्ति' पर डिजिटल सत्र आयोजित किए गए। सत्रों को बाद में यूट्यूब पर अपलोड किया गया और राज्यवार व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से साझा किया गया। कार्यक्रमों को लगभग 45 हजार दर्शकों तक पहुंचाया गया।

2021-22 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

पारंपरिक/यथास्थान प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	विषय क्षेत्र	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
क	**सहकारिता सेवाएं**		
	किसान प्रेरण/अभिमुखन कार्यक्रम	18	486
	डेरी सहकारी समिति के सचिव के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण	2	31
	प्रबंधन समिति के सदस्यों का अभिमुखन कार्यक्रम	1	90
	बोर्ड अभिमुखन प्रोग्राम	9	115
ख	**डेरी विकास और डेरी व्यवसाय**	**8**	**185**
ग	**पशुपालन पर डेरी उद्यमिता कार्यक्रम**	**7**	**100**
घ	**दूध का विपणन**	**2**	**10**
ङ	**राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन**	**4**	**146**
च	**उत्पादकता वृद्धि**		
	कृत्रिम गर्भाधान-बेसिक	14	290
	कृत्रिम गर्भाधान-पुनश्चर्या	1	20
	डेरी पशु प्रबंधन	29	871
	ओवम पिक-अप और इन विट्रो भ्रूण उत्पादन और भ्रूण प्रत्यारोपण प्रौद्योगिकी	3	12
	पशु चिकित्सकों के लिए कौशल विकास	3	66
	आहार संतुलन कार्यक्रम पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	2	30
	एथनो-वेटनरी मेडिसिन पर प्रशिक्षण	2	15
छ	**गुणवत्ता आश्वासन और डेरी संयंत्र प्रबंधन**		
	बिजली, भाप और ठंडे पानी का कुशल उपयोग	1	12
	डेरी उद्योग में दूध सॉलिड के नुकसान को कम करना	1	10
	दूध प्रसंस्करण और पैकेजिंग	1	9
	डेरी संयंत्र के लिए गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा	1	28
	डेरी संयंत्र के उपकरणों का संचालन और रखरखाव	4	64
	विद्युत प्रणालियों का संचालन और रखरखाव	1	13
	गायों के चारे/सामग्रियों का परीक्षण	1	3
	एफएसएसएआई के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षक के लिए प्रशिक्षण	3	56
	वर्ल्ड एंडीमाइक्रोवियल जागरूकता सप्ताह पर कार्यशाला	1	120
	कांफर्मिटी एसेसमेंट स्कीम पर कार्यशाला	1	1140
ज	**भौगोलिक सूचना प्रणाली प्रशिक्षण**	**4**	**37**
झ	**एनडीडीबी डेरी एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग**	**20**	**198**
ञ	**इनोवेशन के लिए प्रशिक्षण**		
	वैज्ञानिक मधुमक्खीपालन पर अभिमुखन और प्रशिक्षण	47	1243
	खाद मूल्य शृंखला पर प्रशिक्षण	17	687
	सूक्ष्म प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षकों का भ्रमण और प्रशिक्षण	1	4
	जैविक दूध उत्पादन पर भ्रमण और प्रशिक्षण	1	10
ट	**दूध संघ के कर्मचारियों के लिए अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम**		
	स्व और संस्थागत सशक्तीकरण	2	41
	डेरी सहकारिता सेवाओं के परामर्शदाताओं के लिए कौशल संवर्धन कार्यक्रम	2	47
	कुल योग	**214**	**6,189**

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आयोजित कार्यक्रम

क्र. सं.	विषय क्षेत्र	कार्यक्रमों की संख्या	दर्शकों की संख्या
क	सहकारी सेवाएं		
1	सरकारी परियोजनाओं के बारे में जागरूकता	5	10
2	सहकारी डेरी व्यवसाय	1	53
3	डेरी सर्वेयर ऐप	39	110
4	भौगोलिक सूचना सेवाएं	6	27
5	इंटरनेट पर आधारित डेरी सूचना प्रणाली	20	32
6	कोविड के समय में भारतीय डेरी उद्योग	1	1860
7	डेरी व्यवसाय और अन्य इनोवेशन के माध्यम से आजीविका में वृद्धि	5	12796
8	दूध का विपणन	1	676
9	राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन (NDLM)	17	1041
10	एनडीडीबी डेरी एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (NDERP)	153	1064
11	दूध संघ के प्रोफेशनलों के लिए समकालीन विषय	3	837
12	सहयोग की शक्ति	3	7271
13	गुणवत्ता आश्वासन	4	2434
14	वैज्ञानिक डेरी पशु प्रबंधन और उत्पादकता वृद्धि	35	16326
15	वीर्य केंद्र प्रबंधन प्रणाली	2	89
16	खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षकों के लिए एफएसएसएआई पर प्रशिक्षण	7	144
	कुल योग	**302**	**44,770**

जनशक्ति का विकास

वर्ष के दौरान, एनडीडीबी कर्मचारियों के लिए व्यावहारिक, तकनीकी और सामान्य प्रबंधन क्षेत्रों पर आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बाह्य प्रशिक्षण संस्थाओं में कर्मचारियों के प्रायोजन तथा इन-हाउस माध्यम से आयोजित किया गया था। यौन उत्पीड़न के रोकथाम तथा जेंडर सेंस्टिविटी के प्रति कर्मचारियों को संवेदनशील बनाने के लिए, एनडीडीबी कर्मचारियों के लिए 'कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम और जेंडर सेंस्टिविटी' पर कार्यशाला भी आयोजित की गई। कर्मचारियों और श्रमिकों के क्षमता निर्माण के लिए, 'प्रभावी कार्यकुशलता से कार्यदक्षता का विकास' पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। वर्ष के दौरान, कुल 585 कर्मचारियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया।

2021-22 के दौरान एनडीडीबी कर्मचारियों का प्रशिक्षण

कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की संख्या	नामांकन	
		कुल	एससी/एसटी
काफ कर्मचारियों (प्रशिक्षुओं/कनिष्ठ विश्लेषकों सहित) के लिए 'मानक आईएसओ/आईईसी 17025: 2017 और आंतरिक लेखा परीक्षा की आवश्यकताएं' पर प्रशिक्षण	01	59	09
मधुमक्खीपालन और क्षमता निर्माण पर एडवांस प्रशिक्षण	01	07	02
टीम निर्माण	01	20	01
कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम और जेंडर सेंस्टिविटी	05	268	39
बदलाव प्रबंधन	01	18	01
अत्यधिक प्रभावी लोगों की 7 आदतें	01	29	08
कर्मचारियों और श्रमिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम – प्रभावी प्रदर्शन के लिए दक्षता विकसित करना	05	133	21
अन्य कार्यक्रम (बाहरी संस्थाओं में प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रायोजित कर्मचारी)	25	51	04
कुल		**585**	**85**

केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा आरंभ की गई पहल के एक हिस्से के तौर पर एनडीडीबी ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSU) और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (PSB) के mid-career अधिकारियों के लिए "Leading Organizational Change" पर पांच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

वर्ष के दौरान, कार्मिक प्रतिभागिता कार्यक्रमों अर्थात प्रेरणादायक वीडियो सत्र और पुस्तक समीक्षा, नियमित तौर पर आयोजित किए गए। छात्रों के रोजगार के अवसरों में वृद्धि के लिए, एनडीडीबी ने वर्ष के दौरान विभिन्न संस्थाओं के 47 छात्रों के लिए इंटर्नशिप की सुविधा भी प्रदान की।

ग्रामीण प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए अधिकारियों का प्रायोजन

इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट, आणंद में डेरी सहकारिताओं और उत्पादक संस्थाओं के अधिकारियों को उनके प्रायोजन द्वारा 15 माह के एक्जिक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रूरल मैनेजमेंट (PGDMX (R)) माध्यम से व्यावसायिक विकास हेतु सहयोग वर्ष के दौरान निरंतर जारी रहा। वर्ष के दौरान नामित संस्थाओं से कुल 28 अधिकारियों को उपर्युक्त कार्यक्रम के लिए प्रायोजित किया गया।

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के आरंभिक स्तर और मिड-कैरियर अधिकारियों का प्रशिक्षण

केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा की गई पहल के एक हिस्से के रूप में एनडीडीबी ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSU) और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (PSB) के मिड-कैरियर अधिकारियों के लिए 'संगठनात्मक परिवर्तन का नेतृत्व' विषय पर पांच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए और कुल 247 अधिकारियों को शामिल करते हुए 'भावी लीडरों व प्रबंधकों का विकास' विषय पर सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/पीएसबी के आरंभिक स्तर के अधिकारियों के लिए चार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। उपर्युक्त कार्यक्रमों में मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड, बैंक ऑफ बड़ौदा और राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में रात्रि विश्राम, किसानों के साथ बातचीत और विभिन्न ग्राम स्तरीय संस्थाओं के कामकाज को समझने के लिए गांव का दौरा शामिल था। क्लास रूम प्रशिक्षण में नेतृत्व, मूल्यों/नैतिकता, संगठनात्मक संस्कृति, सकारात्मक दृष्टिकोण का महत्व, आत्म-विकास और प्रबंधन पर इंटरैक्टिव सत्र शामिल थे। प्रशिक्षण कार्यक्रमों को पीएसयू/पीएसबी के सभी प्रतिभागी अधिकारियों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

पीएसयू/पीएसबी के अधिकारियों का प्रशिक्षण

सं.	संस्था का नाम	कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या
1	मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड	संगठनात्मक परिवर्तन का नेतृत्व	25
2	मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड	संगठनात्मक परिवर्तन का नेतृत्व	28
3	मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड	संगठनात्मक परिवर्तन का नेतृत्व	29
4	मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड	संगठनात्मक परिवर्तन का नेतृत्व	28
5	बैंक ऑफ बड़ौदा	संगठनात्मक परिवर्तन का नेतृत्व	32
6	मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड और राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स	जिम्मेदार भावी प्रबंधकों और लीडरों का विकास	30
7	मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड	जिम्मेदार भावी प्रबंधकों और लीडरों का विकास	25
8	मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड	जिम्मेदार भावी प्रबंधकों और लीडरों का विकास	25
9	मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड	जिम्मेदार भावी प्रबंधकों और लीडरों का विकास	25
		कुल	247

'डॉ वी. कुरियन लीडरशिप व्याख्यान शृंखला' के एक भाग के तौर पर प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा विभिन्न विषयों पर नौ व्याख्यान आयोजित किए गए। इसके अलावा, डॉ. वी. कुरियन की जन्म शताब्दी समारोह के एक भाग के तौर पर कविता, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर निर्माण और निबंध प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें पूरे देश के डेरी सहकारिताओं और उत्पादक स्वामित्व वाले संस्थाओं के कई लोगों ने भाग लिया। जन्म शताब्दी समारोह के दौरान, एनडीडीबी के पूर्व छात्रों और डॉ. वी. कुरियन के साथ मिलकर काम करने वाले लीडरों द्वारा साझा किए गए व्याख्यान, अनुभवों और कहानियों का एक समृद्ध संकलन भी 'डॉ. वी. कुरियन की स्मृति' शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित किया गया है।

अन्य गतिविधियां

हिंदी का प्रगामी प्रयोग

वर्ष 2021-22 के दौरान, रोजमर्रा के कार्यालयीन कामकाज में हिंदी के प्रगामी प्रयोग में वृद्धि करने के लिए ठोस प्रयास किए गए। एनडीडीबी की वार्षिक रिपोर्ट, संसदीय समितियों पर नोट, पावर प्वाइंट प्रस्तुति और अन्य दस्तावेज हिंदी में तैयार किए गए। इनके अलावा, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी 2021-22 के लिए वार्षिक कार्यक्रम में उल्लिखित निर्दिष्ट लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सख्त कदम उठाए गए।

दिल्ली में आयोजित एक समारोह के दौरान, माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी ने एनडीडीबी को राजभाषा कीर्ति - प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया। एनडीडीबी के अध्यक्ष श्री मीनेश शाह ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सभी एनडीडीबी कार्यालयों में 14 से 28 सितंबर के दौरान हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। कोविड-19 दिशानिर्देशों/प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, हिंदी दिवस पर हिंदी के विशिष्ट विद्वान द्वारा व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें अधिक संख्या में कर्मचारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार सभी कर्मचारियों द्वारा राजभाषा की एक शपथ ली गई। इसके अलावा, हिंदी भाषा के लिए प्रेरक अभिनिवेश सृजित करने और कार्यालयीन काम-काज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी की प्रतियोगिताओं जैसे हिंदी आशु निबंध लेखन, हिंदी कविता पाठ और हिंदी निबंध लेखन का आयोजन किया गया।

एनडीडीबी में कार्यालयीन कामकाज में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रोत्साहन योजनाएं लागू हैं। ऐसी ही एक योजना हिंदी टिप्पण एवं आलेखन प्रोत्साहन योजना है। इस योजना में 53 कर्मचारियों ने भाग लिया और वर्ष 2021-22 के दौरान कर्मचारियों को 1,56,000 रुपये की नकद प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में जिन तेरह कर्मचारियों के बच्चों ने हिंदी में 75 प्रतिशत व उससे अधिक अंक प्राप्त किए उन्हें 2000 रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

वर्ष 2021-22 के दौरान, एनडीडीबी, आणंद ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), आणंद के साथ अपनी गतिविधियों को निरंतर जारी रखा और उनकी ऑनलाइन छमाही बैठकों में सक्रिय रूप से भागीदारी की। वर्ष 2020-21 के लिए राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन के लिए नराकास, आणंद द्वारा एनडीडीबी, आणंद को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। एनडीडीबी ने नराकास, आणंद के तत्वावधान में ऑनलाइन हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें नराकास, आणंद से संबद्ध कई संस्थाओं के कर्मचारियों ने अधिक संख्या में भाग लिया। इसके अलावा, एनडीडीबी के कर्मचारियों ने नराकास, आणंद द्वारा प्रकाशित 'उज्ज्वल आणंद' पत्रिका के लिए निबंध और कविता उपलब्ध कराए। इसके अलावा, एनडीडीबी के आठ कर्मचारियों को नराकास के तत्वावधान में आयोजित विभिन्न ऑनलाइन/ऑफलाइन प्रतियोगिताओं के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।

एक पहल के तौर पर, विभिन्न ग्रुपों से रियल टाइम समय समेकित आंकड़े प्राप्त करने के लिए हिंदी तिमाही प्रगति रिपोर्ट (QPR) फॉर्म और समेकित क्यूपीआर फॉर्म का निर्माण किया गया और इसके साथ एक ऑनलाइन हिंदी ईमेल गणना (Email count) प्रणाली बनाई गई है।

कर्मचारियों को माइक्रोसॉफ्ट क्विक पार्ट्स, कस्टम ऑफिस टेम्प्लेट के निर्माण और हिंदी प्रूफ रीडिंग और वॉयस टाइपिंग टूल के उपयोग पर ऑनलाइन और डेस्क प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा, कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए राजभाषा पर कई ऑनलाइन कार्यशालाओं का भी आयोजन किया गया। हिंदी की ई-पत्रिका 'सृजन' हिंदी में प्रकाशित की गई।

एनडीडीबी पुस्तकालय में हिंदी की पुस्तकों का वृहत संकलन उपलब्ध है। वर्ष के दौरान, पुस्तकालय में लगभग 35,500 रुपये की हिंदी की पुस्तकें खरीदी गईं।

सभी राष्ट्रीय कार्यक्रम जैसे गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती तथा डॉ. अंबेडकर जयंती इत्यादि हिंदी भाषा में आयोजित किए गए।

अनुसूचित एससी/एसटी के कर्मचारियों का कल्याण

वर्ष के दौरान, अनुसूचित एससी/एसटी के कर्मचारियों के लिए कार्यात्मक और सामान्य प्रबंधन क्षेत्रों में ऑनलाइन प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की गई। एनडीडीबी के भावी नेतृत्व विकास कार्यक्रम में शामिल एससी/एसटी अधिकारियों ने परिवर्तन प्रबंधन और टीम निर्माण पर आयोजित प्रशिक्षणों में भाग लिया। कुल 85 एससी/एसटी कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण नामांकन को प्रोसेस किया गया। एससी/एसटी के कर्मचारियों के लिए कल्याणकारी उपाय भी वर्ष के दौरान निरंतर जारी रहे, जिसमें एससी/एसटी कर्मचारियों के मेधावी बच्चों को नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्रों के माध्यम से उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए मान्यता प्रदान किया जाना शामिल है। शैक्षणिक अभिमुखन को प्रोत्साहित करने के लिए एससी/एसटी के कर्मचारियों को उनके बच्चों के लिए शिक्षा के साथ-साथ पुस्तकों पर किए गए व्यय की प्रतिपूर्ति की गई।

एनडीडीबी के सभी कार्यालयों में डॉ. बी आर अंबेडकर के सम्मान में अंबेडकर जयंती मनाई गई।

सहायक कंपनियां

आईडीएमसी लिमिटेड

इंडियन डेरी मशीनरी कंपनी की स्थापना 1978 में हुई थी। इसे कंपनी अधिनियम 1956 के अंतर्गत आईडीएमसी (IDMC) लिमिटेड के रूप में शामिल किया गया है। आईडीएमसी अपने मेटल और प्लास्टिक सेगमेंट के तहत डेरी, पशु आहार, फार्मास्यूटिकल और थर्मल मैनेजमेंट में अपने ग्राहकों को प्रसंस्करण और पैकेजिंग समाधान प्रदान करता है। आईडीएमसी ने इस वर्ष कुल 625.2 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया।

वर्ष के दौरान, मेटल सेग्मेंट के अंतर्गत, आईडीएमसी ने अपने ग्राहकों के लिए कई स्वचालित डेरी परियोजनाओं को सफलतापूर्वक निष्पादित किया, जिसमें 50 हलीप्रदि से लेकर 5 लालीप्रदि दूध प्रसंस्करण क्षमता वाले प्रसंस्करण संयंत्रों के साथ-साथ दूध उत्पादों जैसे मक्खन, फ्लेवर्ड दूध और किण्वित (फरमेंटेड) उत्पादों का निर्माण शामिल है। कंपनी को लगातार 20 मीट्रिक टन प्रतिदिन खोआ निर्माण प्लांट का ऑर्डर मिला और व्हे प्रोटीन कॉन्संट्रेट बनाने के लिए अल्ट्रा-फिल्ट्रेशन प्लांट का ऑर्डर भी मिला।

थर्मल प्रबंधन खंड में, वर्ष के दौरान पूरी तरह से स्वचालित कई अमोनिया प्रशीतन प्रणालियों की कमीशनिंग की गई। इसके अलावा, आईडीएमसी ने वर्ष के दौरान कई ऊर्जा दक्ष स्टेनलेस स्टील आइस साइलो भी स्थापित कर कमीशनिंग किए।

व्यवसाय की फार्मास्युटिकल श्रेणी के अंतर्गत, इंसुलिन, इम्यूनोसप्रेसेन्ट और कार्सिनोजेन्स जैसे कई दवाओ के निर्माण के लिए 100 केएल क्षमता से युक्त दो किण्वन लाइनों वाली एक बड़ी परियोजना चल रही है। कंपनी 55 केएल क्षमता के किण्वकों के साथ एक अन्य परियोजना भी क्रियान्वित कर रही है।

आईडीएमसी ने डेरी उद्योग के लिए मिल्क साइलो सीआईपी सिस्टम, हीटर, चिलर, पास्चराइजर, निरंतर मक्खन बनाने की मशीन (CBMM), बटर टब फिलिंग मशीन, निरंतर खोआ बनाने की मशीन, आइसक्रीम फ्रीजर, फ्रूट फीडर, कप और कोन फिलिंग मशीनें, स्टेनलेस स्टील सेनेटरी फिटिंग, सैनिटरी पंप, न्यूमेटिक वाल्व और अन्य प्रवाह घटक जैसे खाद्य प्रसंस्करण उपकरणों की एक शृंखला का विपणन किया। अन्य उत्पाद जैसे बल्क मिल्क कूलर और मिल्किंग मशीन ग्राहकों द्वारा लगातार पसंद किए जा रहे है।

आईडीएमसी का अनुसंधान एवं विकास केंद्र बटर टब फिलिंग मशीन, स्टीम वॉटर मिक्सर, पोर्टेबल कंटेनराइज्ड बीएमसी मॉड्यूल, मोबाइल मिल्किंग मशीन-मिल्क-ओ-बाइक और प्लेट हीट एक्सचेंजर्स की नई रेंज जैसे नए उत्पादों को विकसित करने में सफल रहा। सड़क पर लगे दूध के टैंकरों पर लगे ऑटोमेटिक मिल्क सैंपलिंग सिस्टम को भी बाजार में स्वीकृति मिल रही है।

कंपनी के प्लास्टिक खंड ने तरल दूध और दूध उत्पादों जैसे घी, दही, छाछ, दूध पाउडर के लिए पैकेजिंग फिल्मों तथा दूध पाउडर और अन्य खाद्य उत्पादों के लिए हाई बैरियर लैमिनेट्स के अपने उत्पाद उपलब्ध करा कर मौजूदा ग्राहकों की आवश्यकताओं के पूर्ति करना जारी रखा। कंपनी ने खाद्य तेल की पैकेजिंग के लिए मल्टी लेयर फिल्मों की आपूर्ति की और अल्ट्रा हीट ट्रीटेड (UHT) दूध की पैकेजिंग के लिए बैरियर फिल्मों का निर्यात भी किया।

इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड

इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स की स्थापना 1982 में राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड द्वारा की गई थी। यूनिट को वर्ष 1999 में इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड के रूप में निगमित किया गया था। वर्ष 2021-22 में, इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड (IIL) ने 807.6 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया। आईआईएल ने पिछले वर्ष की तुलना में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है। आईआईएल ने 233.6 करोड़ रुपये का पीबीटी हासिल किया। कोविड-19 से संबंधित मुद्दों के बावजूद, आईआईएल देश में खुरपका और मुंहपका रोग (FMD) के वैक्सीन का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना हुआ है और इसने स्वयं को देश में मानव एंटी-रेबीज वैक्सीन के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता के रूप में भी स्थापित किया है।

आईआईएल ने स्वास्थ्य मंत्रालय के सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP) को पेंटावैलेंट वैक्सीन, डीपीटी वैक्सीन, हेपेटाइटिस बी वैक्सीन की आपूर्ति जारी रखी है। देश में कोविड-19 वैक्सीन निर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए भारत सरकार के अनुरोध पर, आईआईएल रिकॉर्ड समय में 20 लाख से अधिक खुराक का उत्पादन और आपूर्ति करने में सक्षम रहा है। सरकार द्वारा आईआईएल के प्रयासों की सराहना की गई है। BIRAC, जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा भी आईआईएल को 60 करोड़ रुपये का अनुदान मंजूर किया गया। श्री परशोत्तम रूपाला, माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री ने वैक्सीन उत्पादन बढ़ाने के लिए भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड को कोविड-19 का drug substance सौंपा।

आईआईएल के डीएसआईआर अनुमोदित अनुसंधान एवं विकास केंद्र की पाइपलाइन में कई रोमांचक कैंडिडेट वैक्सीन हैं। आईआईएल को दिसंबर 2021 में अपने गोट पॉक्स के वैक्सीन के लिए मार्केटिंग की मंजूरी मिली है। हेपेटाइटिस ए के वैक्सीन के लिए तीसरे चरण का नैदानिक परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है और मार्केटिंग प्रमाणीकरण की उम्मीद है। मीजल्स रूबेला (IMR) संयोजन टीके के लिए तीसरे चरण का नैदानिक परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है और मार्केटिंग प्रमाणीकरण की उम्मीद है।

आईआईएल ने पैकिंग समय को उल्लेखनीय रूप से कम करने के लिए स्वचालन परियोजनाओं को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है जिससे ग्राहकों को उत्पाद जल्द से जल्द उपलब्ध कराया जा सके।

आईआईएल किसान शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रमों में सबसे आगे है। कंपनी ने किसानों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए देश के कई हिस्सों में विभिन्न कृषि मेलों में सक्रिय रूप से भाग लिया है। अपनी कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) पहल के एक हिस्से के रूप में, आईआईएल देश भर में गौशालाओं में एक लाख से अधिक गायों को स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करना जारी रखा है।

आईआईएल ने 3 सरकारी स्कूलों (तेलंगाना राज्य के लक्ष्मापुर गांव में 2 स्कूल और कराकापटला गांव में एक स्कूल) को गोद लिया है और छात्रों की भलाई के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है और उन्हें वेषभूषा, स्कूल बैग और नोटबुक भी प्रदान किए हैं। 'गिफ्टमिल्क' के प्रायोजक होने के नाते, आईआईएल तेलंगाना और तमिलनाडु के विभिन्न सरकारी स्कूलों में छात्रों को प्रतिदिन फ्लेवर्ड दूध प्रदान करता है।

आईआईएल ने अपने सीएसआर के एक हिस्से के रूप में तेलंगाना इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (TIMS), हैदराबाद को एक करोड़ रुपये की लागत से ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र भी प्रदान किया है। आईआईएल ने बायोगैस संयंत्रों की स्थापना में भी एक करोड़ रुपये का सहयोग किया है।

मदर डेरी फ्रूट एंड वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड

मदर डेरी फ्रूट एंड वेजिटेबल्स प्राइवेट लिमिटेड, 1974 में मदर डेरी, दिल्ली के रूप में स्थापित किया गया था, जिसे भारत सरकार की ओर से दिल्ली की दूध मांग को पूरा करने के लिए वर्ष 2000 में निगमित किया गया था।

COVID -19 की गंभीर दूसरी लहर के कारण होने वाले व्यवधानों के बावजूद 20 प्रतिशत की समग्र मूल्य वृद्धि दर्ज करते हुए कंपनी ने वर्ष 2021-22 में 12,583 करोड़ रुपये का कारोबार किया।

मदर डेरी के दूध व्यवसाय ने उपभोक्ता मांग को पूरा करने के लिए अपना प्रयास जारी रखा और वर्ष के उत्तरार्ध (सितंबर 2021 के बाद) में सुधार किया और राष्ट्रीय स्तर पर, पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत की मूल्य वृद्धि दर्ज की। दूध SBU ने एक्सक्लूसिव रिटेल आउटलेट खोलकर उपभोक्ताओं तक पहुंचने के अपने प्रयासों को बढ़ाया। सभी क्षेत्रों में खुदरा बाजार और आवासीय सोसायटियों में मदर डेरी प्वाइंट्स और कियोस्क खोले गए। विभिन्न विपणन क्रियाकलापों एवं डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से पूरे वर्ष ब्रांड निर्माण के प्रयास किए गए। मदर डेरी दूध लगातार इस अवसर का निर्माण कर रहा है और अधिकांश बाजारों में सभी प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर अपनी मजबूत उपस्थिति स्थापित कर चुका है। प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर विशिष्ट ध्यान जारी है।

मूल्य वर्धित डेरी उत्पाद पोर्टफोलियो में 12 प्रतिशत की मूल्य वृद्धि दर्ज की गई। यह वर्ष चुनौतियों और अवसरों का वर्ष रहा है। बिक्री बढ़ाने हेतु हमारे विशेष बूथ नेटवर्क, जनरल ट्रेड, और ई-कॉमर्स सहित विभिन्न माध्यमों पर क्षेत्र विशेष ध्यान दिया गया। क्विक कौमर्स (Quick Commerce) भागीदारों की आवश्यकता को समझते हुए और GenZ तक प्रभावी ढंग से पहुंचने के लिए, मदर डेरी ने पार्टनरशिप की है एवं अपने डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के माध्यम से उनके वितरण केंद्रों की दैनिक आपूर्ति की व्यवस्था की है।

वित्त वर्ष 2021-22 में न्यूट्रीफिट ब्रांड के तहत सेट योगहर्ट, आईसक्रीम टब में नए फ्लेवर, फ्लेवर्ड चीज़ स्प्रेड सहित कई नए उत्पादों/श्रेणियों की शुरुआत हुई। होल व्हीट ब्रेड को शामिल करके ब्रेड्स पोर्टफोलियो को और मजबूत किया गया।

मदर डेरी के प्रयासों को उद्योगों द्वारा सराहा और पहचाना गया है और उन्हें 'द मैडीज़ गोल्ड अवार्ड' (हल्दी मिल्क के लिए), 'डिजिटल क्रेस्ट अवार्ड' (पनीर के लिए) और 'फॉक्स ग्लव अवार्ड्स' (हल्दी मिल्क, पनीर के लिए) से सम्मानित किया गया।

धारा ब्रांड के तहत खाद्य तेल व्यवसाय, पिछले 5 वर्षों की अवधि में कुल आय में 8 प्रतिशत के CAGR के साथ कारोबार में 25 प्रतिशत CAGR की दर से लगातार बढ़ रहा है। खाद्य तेल कारोबार ने 42 फीसदी मूल्य वृद्धि हासिल की है।

वर्ष के दौरान बागवानी कारोबार में 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। दक्षिण और पूर्व के प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में टमाटर की फसल लगातार तीसरे वर्ष कम रही। मौसमी सब्जियों (विशेषकर सर्दियों की फसलों) को बहुत ही असंगत और प्रतिकूल मौसम का सामना करना पड़ा जिसने उनकी आपूर्ति और कीमतों को प्रभावित किया।

मदर डेरी के अनुसंधान और विकास ने उपभोक्ताओं की नई जरूरतों को पूरा करने के

लिए सुरक्षित, स्वस्थ और सुविधाजनक उत्पाद देने पर ध्यान केंद्रित किया। वर्ष 2021-22 में, इनमें से आठ उत्पादों को बाजार में लॉन्च किया गया। टीम ने बेहतर उपभोक्ता अनुभव, सुविधा और लागत अनुकूलन प्रदान करने के लिए पैकेजिंग प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों पर भी काम किया। टीम ने पर्यावरण के अनुकूल पैकेजिंग देने के लिए प्रौद्योगिकियों का विकास किया और प्लास्टिक की कमी, पुन: उपयोग और रिसाइक्लिंग पर भी काम किया। इन पहलों के परिणामस्वरूप कार्बन उत्सर्जन में 900 मीट्रिक टन की कमी, 400 मीट्रिक टन कागज की कमी और 125 मीट्रिक टन प्लास्टिक की कमी हुई।

मदर डेरी ने सबसे नवीन, सुविधाजनक और 100 प्रतिशत नियामक अनुपालन पैकेजिंग के लिए 'डेरी पैकेजिंग ऑफ द ईयर' का पुरस्कार भी जीता।

एनडीडीबी डेरी सर्विसेज

एनडीडीबी डेरी सर्विसेज (NDS) को उत्पादक कंपनियों और उत्पादकता वृद्धि सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए कंपनी अधिनियम की धारा 8 के तहत 2009 में एक not-for-profit (गैर-लाभकारी) कंपनी के रूप में निगमित किया गया। इसके अलावा, एनडीएस देश के चार सबसे बड़े वीर्य केंद्रों का भी प्रबंधन करता है - साबरमती आश्रम गौशाला, बीडज, अहमदाबाद (गुजरात), पशु प्रजनन केंद्र सालोन, रायबरेली (उत्तर प्रदेश), अलामाढ़ी वीर्य केंद्र (तमिलनाडु) और राहुरी वीर्य केंद्र (महाराष्ट्र)।

वर्ष के दौरान, चार वीर्य केंद्रों ने मिलकर लगभग 3.8 करोड़ वीर्य डोजों का उत्पादन किया और लगभग 4.7 करोड़ वीर्य डोज बेचे। देश में देशी नस्लों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, वर्ष के दौरान गायों की 17 विभिन्न देशी नस्लों से लगभग 77 लाख वीर्य डोज और आठ अलग-अलग भैंस नस्लों से लगभग 138 लाख वीर्य डोज बेचे गए।

किसानों के लिए उच्च आनुवंशिक गुण वाले बछड़ों का उत्पादन करने के लिए महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, झारखंड राज्यों में किसानों के घर पर चयनित प्राप्तकर्ता पशुओं में भ्रूण प्रत्यारोपण गतिविधियां क्रियान्वित की गईं। वर्ष के दौरान, कुल लगभग 1,700 भ्रूण का उत्पादन किया गया था, जिनमें से लगभग 1,300 देशी नस्लों के थे।

वर्ष के दौरान एनडीएस ने बिचौलियों द्वारा शोषण को बंद करने और पशु पालक किसानों द्वारा पशुओं की distress sale को रोकने तथा पशु खरीदार किसानों को पशुओं की आनुवंशिक क्षमता का लाभ देने के दोहरे उद्देश्य के साथ 'सुपीरियर एनिमल जेनेटिक्स-लाइव' (SAG-Live) ब्रांड के तहत उच्च आनुवंशिक गुण वाले पशुओं को शामिल किया।

एनडीएस ने मुख्य रूप से गिर, साहीवाल, मुर्रा, एचएफ, जर्सी और उनके संकर नस्ल के लगभग 1,000 उच्च आनुवंशिक गुण वाले पशुओं को induct करने की सुविधा प्रदान की।

एनडीएस द्वारा कार्यान्वित की जा रही प्रोजेक्ट गिर वाराणसी के तहत 450 गिर गायें प्रदान की गईं; अन्य 300 गिर गायों की आपूर्ति असम सरकार को गौरीखुटी भूमि विकास परियोजना के तहत की गई।

कौशल स्तर को बढ़ाने और विभिन्न हितधारकों के ज्ञान उपलब्ध कराने के लिए, एनडीएस ने इन एमपीसी हेतु refresher प्रशिक्षण, अभिमुखन और कौशल विकास कार्यक्रमों की सुविधा प्रदान की। सदस्यों के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम (Leadership development programmes), नई भर्तियों के लिए अभिमुखन कार्यक्रम और एमपीसी की मौजूदा फील्ड टीमों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण (refresher training) कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

एनडीएस ने भी एमपीसी को अपना समर्थन जारी रखा और सूचना प्रौद्योगिकी, उत्पादों के विपणन और उत्पादकता वृद्धि सेवाओं के क्षेत्रों में इन सभी एमपीसी की सहायता की।

एनडीएस को ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दीन दयाल अंत्योदय योजना (DAY-NRLM) के लिए सहायक संगठनों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनों के साथ समझौते के तहत, एनडीएस ने रायबरेली में सामर्थ्य एमपीसी और वाराणसी में काशी एमपीसी की स्थापना की। वर्ष के दौरान,

एनडीएस ने प्रोफेशनल और फील्ड कर्मियों की भर्ती और प्रशिक्षण, विभिन्न लाइसेंस प्राप्त करने और दूध संकलन और फॉरवर्ड लिंकेज के लिए बुनियादी ढांचे की स्थापना में सहायता करके काशी एमपीसी संचालित की। वित्त वर्ष के दौरान मेरठ में हरित एमपीसी भी संचालित की गई।

दूध उत्पादक कंपनियां

अब तक, एनडीडीबी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनडीडीबी डेरी सर्विसेज (NDS) ने सफलतापूर्वक 19 एमपीसी स्थापित की हैं, जिनमें से छह को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) के अंतर्गत सहायता प्रदान की जा रही है। इन 19 एमपीसी में से 12 संपूर्ण महिला सदस्यता है और उनके संबंधित बोर्डों में सभी निर्माता/निदेशक महिलाएं हैं।

19,000 गांवों के लगभग 7.5 लाख दूध उत्पादक इन एमपीसी सदस्य के रूप में शामिल हैं। इन उत्पादकों में से 69 प्रतिशत महिलाएं हैं और 67 प्रतिशत छोटे धारक दूध उत्पादक हैं। इन 19 कंपनियों के सदस्यों ने शेयर पूंजी के लिए लगभग 170.13 करोड़ रुपये इकट्ठा किए। कंपनियों ने 2021-22 के दौरान प्रतिदिन लगभग 32.3 लाख किलोग्राम दूध संकलित किया और वर्ष के दौरान, कुल 5,755.8 करोड़ रुपये का सकल कारोबार हासिल किया।

इन एमपीसी ने दुधारू पशु उत्पादकता में सुधार के लिए अपने परिचालन क्षेत्रों में विभिन्न इनपुट सामग्रियां (पशु आहार, क्षेत्र विशिष्ट खनिज मिश्रण, चारा बीज आदि) और सेवाएं (कृत्रिम गर्भाधान, डेरी विस्तार) प्रदान करना जारी रखा।

विभिन्न एमपीसी के सदस्यों को लगभग 1,00,000 मीट्रिक टन पशु आहार और 500 मीट्रिक टन खनिज मिश्रण की आपूर्ति की गई। वर्ष के दौरान, इन एमपीसी के परिचालन क्षेत्रों में लगभग 11 लाख एआई किए गए और एंटीबायोटिक रहित दूध को बढ़ावा देने के लिए, इन एमपीसी में एथनो वेटनरी प्रक्रिया के उपयोग का बढ़ावा दिया गया।

एमपीसी की एक झलक

मापदंड	कुल 19 एमपीसी
जिलों की संख्या#	116
शामिल गांवों की संख्या	19,244
सदस्यों की संख्या	7,45,489
महिला सदस्यता (%)	69
लघु धारक (सदस्यों का %)*	67
प्रदत्त शेयर पूंजी (करोड़ रुपये में)	170.13
औसत दूध खरीद FYTD ('000 किग्रा प्रतिदिन)	3,230
सकल कारोबार FYTD (करोड़ रुपये में)	5,755.8

: = 200 सदस्यों वाले जिलों को परिचालन जिले की गणना के लिए माना गया है। जिला गणना 2001/2011 कोड पर आधारित है।

* : <= 3 दुधारू पशुपालक परिवार

डेरी सहकारिताओं की एक झलक

डेरी सहकारी समितिया

(संख्या में)^

क्षेत्र/राज्य	80-81	90-91	00-01	10-11	20-21	21-22*
उत्तर						
हरियाणा	505	3,229	3,318	7,019	7,567	7,580
हिमाचल प्रदेश		210	288	740	1,084	1,097
जम्मू एवं कश्मीर		105	**	**	896	910
पंजाब	490	5,726	6,823	7,069	8,775	8,847
राजस्थान	1,433	4,976	5,900	16,290	20,973	23,280
उत्तर प्रदेश	248	7,880	15,648	21,793	39,615	42,389
उत्तराखंड					4,205	4,208
क्षेत्रीय योग	**2,676**	**22,126**	**31,977**	**52,911**	**83,115**	**88,311**
पूर्व						
असम		117	125	155	522	485
बिहार	118	2,060	3,525	9,425	25,798	27,482
झारखंड				53	769	859
मेघालय					30	21
मिजोरम					42	42
नागालैंड		21	74	49	52	52
ओडिशा		736	1,412	3,256	6,151	6,713
सिक्किम		134	174	287	587	648
त्रिपुरा		73	84	84	119	133
पश्चिम बंगाल	584	1,223	1,719	3,019	3,804	3,985
क्षेत्रीय योग	**702**	**4,364**	**7,113**	**16,328**	**37,874**	**40,420**
पश्चिम						
छत्तीसगढ़				757	1,110	1,098
गोवा		124	166	178	183	183
गुजरात	4,798	10,056	10,679	14,347	22,134	22,192
मध्य प्रदेश	441	3,865	4,877	6,216	10,755	11,192
महाराष्ट्र	718	4,535	16,724	21,199	22,539	19,492
क्षेत्रीय योग	**5,957**	**18,580**	**32,446**	**42,697**	**56,721**	**54,157**
दक्षिण						
आंध्र प्रदेश	298	4,766	4,912	4,971	6,578	7,611
कर्नाटक	1,267	5,621	8,516	12,372	16,698	17,014
केरल		1,016	2,781	3,666	3,337	3,378
तमिलनाडु	2,384	6,871	8,369	10,079	10,487	10,540
तेलंगाना					6,581	6,835
पुडुचेरी		71	92	102	107	108
क्षेत्रीय योग	**3,949**	**18,345**	**24,670**	**31,190**	**43,788**	**45,486**
कुल योग	**13,284**	**63,415**	**96,206**	**143,126**	**221,498**	**228,374**

^ डेरी सहकारिताओं के लिए, यह संगठित (संचयी) है, इसमें पारंपरिक समितियां और पूर्व गठित तालुका संघ शामिल हैं। 2020-21 के बाद के आंकड़ों में एमपीसी के क्रियाशील एमपीपी और एमडीएफवीपीएल के एमपीआई शामिल हैं
** अनंतिम ** रिपोर्ट नहीं मिली*
स्रोत: दूध संघ एवं महासंघ, एनडीडीबी डीएस एवं एमडीएफवीपीएल

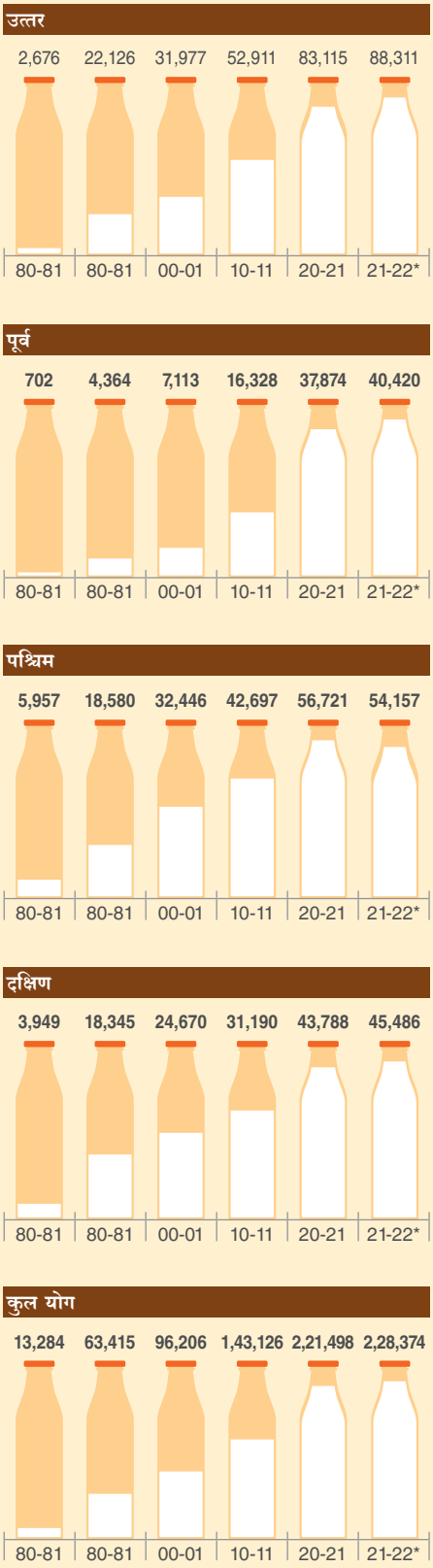

उत्पादक सदस्य

(हजार में)

क्षेत्र/राज्य	80-81	90-91	00-01	10-11	20-21	21-22*
उत्तर						
हरियाणा	39	184	185	313	320	323
हिमाचल प्रदेश		17	20	32	46	47
जम्मू एवं कश्मीर		2	**	**	30	40
पंजाब	26	304	370	385	428	429
राजस्थान	80	340	436	669	1,030	1,063
उत्तर प्रदेश	18	392	649	977	1,488	1,593
उत्तराखंड					159	159
क्षेत्रीय योग	**163**	**1,239**	**1,660**	**2,376**	**3,501**	**3,655**
पूर्व						
असम		2	1	4	34	40
बिहार	3	100	184	523	1,309	1,357
झारखंड				1	23	24
मेघालय					1	0.4
मिजोरम					1	1
नागालैंड		1	3	2	2	2
ओडिशा		46	111	187	325	299
सिक्किम		4	5	10	15	20
त्रिपुरा		4	4	6	8	6
पश्चिम बंगाल	20	66	114	213	247	220
क्षेत्रीय योग	**23**	**223**	**422**	**946**	**1,965**	**1,969**
पश्चिम						
छत्तीसगढ़				31	43	42
गोवा		12	18	19	19	19
गुजरात	741	1,612	2,147	2,970	3,740	3,755
मध्य प्रदेश	24	150	242	271	373	388
महाराष्ट्र	87	840	1,398	1,818	1,824	1,665
क्षेत्रीय योग	**852**	**2,614**	**3,805**	**5,109**	**5,999**	**5,869**
दक्षिण						
आंध्र प्रदेश	33	561	702	846	667	676
कर्नाटक	195	1,013	1,528	2,124	2,633	2,589
केरल		225	637	851	1,025	1,042
तमिलनाडु	481	1,590	1,957	2,176	1,981	1,966
तेलंगाना					258	251
पुडुचेरी		17	27	36	42	42
क्षेत्रीय योग	**709**	**3,406**	**4,851**	**6,033**	**6,605**	**6,566**
कुल योग	**1,747**	**7,482**	**10,738**	**14,464**	**18,070**	**18,058**

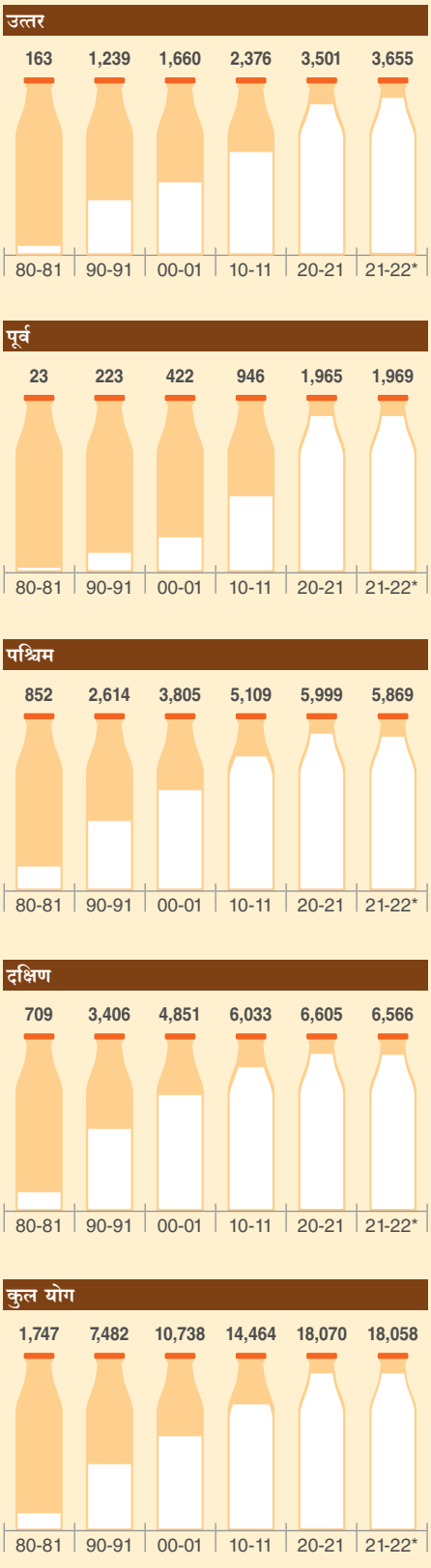

* *अनंतिम*

** *अनंतिम*

2020-21 के बाद के आंकड़ों में एमपीसी और एमडीएफवीपीएल के एमपीजी के सदस्य शामिल हैं

स्रोत: दूध संघ एवं महासंघ, एनडीडीबी डीएस एवं एमडीएफवीपीएल

दूध संकलन

(हजार किलोग्राम प्रतिदिन में)#

क्षेत्र/राज्य	80-81	90-91	00-01	10-11	20-21	21-22*
उत्तर						
हरियाणा	33	94	276	511	560	515
हिमाचल प्रदेश		14	24	60	92	107
जम्मू एवं कश्मीर		11	**	**	92	122
पंजाब	75	394	912	1,037	2,189	2,257
राजस्थान	138	364	887	1,629	3,611	3,987
उत्तर प्रदेश	64	382	791	504	1,318	1,432
उत्तराखंड					189	201
क्षेत्रीय योग	**310**	**1,259**	**2,890**	**3,741**	**8,051**	**8,621**
पूर्व						
असम		4	3	5	29	42
बिहार	3	95	330	1,091	1,506	1,303
झारखंड				5	134	153
मेघालय					14	14
मिजोरम					5	4
नागालैंड		1	3	2	3	3
ओडिशा		41	94	276	366	416
सिक्किम		4	7	12	40	53
त्रिपुरा		3	1	2	7	5
पश्चिम बंगाल	31	52	204	273	203	181
क्षेत्रीय योग	**34**	**200**	**642**	**1,666**	**2,306**	**2,175**
पश्चिम						
छत्तीसगढ़				25	68	67
गोवा		16	32	38	55	55
गुजरात	1,344	3,102	4,567	9,158	25,236	27,134
मध्य प्रदेश	68	256	319	588	954	969
महाराष्ट्र	165	1,872	2,979	3,053	3,749	3,861
क्षेत्रीय योग	**1,577**	**5,246**	**7,897**	**12,862**	**30,062**	**32,087**
दक्षिण						
आंध्र प्रदेश	79	763	879	1,371	1,749	2,028
कर्नाटक	261	917	1,887	3,742	7,879	8,164
केरल		185	646	688	1,388	1,561
तमिलनाडु	301	1,106	1,618	2,097	3,704	3,562
तेलंगाना					461	460
पुडुचेरी		26	45	35	60	67
क्षेत्रीय योग	**641**	**2,997**	**5,075**	**7,932**	**15,240**	**15,843**
कुल योग	**2,562**	**9,702**	**16,504**	**26,202**	**55,659**	**58,725**

 # राज्य के बाहर के परिचालन शामिल हैं
** अनंतिम*
*** रिपोर्ट नहीं मिली*
2020-21 के बाद के आंकड़ों में एमपीसी और एमडीएफवीपीएल के एमपीजी के संकलन शामिल हैं
2021-22 में गुजरात के कुल दूध संकलन में राज्य के बाहर से 4,240 हकिग्राप्रदि शामिल है और 2020-21 में, यह आंकड़ा 4,325 हकिग्राप्रदि था।
स्रोत: दूध संघ एवं महासंघ, एनडीडीबी डीएस एवं एमडीएफवीपीएल

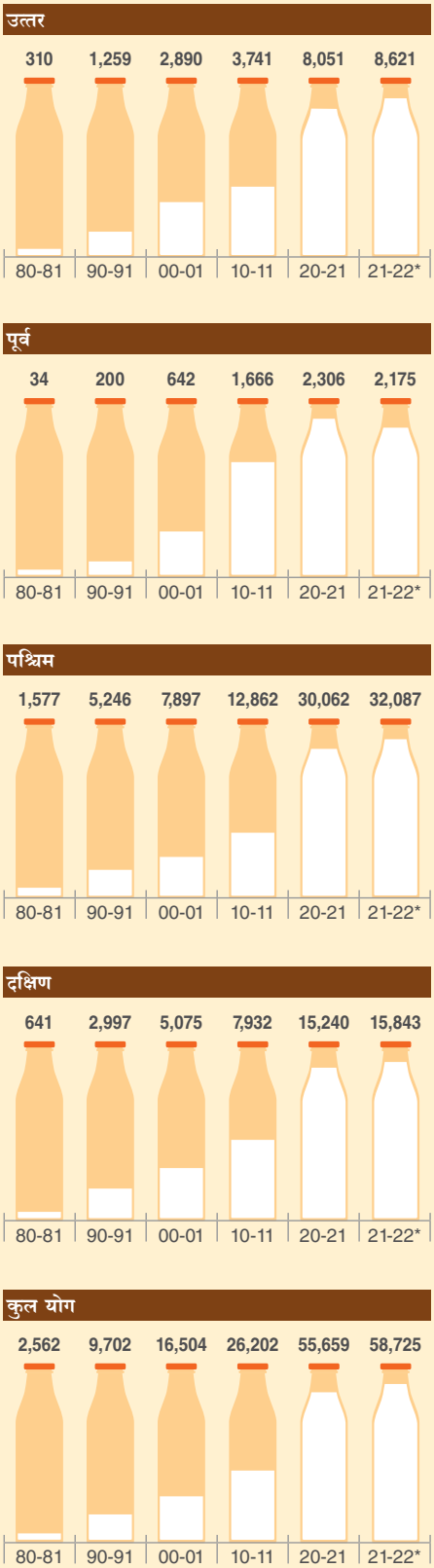

तरल दूध का विपणन

(हजार लीटर प्रतिदिन में) #

क्षेत्र/राज्य	80-81	90-91	00-01	10-11	20-21	21-22*
उत्तर						
हरियाणा	2	80	108	362	283	297
हिमाचल प्रदेश		15	20	23	23	22
जम्मू एवं कश्मीर		9	**	**	99	98
पंजाब	7	139	420	802	1,026	1,124
राजस्थान	12	136	540	1,505	2,131	2,330
उत्तर प्रदेश	1	326	436	380	1,455	1,699
उत्तराखंड					157	157
दिल्ली	697	1,051	1,524	3,050	6,645	6,943
क्षेत्रीय योग	**719**	**1,756**	**3,048**	**6,122**	**11,819**	**12,670**
पूर्व						
असम		10	7	22	59	64
बिहार	8	111	324	454	1,269	1,474
झारखंड				253	374	418
मेघालय					13	12
मिजोरम					4	4
नागालैंड		1	4	3	6	4
ओडिशा		65	98	290	324	326
सिक्किम		5	7	17	44	47
त्रिपुरा		6	7	15	9	7
पश्चिम बंगाल	17	26	27	41	83	95
कोलकाता	283	526	840	644	1,207	1,307
क्षेत्रीय योग	**308**	**750**	**1,314**	**1,739**	**3,392**	**3,759**
पश्चिम						
छत्तीसगढ़				34	176	199
गोवा		36	83	69	57	58
गुजरात	210	1,052	1,905	3,237	5,663	6,043
मध्य प्रदेश	39	279	244	495	800	853
महाराष्ट्र	18	363	1,178	2,023	1,641	1,763
मुंबई	950	1,057	1,390	841	2,650	2,820
क्षेत्रीय योग	**1,217**	**2,787**	**4,800**	**6,699**	**10,986**	**11,736**
दक्षिण						
आंध्र प्रदेश	19	552	733	1,565	1,351	1,357
कर्नाटक	166	889	1,501	2,661	4,261	4,456
केरल		223	640	1,092	1,315	1,430
तमिलनाडु	109	405	559	989	1,174	1,305
तेलंगाना					875	932
पुडुचेरी		22	43	93	92	92
चैन्नई	245	662	725	1,025	1,220	1,311
क्षेत्रीय योग	**539**	**2,753**	**4,201**	**7,425**	**10,286**	**10,881**
कुल योग	**2,783**	**8,046**	**13,363**	**21,985**	**36,484**	**39,046**

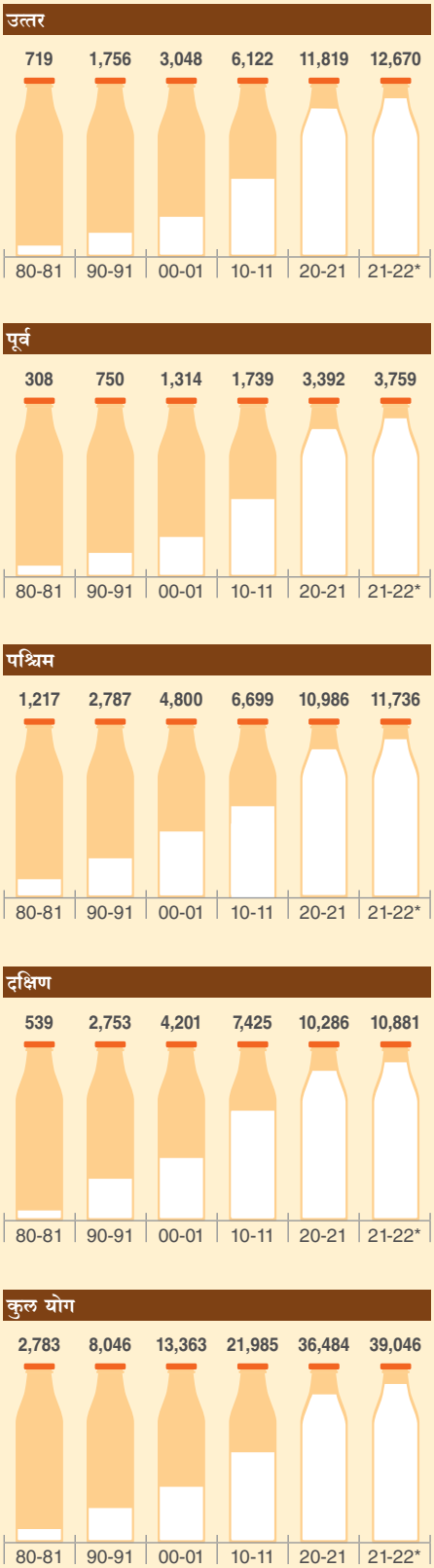

 # मैट्रो डेरियों तथा राज्य के बाहर के परिचालन शामिल हैं
** अनंतिम*
*** रिपोर्ट नहीं मिली*
2020-21 के बाद के आंकड़ों में एमपीसी और एमडीएफवीपीएल की बिक्री शामिल है
2021-22 में गुजरात की कुल दूध की बिक्री 14,436 हलीप्रदि है जिसमें राज्य के बाहर के आंकड़े शामिल हैं और 2020-21 में, यही आंकड़ा 13,401 हलीप्रदि था।
2010-11 में, महाराष्ट्र के दूध संघों द्वारा मुंबई में बेची गई मात्रा का विवरण उपलबध नहीं है
स्रोत: दूध संघ एवं महासंघ, एनडीडीबी डीएस एवं एमडीएफवीपीएल

डेरी सहकारिताओं का कोल्ड चेन बुनियादी ढांचा (क्षमता)*

(मार्च 2022)^

राज्य/क्षेत्र	बीएमसी (हली)	चिलिंग केंद्र (हलीप्रदि)	डेरी संयंत्र (हलीप्रदि)
उत्तर			
दिल्ली			1,500
हरियाणा	420	330	7,525
हिमाचल प्रदेश	136	80	100
जम्मू एवं कश्मीर	155	202	150
पंजाब	2,138	692	2,585
राजस्थान	4,727	780	4,320
उत्तर प्रदेश	1,788	1,022	4,840
उत्तराखंड	64	65	256
क्षेत्रीय योग	**9,428**	**3,171**	**21,276**
पूर्व			
असम	52		60
बिहार	2,234	414	3,305
झारखंड	226		690
मेघालय	10		50
मिजोरम	14		20
नागालैंड	2		10
ओडिशा	893	115	920
सिक्किम	44		50
त्रिपुरा	13		24
पश्चिम बंगाल	270	124	1,248
क्षेत्रीय योग	**3,757**	**653**	**6,377**
पश्चिम			
छत्तीसगढ़	100	71	144
गोवा	47		110
गुजरात	26,685	6,195	29,715
मध्य प्रदेश	1,740	652	1,868
महाराष्ट्र	2,306	2,450	13,530
क्षेत्रीय योग	**30,878**	**9,368**	**45,367**
दक्षिण			
आंध्र प्रदेश	2,509	498	3,205
कर्नाटक	5,989	3,030	10,790
केरल	1,625	115	2,485
तमिलनाडु	2,195	1,455	4,613
तेलंगाना	711	363	1,275
पुडुचेरी	65		120
क्षेत्रीय योग	**13,094**	**5,461**	**22,488**
कुल योग	**57,156**	**18,653**	**95,508**

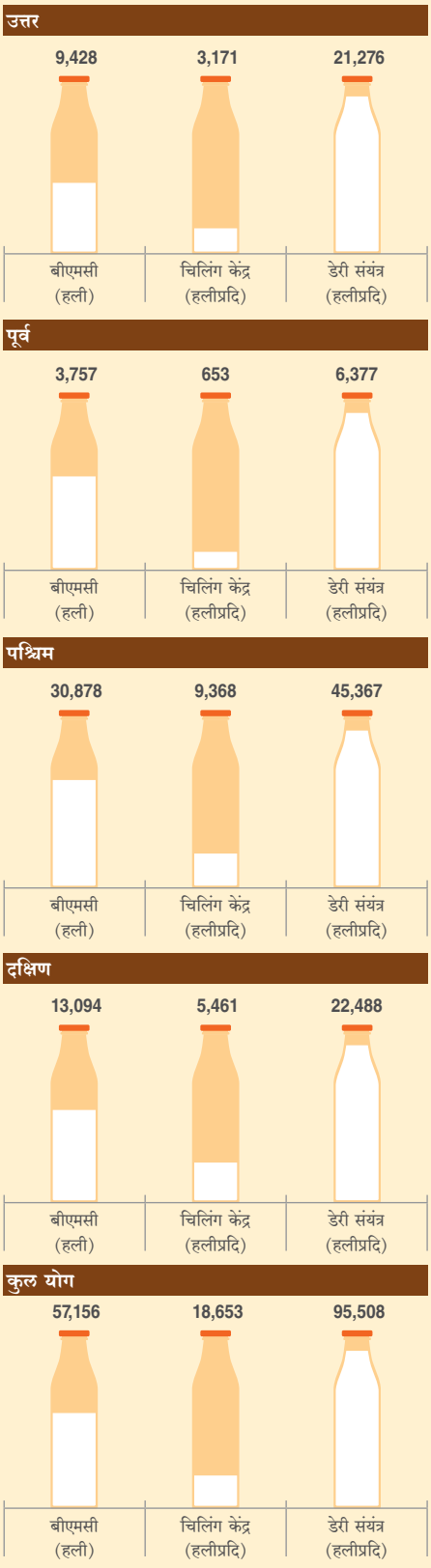

** अनंतिम*
हली: हजार लीटर
हलीप्रदि: हजार लीटर प्रतिदिन
^ एमपीसी और एमडीएफबीपीएल के स्वामित्व वाला बुनियादी ढांचा शामिल है
स्रोत: दूध संघ एवं महासंघ, एनडीडीबी डीएस एवं एमडीएफबीपीएल

आगंतुक

2021-2022 के दौरान, भारत और विदेशों से 1,136 आगंतुक एनडीडीबी में पधारे।

श्री परशोत्तम रूपाला, माननीय केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

डॉ. संजीव कुमार बालियान, माननीय केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री

श्री विश्राम मीना, प्रबंध निदेशक, राजस्थान सहकारी डेरी महासंघ

श्री अर्जुनसिंह चौहान, माननीय ग्रामीण विकास मंत्री, गुजरात सरकार

श्री देवेंद्र कुमार सिंह, सचिव, सहकारिता, भारत सरकार

श्री सुधीर गर्ग, प्रधान सचिव और श्री रविशंकर गुप्ता, सीजीएम, प्रादेशिक सहकारी डेरी महासंघ, उत्तर प्रदेश

लेखा-जोखा

केकेसी एंड एसोसिएट्स एलएलपी
सनदी लेखाकार
(पूर्व, खीमजी कुंवरजी एंड को एलएलपी)

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

प्रति
निदेशक मंडल
राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड

एकल आधार पर तैयार वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा पर रिपोर्ट

मत

1. हमने राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड ('एनडीडीबी') के एकल आधार पर तैयार किए गए संलग्न वित्तीय विवरणों लेखा परीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च, 2022 की स्थिति में तुलन पत्र, उसी तारीख को समाप्त वर्ष के आय एवं व्यय लेखों और नकदी-प्रवाह विवरण और महत्वपूर्ण लेखा नीतियों के सार तथा अन्य स्पष्टीकरण विवरणों ('एकल आधार पर तैयार वित्तीय विवरण') सहित एकल आधार पर तैयार किए गए वित्तीय विवरणों की टिप्पणियां शामिल हैं।

2. हमारे मत में और हमें प्राप्त सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उपर्युक्त एकल आधार पर तैयार किए गए ये वित्तीय विवरण राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड अधिनियम, 1987, जो राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड (निधि, लेखा और बजट का संचालन) विनियम, 1988 ('विनियमन') के साथ पठित हैं, द्वारा अपेक्षित जानकारी प्रदान करते हैं तथा इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया ('आईसीएआई') द्वारा अधिसूचित लेखा मानकों और भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुरूप, 31 मार्च, 2022 तक एनडीडीबी के कामकाज की स्थिति और तब समाप्त वर्ष के लिए इसके अधिशेष तथा इसके नकदी-प्रवाह का वास्तविक एवं स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करते हैं।

मत का आधार

3. हमने अपनी लेखा परीक्षा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों (एसए) के अनुसार की है। इन मानकों के अंतर्गत हमारी जिम्मेदारियों का विवरण हमारी रिपोर्ट के एकल आधार पर तैयार वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा वाले खंड में लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारियों में दिया गया है। हम इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ('आईसीएआई') द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार एनडीडीबी से स्वतंत्र हैं, साथ ही नैतिक आवश्यकताओं के साथ जो विनियमन के प्रावधानों के तहत एकल आधार पर तैयार वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के लिए प्रासंगिक हैं, और हमने इन अपेक्षाओं और आचार संहिता के अनुसार अपनी नैतिक जिम्मेदारियां पूरी की हैं। हमारा विश्वास है कि जो लेखा परीक्षा साक्ष्य हमने प्राप्त किए हैं वे हमारे मत - एकल आधार पर तैयार वित्तीय विवरणों को आधार देने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

अन्य सूचनाएं

4. अन्य सूचनाओं को तैयार करने का दायित्व एनडीडीबी के प्रबंधन और निदेशक मंडल का है जिसमें सूचनाएं जैसे निदेशक मंडल की रिपोर्ट और एनडीडीबी की वार्षिक रिपोर्ट में शामिल अन्य प्रकटन शामिल हैं, परंतु इसमें एकल आधार पर तैयार वित्तीय विवरण और उस पर हमारे लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट शामिल नहीं है। अन्य सूचनाएं इस लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख के बाद हमें उपलब्ध कराए जाने की आशा है।

5. एकल आधार पर तैयार किए गए वित्तीय विवरणों पर हमारे मत में अन्य सूचना शामिल नहीं है और हम उस पर किसी भी प्रकार का कोई आश्वासन अथवा निष्कर्ष व्यक्त नहीं करते हैं।

सनसाइन टॉवर, लेवल 19, सेनापती बापट मार्ग, एलफिस्टन रोड, मुंबई - 400013, भारत
दूरभाष: +91 22 6143 7333 ईमेल: info@kkcllp.in वेबसाइट: www.kkc.in I LLPIN-AAP-2267

सूट 52, बॉम्बे म्युचुअल भवन, सर फिरोजशाह मेहता रोड, फोर्ट, मुंबई - 400001, भारत

6. एकल आधार पर तैयार किए गए वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संदर्भ में हमारा यह दायित्व है कि हम अन्य सूचना पढ़ें और ऐसा करते समय यह देखें कि अन्य सूचना एकल आधार पर तैयार किए गए वित्तीय विवरणों से अथवा लेखा परीक्षा के दौरान हमें प्राप्त हुई जानकारी से किसी महत्वपूर्ण मामले में असंगत तो नहीं है अथवा उसमें अन्यथा कोई महत्वपूर्ण गलत प्रस्तुति तो नहीं दिखती। यदि, हमारे द्वारा किए गए कार्य के आधार पर, हम निष्कर्ष निकालते हैं कि इस अन्य जानकारी का एक भौतिक गलत बयान है, तो हमें उस तथ्य की रिपोर्ट करने की आवश्यकता है।

एकल आधार पर तैयार किए गए वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व

7. प्रबंधन एवं एनडीडीबी के निदेशक मंडल का उत्तरदायित्व है कि वे विनियम के अनुसार एकल आधार पर इन वित्तीय विवरणों को इस प्रकार तैयार करें, जो एनडीडीबी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय निष्पादन और नकदी-प्रवाह का वास्तविक और निष्पक्ष चित्र प्रस्तुत करते हों। इस दायित्वों में एनडीडीबी की परिसंपत्ति की सुरक्षा के लिए और धोखाधड़ी एवं अन्य अनियमितताओं को रोकने तथा उनका पता लगाने के लिए पर्याप्त लेखा अभिलेखों का रख-रखाव करना; उचित लेखा नीतियों का चयन करना और उन्हें लागू करना, उचित और विवेकपूर्ण निर्णय और आकलन करना तथा लेखा अभिलेखों की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे पर्याप्त ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की रूपरेखा तैयार करना, उनका कार्यान्वयन और रखरखाव करना शामिल हैं जिनका परिचालन वित्तीय विवरणों को इस प्रकार तैयार करने और प्रस्तुत करने के लिए अपेक्षित था कि वे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण किसी महत्वपूर्ण गलत प्रस्तुतियों से मुक्त वास्तविक और निष्पक्ष चित्रण करने वाले एक आधार पर तैयार वित्तीय विवरणों को तैयार करने और प्रस्तुत करने के लिए संगत लेखा अभिलेखों की शुद्धता और पूर्णता सुनिश्चित कर सकें।

8. एकल आधार पर वित्तीय विवरणों को तैयार करते समय, प्रबंधन और निदेशक मंडल एनडीडीबी की क्षमता का आकलन करने के लिए भी जिम्मेदार हैं, जैसा कि वर्तमान सरोकार के रूप में जारी रखने की लागू हो, सरोकार करने और लेखांकन के वर्तमान सरोकार के आधार का उपयोग करने से संबंधित मुद्दों को प्रकट करते हैं, जब तक कि प्रबंधन या तो एनडीडीबी को परिसमाप्त करने या परिचालनों को बंद करने की मंशा नहीं रखती है, या ऐसा करने के अलावा कोई व्यावहारिक विकल्प नहीं होता है।

9. एनडीडीबी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देख-रेख के लिए निदेशक मंडल भी जिम्मेदार हैं।

एकल आधार पर वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक का उत्तरदायित्व

10. हमारा उद्देश्य इस बात का तर्क पर आधारित आश्वासन प्राप्त करना है कि एकल आधार पर तैयार किए गए वित्तीय विवरण पूर्णतः धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के कारण होने वाले किसी महत्वपूर्ण गलत प्रस्तुतियों से मुक्त हैं। अन्य उद्देश्य लेखा परीक्षा रिपोर्ट जारी करना है जिसमें हमारा मत शामिल हो। तर्क पर आधारित आश्वासन उच्च स्तरीय आश्वासन है। लेकिन इस बात की गारंटी नहीं है कि लेखांकन मानदंडों के अनुसार संचालित लेखा परीक्षा किसी विद्यमान महत्वपूर्ण गलत प्रस्तुतियों का हमेशा पता लगा ही लेगी। गलत प्रस्तुतियां धोखाधड़ी अथवा त्रुटि से उत्पन्न हो सकती हैं और उन्हें महत्वपूर्ण तब माना जाता है जब वे एकल रूप से या पूर्ण रूप से इन एकल आधार पर तैयार किए गए विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ताओं द्वारा लिए जाने वाले आर्थिक निर्णयों को एक तर्कपूर्ण सीमा तक प्रभावित कर सकती हों।

सनसाइन टॉवर, लेवल 19, सेनापती बापट मार्ग, एलफिस्टन रोड, मुंबई - 400013, भारत
दूरभाष: +91 22 6143 7333 ईमेल: info@kkcllp.in वेबसाइट: www.kkc.in I LLPIN-AAP-2267

सूट 52, बॉम्बे म्युचुअल भवन, सर फिरोजशाह मेहता रोड, फोर्ट, मुंबई - 400001, भारत

केकेसी एंड एसोसिएट्स एलएलपी
सनदी लेखाकार
(पूर्व, खीमजी कुंवरजी एंड को एलएलपी)

11. लेखा मानकों के अनुसार, लेखा परीक्षा के एक भाग के रूप में, हम लेखा परीक्षा के दौरान व्यावसायिक निर्णय क्षमता का प्रयोग करते हैं और व्यावसायिक संदेहवाद बनाए रखते हैं। साथ ही:

11.1 हम धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के कारण वित्तीय विवरणों की महत्वपूर्ण गलत प्रस्तुतियों के जोखिमों की पहचान और आकलन करते हैं, उन जोखिमों के जवाब में लेखा परीक्षा कार्य पद्धतियों की रूपरेखा तैयार करते हैं और उनका कार्यान्वयन करते हैं और महत्वपूर्ण मदों के लिए ऐसा लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करते हैं जो मत के लिए आधार प्रदान करने की दृष्टि से पर्याप्त और उपयुक्त हो। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण गलत प्रस्तुतियों का पता न लगाने का जोखिम त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले जोखिम से बड़ा होता है क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, गलत मंशा से उपेक्षा करना, गलत प्रस्तुतियां इत्यादि शामिल हो सकते हैं या आंतरिक नियंत्रणों की अवहेलना की गई हो सकती है।

11.2 हम लेखा परीक्षा के लिए संगत आंतरिक नियंत्रण की समझ प्राप्त करते हैं। ऐसा मौजूदा परिस्थितियों के लिए उचित लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं की रूपरेखा तैयार करने के लिए किया जाता है न कि एनडीडीबी के आंतरिक नियंत्रण की प्रभावकारिता पर अपना मत व्यक्त करने के लिए।

11.3 हम प्रबंधन द्वारा उपयोग में लाई जा रही लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और लेखांकन अनुमानों तथा संबंधित प्रकटनों के औचित्य का मूल्यांकन करते हैं।

11.4 हम लेखांकन के 'निरंतर चल रही संस्था' आधार के प्रबंधन द्वारा उपयोग की उपयुक्तता पर निष्कर्ष निकालते हैं और प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य के आधार पर यह देखते हैं कि क्या किसी ऐसी घटना या परिस्थिति से जड़ी कोई महत्वपूर्ण अनिश्चितता विद्यमान है जो 'निरंतर चलने वाली संस्था' के रूप में एनडीडीबी की क्षमता पर उल्लेखनीय संदेह पैदा करती हो। यदि हमारा निष्कर्ष यह होता है कि ऐसी महत्वपूर्ण अनिश्चितता विद्यमान है तो हमसे यह अपेक्षित होता है कि हम अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में एकल आधार पर तैयार वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटनों की ओर ध्यान आकृष्ट करें, अथवा यदि ऐसे प्रकटन अपर्याप्त हैं तो अपने मत को संशोधित करें। हमारे निष्कर्ष हमारी लेखा परीक्षा रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित होते हैं. तथापि भविष्यगत घटनाएं या परिस्थितियां एनडीडीबी के 'निरंतर चलने वाली संस्था' नहीं बने रहने का कारण बन सकती हैं।

11.5 हम प्रकटनों सहित एकल आधार पर तैयार वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और उनमें निहित विषय-वस्तु का मूल्यांकन करते हैं और देखते हैं कि क्या एकल आधार पर तैयार वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेन-देनों और घटनाओं को इस तरह अभिव्यक्त करते हैं कि निष्पक्ष प्रस्तुति का उद्देश्य पूरा हो।

11.6 हम शासन के प्रभारी व्यक्तियों को, अन्य बातों के साथ-साथ, लेखा परीक्षा के दायरे और समय की योजना तथा उल्लेखनीय लेखा परीक्षा निष्कर्ष संप्रेषित करते हैं जिनमें आंतरिक नियंत्रण में उन महत्वपूर्ण कमियों को शामिल किया जाता है जो हमारी लेखा परीक्षा के दौरान पहचान में आती हैं. हम शासन के प्रभारी व्यक्तियों को ऐसा अभिकथन भी उपलब्ध कराते हैं कि हमने अपनी निष्पक्षता और हमारी निष्पक्षता को उचित रूप से प्रभावित करने वाले माने जाने वाले सभी संबंधों तथा अन्य विषयों को उन्हें संप्रेषित करने के संबंध में, और जहां प्रयोजनीय हो वहां संबंधित रक्षा के उपायों के बारे में सभी संगत नैतिक अपेक्षाओं का पालन किया है।

11.7 हम शासन के प्रभारी व्यक्तियों को संप्रेषित मदों के आधार पर ऐसी मदों को निर्धारित करते हैं जो चालू अवधि के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की दृष्टि से सर्वाधिक महत्वपूर्ण हों और इस कारण वे प्रमुख लेखा परीक्षा मदें हों। हम इन मदों को अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में वर्णित करते हैं जब तक कि विधि या विनियम द्वारा उन मदों के बारे में सार्वजनिक प्रकटन को निषेध न किया गया हो, या जब विशेष परिस्थितियों में हम यह तय करें कि हमें अपनी रिपोर्ट में उस मद को संप्रेषित नहीं करना चाहिए क्योंकि संप्रेषित करने से सार्वजनिक हित को होने वाले संभावित लाभ ऐसे सम्प्रेषण के प्रतिकूल परिणामों की अपेक्षा कम होगा।

सनसाइन टॉवर, लेवल 19, सेनापती बापट मार्ग, एलफिस्टन रोड, मुंबई - 400013, भारत
दूरभाष: +91 22 6143 7333 ईमेल: info@kkcllp.in वेबसाइट: www.kkc.in I LLPIN-AAP-2267

सूट 52, बॉम्बे म्युचुअल भवन, सर फिरोजशाह मेहता रोड, फोर्ट, मुंबई - 400001, भारत

केकेसी एंड एसोसिएट्स एलएलपी

सनदी लेखाकार

(पूर्व, खीमजी कुंवरजी एंड को एलएलपी)

अन्य विधिक और विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

12. एनडीडीबी का तुलन पत्र और आय एवं व्यय लेखा विनियमन के अध्याय II की अनुसूची 'I' और अनुसूची 'II' के अनुसार तैयार किया गया है।

जैसा कि इसके अंतर्गत विहित विनियमन के प्रावधानों द्वारा अपेक्षित है, हम आगे रिपोर्ट यह करते हैं कि:

12.1 हमने उन सभी सूचनाओं और स्पष्टीकरणों की मांग की है और प्राप्त किए हैं जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के लिए हमारे लेखा परीक्षा के प्रयोजनों के लिए आवश्यक थे।

12.2 एनडीडीबी के लेन-देन, जो हमारी लेखा परीक्षा के दौरान हमारे ध्यान में आए हैं, एनडीडीबी की शक्तियों के भीतर रहे हैं।

12.3 हमारे मत के अनुसार, इस रिपोर्ट द्वारा निष्पादित एकल स्तर तैयार पर वित्तीय विवरण लेखा बही खातों के अनुरूप हैं।

12.4 हमारे मत के अनुसार, एकल आधार पर तैयार वित्तीय विवरण लागू लेखांकन मानकों का अनुपालन करते हैं।

केकेसी एंड एसोसिएट्स एलएलपी
सनदी लेखाकार
(पूर्व, खीमजी कुंवरजी एंड को एलएलपी)
फर्म पंजीकरण सं.: 105146W/W100621

हँसमुख बी डेढ़िया
भागीदार
आईसीएआई सदस्यता सं.: 033494
यूडीआईएन: 22033494AOHMPB8431

स्थान: मुंबई
दिनांक: 04 अगस्त 2022

सनसाइन टॉवर, लेवल 19, सेनापती बापट मार्ग, एलफिस्टन रोड, मुंबई - 400013, भारत
दूरभाष: +91 22 6143 7333 ईमेल: info@kkcllp.in वेबसाइट: www.kkc.in I LLPIN-AAP-2267

सूट 52, बॉम्बे म्युचुअल भवन, सर फिरोजशाह मेहता रोड, फोर्ट, मुंबई - 400001, भारत

तुलनपत्र

31 मार्च, 2022 का

मिलियन रुपये में

विवरण	संलग्नक	31.03.2022	31.03.2021
देयताएं			
राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड निधि	I	32,288.49	31,868.88
सुरक्षित ऋण	II	9,888.03	9,569.32
चालू देयताएं और प्रावधान	III	10,233.00	10,368.95
आस्थगित कर देयताएं	XVI (नोट 8)	256.40	273.36
योग		**52,665.92**	**52,080.51**
परिसंपत्तियाँ			
नकद और बैंक शेष	IV	14,452.80	13,870.40
वस्तुसूची	V	0.55	1.04
विविध देनदार		117.50	141.81
ऋण, अग्रिम एवं अन्य वर्तमान परिसंपत्तियाँ	VI	15,046.77	15,966.36
निवेश	VII	21,313.81	20,277.98
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण	VIII	1,734.49	1,822.92
योग		**52,665.92**	**52,080.51**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ जो वित्तीय विवरणों का हिस्सा हैं	XV		
लेखों पर टिप्पणियाँ जो वित्तीय विवरणों का हिस्सा हैं	XVI		

हमारी समसंख्यक तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते केकेसी एंड एसोसिएट्स एलएलपी
सनदी लेखाकार
(पूर्व, खीमजी कुंवरजी एंड को एलएलपी)
फर्म की पंजीकरण सं. 105146W/W100621

हँसमुख बी डेढ़िया
भागीदार
सदस्यता सं.: 033494

स्थान: मुंबई
दिनांक: 04 अगस्त 2022

बोर्ड के लिए और बोर्ड की ओर से

मीनेश सी शाह
अध्यक्ष एवं
कार्यपालक निदेशक

स्थान: आणंद
दिनांक: 04 अगस्त 2022

एस रघुपति
एसजीएम (सीएफएंडपी)

अमित गोयल
उप ग्रुप प्रमुख (लेखा)

आय एवं व्यय लेखा-जोखा

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष का

मिलियन रुपये में

विवरण	संलग्नक	2021-22	2020-21
आय			
ब्याज		2,592.30	2,780.16
सेवा प्रभार	IX	229.77	206.23
किराया और हायर चार्ज		220.67	212.14
लाभांश		310.92	60.41
अन्य आय	X	87.51	210.76
योग (क)		**3,441.17**	**3,469.70**
व्यय			
ब्याज और वित्तीय प्रभार		673.50	731.04
पारिश्रमिक एवं कार्मिकों को लाभ	XI	1,101.70	933.27
प्रशासनिक व्यय	XII	111.86	86.99
अनुदान		10.29	16.68
अनुसंधान एवं विकास		107.14	108.75
परिसंपत्तियों का रख-रखाव	XIII	178.64	196.46
प्रशिक्षण खर्च		41.65	16.63
कंप्यूटर खर्च		20.73	17.41
अन्य व्यय	XIV	72.45	52.38
आकस्मिकता के लिए प्रावधान		250.00	250.00
मूल्यह्रास	VIII	187.08	191.17
योग (ख)		**2,755.04**	**2,600.78**
कर से पूर्व वर्ष के दौरान अधिशेष (ग) = (क-ख)		**686.13**	**868.92**
घटाइए : कराधान के लिए प्रावधान			
वर्तमान कर		259.30	246.08
आस्थगित कर	XVI (नोट 8)	(16.95)	37.97
कर के पश्चात् वर्ष के दौरान अधिशेष		**443.78**	**584.87**
घटाइए : विनियोजन			
विशेष आरक्षित		32.10	65.53
सामान्य निधि में ले जाई गई शेष राशि		411.68	519.34
योग (घ) = (ख+ग)		**3,441.17**	**3,469.70**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ जो वित्तीय विवरणों का हिस्सा हैं	XV		
लेखों पर टिप्पणियाँ जो वित्तीय विवरणों का हिस्सा हैं	XVI		

हमारी समसंख्यक तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते केकेसी एंड एसोसिएट्स एलएलपी
सनदी लेखाकार
(पूर्व, खीमजी कुंवरजी एंड को एलएलपी)
फर्म की पंजीकरण सं. 105146W/W100621

हँसमुख बी डेढ़िया
भागीदार
सदस्यता सं.: 033494

स्थान: मुंबई
दिनांक: 04 अगस्त 2022

बोर्ड के लिए और बोर्ड की ओर से

मीनेश सी शाह
अध्यक्ष एवं
कार्यपालक निदेशक

स्थान: आणंद
दिनांक: 04 अगस्त 2022

एस रघुपति
एसजीएम (सीएफएंडपी)

अमित गोयल
उप ग्रुप प्रमुख (लेखा)

नकदी-प्रवाह (कैश फ्लो) विवरण

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष का

मिलियन रुपये में

विवरण	संलग्नक	2021-22		2020-21	
प्रचालन गतिविधियां से नकदी-प्रवाह					
वर्ष के दौरान कर से पूर्व अधिशेष			**686.13**		**868.92**
समायोजन निम्नलिखित के लिए:					
मूल्यह्रास		187.08		191.17	
आकस्मिकता के लिए प्रावधान		250.00		250.00	
निवेशों की बिक्री पर (लाभ)/हानि		(2.43)		(65.92)	
सावधि जमा एवं बांड पर ब्याज आय को अलग माना जाए		(1,780.44)		(1,547.19)	
लाभांश आय को अलग माना जाए		(310.92)		(60.41)	
वित्त वर्ष 2019-20 में पीएफ ट्रस्ट का अतिरिक्त प्रावधान		-		(0.14)	
स्थायी परिसंपत्तियों की बिक्री (लाभ)/हानि को अलग माना जाए		(10.49)		(3.55)	
स्वीकृत परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास की प्रतिपूर्ति		(21.31)		(22.00)	
कर्मचारी सेवा निवृत्ति लाभ		151.98		65.60	
बैंक को देय ब्याज तथा वित्तीय प्रभार		6.91		48.23	
बांड तथा राज्य विकास ऋण पर परिशोधित प्रीमियम		43.71		32.63	
			(1,485.91)		(1,111.58)
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन से पूर्व प्रचालन नकदी-प्रवाह			**(799.78)**		**(242.67)**
वस्तुसूची में (वृद्धि)/कमी		0.49		(0.52)	
विविध देनदारों में (वृद्धि)/कमी		24.31		81.91	
ऋणों एवं अग्रिमों में (वृद्धि)/कमी		960.43		8578.82	
वर्तमान देयताओं में (वृद्धि)/(कमी)		(537.95)		1580.74	
			447.28		10,240.95
प्रचालन गतिविधियों से अर्जित/(प्रयुक्त) नकदी-प्रवाह (क)			**(352.50)**		**9,998.29**
कर वापस किया/(प्रदत)			(277.31)		(305.55)
प्रचालन गतिविधियों से अर्जित/(प्रयुक्त) निवल नकदी-प्रवाह (क)			**(629.81)**		**9,692.74**
निवेश गतिविधियों से नकदी- प्रवाह					
ब्याज से आय		1936.64		1859.07	
लाभांश आय		310.92		60.41	
निवेशों (बॉन्डस) की परिपक्वता से प्राप्त लाभ		351.45		2516.90	
निवेशों की खरीद (शेयर)					
निवेशों की खरीद (बॉन्डस एवं राज्य विकास ऋण)		(1,428.54)		(6,121.48)	
90 दिनों से अधिक बैंकों में रखे एफडीआर में कमी/(वृद्धि) (निवल)		(1,801.05)		(571.12)	
स्थायी परिसंपत्तियों की बिक्री से लाभ		10.58		3.91	
स्थायी परिसंपत्ति की खरीद के लिए प्राप्त अनुदान (अनुदान वापस किया)		(2.86)		-	
स्थायी परिसंपत्ति की खरीद		(98.75)		(138.18)	
निवेश गतिविधियों में अर्जित/(प्रयुक्त) निवल नकदी-प्रवाह (ख)			**(721.61)**		**(2,390.49)**
वित्तीय गतिविधियों से नकदी-प्रवाह					
उधार निधियों की प्राप्ति/(पुन: भुगतान)			318.71		(4,168.40)
बैंकों को देय ब्याज एवं वित्तीय प्रभार			(6.91)		(48.23)
वित्तीय गतिविधियों से निवल नकदी-प्रवाह (ग)			**311.80**		**(4,216.63)**
वर्ष के दौरान निवल नकदी-प्रवाह (क + ख + ग)			**(1,039.62)**		**3,085.62**
वर्ष के आरंभ में नकद एवं नकद समतुल्य			**3,316.67**		**231.05**
वर्ष के अंत में नकद एवं नकद समतुल्य			**2,277.05**		**3,316.67**
बैंकों के पास शेष:					
सावधि जमा			14,324.53		13,700.88
घटाइए: 90 दिनों से अधिक मूल परिपक्वता सहित जमा			12,175.75		10,553.73
			2,148.78		3,147.15
चालू खातों में			128.24		169.49
नकद एवं चेक इन हैंड			0.03		0.03
योग			**2,277.05**		**3,316.67**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ जो वित्तीय विवरणों का हिस्सा हैं	XV				
लेखों पर टिप्पणियाँ जो वित्तीय विवरणों का हिस्सा हैं	XVI				

टिप्पणी: नकदी-प्रवाह विवरण लेखा मानक - 3 के नकदी-प्रवाह विवरण में दिए गए 'अप्रत्यक्ष तरीके' से तैयार किया गया है।

हमारी समसंख्यक तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते केकेसी एंड एसोसिएट्स एलएलपी
सनदी लेखाकार
(पूर्व, खीमजी कुंवरजी एंड को एलएलपी)
फर्म की पंजीकरण सं. 105146W/W100621

हंसमुख बी डेढ़िया
भागीदार
सदस्यता सं.: 033494

स्थान: मुंबई
दिनांक: 04 अगस्त 2022

बोर्ड के लिए और बोर्ड की ओर से

मीनेश सी शाह
अध्यक्ष एवं
कार्यपालक निदेशक

स्थान: आणंद
दिनांक: 04 अगस्त 2022

एस रघुपति
एसजीएम (सीएफएंडपी)

अमित गोयल
उप ग्रुप प्रमुख (लेखा)

एनडीडीबी निधि

संलग्नक - I

मिलियन रुपये में

विवरण		31.03.2022		31.03.2021
सामान्य आरक्षित (टिप्पणी क)				
पूर्व तुलन-पत्र के अनुसार शेष		3,559.61		3,559.61
जोड़िए : अचल संपत्तियों के लिए अनुदान से स्थानांतरित				
स्थायी परिसंपत्तियों के लिए अनुदान (टिप्पणी ख)				
पूर्व तुलन-पत्र के अनुसार शेष	80.57		102.57	
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	2.19		-	
घटाइए : वर्ष के दौरान वापस किया गया अनुदान	5.05		-	
कम: मूल्यह्रास की प्रतिपूर्ति	21.31		22.00	
		56.40		80.57
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36 (1) (viii) के अन्तर्गत विशेष आरक्षित				
पूर्व तुलन पत्र के अनुसार शेष	1,562.22		1,496.69	
जोड़िए : आय एवं व्यय लेखा से अंतरण	32.10		65.53	
		1,594.32		1,562.22
आय-व्यय का लेखा-जोखा				
पूर्व तुलन-पत्र के अनुसार शेष	26,666.48		26,147.14	
जोड़िए: वर्ष के दौरान विनियोजन के बाद अधिशेष	411.68		519.34	
		27,078.16		26,666.48
योग		**32,288.49**		**31,868.88**

टिप्पणी:

क. राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड अधिनियम, 1987 के अनुसार डेरी एवं अन्य कृषि आधारित तथा संबद्ध उद्योगों एवं जैविकों को प्रोत्साहित करना, योजना बनाना एवं कार्यक्रमों का आयोजन करना।

ख. लेखा पद्धति मानक - 12 के अनुरूप - 'सरकारी अनुदानों के लेखे'

सुरक्षित ऋण

संलग्नक - II

मिलियन रुपये में

विवरण	31.03.2022	31.03.2021
बैंक ओवरड्राफ्ट (बैंकों में सावधि जमा पर लीयन के प्रति सुरक्षित)	640.76	5.43
नाबार्ड से ऋण (डीआईडीएफ स्कीम के तहत दिए गए सुरक्षित ऋण)	9,247.27	9,563.89
योग	**9,888.03**	**9,569.32**

वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान

संलग्नक - III

मिलियन रुपये में

विवरण		31.03.2022		31.03.2021	
(क)	**वर्तमान देयताएं**				
	अग्रिम एवं जमा		58.07		45.55
	विविध लेनदार		215.23		166.97
	अन्य देनदारियां		150.79		85.45
	परामर्श परियोजना के कारण निवल देयता				
	प्राप्त निधियाँ	21,918.80		22,900.59	
	जोड़िए : आपूर्तिकर्ताओं को व्यय हेतु देय	1,017.06		1,307.88	
		22,935.86		24,208.47	
	घटाइए : व्यय हुई राशि	19,947.15		20,315.44	
	आपूर्तिकर्ताओं को अग्रिम	117.12		17.74	
		2,871.59		3,875.29	
	जोड़िए : एनडीडीबी को देय (पर कोन्ट्रा, संदर्भ संलग्नक VI)	141.17		198.80	
			3,012.76		4,074.09
(ख)	**भारत सरकार की परियोजनाओं के लिए प्राप्त निधिः**				
	पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष	3,583.16		2,450.74	
	भारत सरकार से प्राप्त निधि	2,956.86		2,323.95	
	जोड़िए : अर्जित ब्याज	19.64		93.33	
	घटाइए : किया गया खर्च	2,377.61		1,224.29	
	घटाइए : अंतिम कार्यान्वयन एजेंसियों को अग्रिम	0.84		60.57	
	घटाइए : एनडीएलएम अंशदान अनुदान में अंतरण	2.19		-	
			4,179.02		3,583.16
(ग)	**निम्नलिखित के लिए प्रावधानः**				
	अनर्जक परिसंपत्तियां (संलग्नक XVI की टिप्पणी 9 देखें)	816.58		1,006.13	
	मानक परिसंपत्तियों पर सामान्य आकस्मिकता (संलग्नक XVI की टिप्पणी 9 देखें)	51.79		54.30	
	आकस्मिकता (संलग्नक XVI की टिप्पणी 9 देखें)	1,497.87		1,055.81	
			2,366.24		2,116.24
(घ)	**निम्नलिखित हेतु प्रावधानः**				
	छुट्टी नकदीकरण (संलग्नक XVI की टिप्पणी 5 देखें)	99.27		148.65	
	सेवा निवृत्ति पश्चात् चिकित्सा योजना (संलग्नक XVI की टिप्पणी 5 देखें)	110.75		111.16	
	उपदान (संलग्नक XVI की टिप्पणी 5 देखें)	40.85		37.64	
	वीआरएस मासिक लाभ	0.02		0.04	
			250.89		297.49
योग			**10,233.00**		**10,368.95**

नकद और बैंक शेष

संलग्नक - IV

मिलियन रुपये में

विवरण	31.03.2022	31.03.2021
बैंकों में शेष		
सावधि जमा में	14,324.53	13,700.88
चालू खाते में	128.24	169.49
	14,452.77	13,870.37
नकद एवं चेक हाथ में	0.03	0.03
योग	**14,452.80**	**13,870.40**

टिप्पणी :

सावधि जमा में निम्नलिखित शामिल हैं

(क) 4,613.92 मिलियन रुपये (पूर्व वर्ष 7,034.07 मिलियन रुपये) की राशि जो ओवरड्राफ्ट सुविधा प्राप्त करने के लिए बैंक के पास रखी है।

(ख) 610.50 मिलियन रुपये (पूर्व वर्ष 716.40 मिलियन रुपये) जो डीआईडीएफ योजना के तहत प्राप्त ऋणों के लिए नाबार्ड के पक्ष में खोले गए डीएसआरए खाते के लिए लीयन के अधीन है।

(ग) बैंक गारंटी अंतर राशि 0.05 मिलियन रुपये (पूर्व वर्ष 0.05 मिलियन रुपये) शामिल है।

(घ) भारत सरकार की परियोजनाओं के लिए 3,702.40 मिलियन रुपये (पूर्व वर्ष 3,054.34 मिलियन रुपये) की निधि प्राप्त हुई।

(ङ) एनडीएलएम परियोजना के लिए निर्धारित एनडीएलएम परियोजना में एनडीडीबी का शेयर 506.48 मिलियन रुपये है।

चालू खाते में भारत सरकार की परियोजनाओं के लिए 110.55 मिलियन रुपये (पूर्व वर्ष 142.88 मिलियन रुपये) निधि प्राप्त हुई।

वस्तु सूची

संलग्नक - V

मिलियन रुपये में

विवरण	31.03.2022	31.03.2021
स्टोर्स, स्पेयर्स और अन्य	1.67	2.16
परियोजना उपकरण	3.19	3.19
	4.86	5.35
घटाइए : अप्रचलन के लिए प्रावधान	4.31	4.31
	0.55	1.04
योग	**0.55**	**1.04**

ऋण, अग्रिम और अन्य वर्तमान संपत्ति

संलग्नक - VI

मिलियन रुपये में

विवरण	31.03.2022		31.03.2021	
सहकारी संस्थाओं को ऋण				
दूध – सुरक्षित (निम्नलिखित नोट क एवं ख देखें)	10,575.43		10,367.27	
असुरक्षित	48.25		960.78	
		10,623.68		11,328.05
तेल (उपार्जित ब्याज सहित)– असुरक्षित		805.03		945.03
सहायक कंपनियों/प्रबंधित इकाइयों को दिए गए ऋण एवं अग्रिम				
सुरक्षित (निम्नलिखित नोट क एवं ख देखें)	1,343.96		1,377.63	
असुरक्षित	523.27		529.10	
		1,867.23		1,906.73
कार्मिकों को ऋण				
सुरक्षित	0.20		0.27	
असुरक्षित	8.02		5.85	
		8.22		6.12
उपार्जित ब्याज पर –				
ऋण एवं अग्रिम	5.05		4.92	
सावधि जमा एवं निवेश	636.09		792.28	
		641.14		797.20
आपूर्तिकर्ताओं एवं ठेकेदारों को दिए गए अग्रिम		22.30		8.44
टर्नकी परियोजनाओं के लेखे पर वसूली योग्य				
(प्रति कॉन्ट्रा, संलग्नक III देखें)		141.17		198.80
विविध जमा		17.76		17.33
आयकर जमा (प्रावधानों का निवल)		766.05		748.04
अन्य प्राप्तियां		154.19		10.62
योग		**15,046.77**		**15,966.36**

टिप्पणी :

(क) सुरक्षित ऋण परिसंपत्तियों के रेहन और/अथवा स्टॉक/परिसंपत्तियों के बंधन में रक्षित हैं।

(ख) सुरक्षित ऋण में 8,301.42 मिलियन रुपये (पूर्व वर्ष 7,878.55 मिलियन रुपये) डीआईडीएफ स्कीम के तहत दिए गए।

निवेश

संलग्नक - VII

मिलियन रुपये में

विवरण	31.03.2022		31.03.2021	
दीर्घकालीन निवेश (लागत पर):				
सहायक कंपनियों में इक्विटी शेयर (अनकोटेड):				
मदर डेरी फ्रूट एन्ड वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड (एमडीएफवीपीएल)	2,500.00		2,500.00	
आईडीएमसी लिमिटेड (आईडीएमसी)	283.90		283.90	
इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड (आईआईएल)	90.00		90.00	
एनडीडीबी डेरी सर्विसेज (एनडीएस)	2,000.00		2,000.00	
		4,873.90		4,873.90
सरकारी कंपनियों, वित्तीय संस्थाओं और बैंकों के बॉन्ड (कोटेड) (लागत पर)		11,125.03		11,241.34
(बैलेंस शीट की तारीख के अनुसार बांड का कुल बाजार मूल्य 11,122.49 मिलियन रुपये (पिछले वर्ष 11,205.02 मिलियन रुपये) है)				
राज्य विकास ऋण (कोटेड) (लागत पर)		5,295.98		4,143.84
(तुलन पत्र की तारीख के अनुसार राज्य विकास ऋणों का कुल बाजार मूल्य 5,387.76 मिलियन रुपये (पिछले वर्ष 4,297.67 मिलियन रुपये) है)				
सहकारी संस्थाओं और महासंघों में शेयर (अनकोटेड)	19.00		19.00	
घटाइए : निवेश मूल्य में कमी के लिए प्रावधान	0.10		0.10	
		18.90		18.90
योग		**21,313.81**		**20,277.98**

संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण

संलग्नक - VIII

मिलियन रुपये में

विवरण	सकल कोष्ठ (लागत पर)				मूल्य ह्रास				निवल कोष्ठ	
	01.04.2021 को	जोड़िए	कटौतियाँ / (समायोजन)	31.03.2022 को	01.04.2021 को	वर्ष के लिए	कटौतियाँ / (समायोजन)	31.03.2022 को	31.03.2022 को	01.04.2021 को
पूर्ण स्वामित्व (फ्रीहोल्ड) भूमि (टिप्पणी 1 से 3 देखें)	456.45	0.00	0.00	456.45	0.00	0.00	0.00	0.00	456.45	456.45
पट्टाधृत (लीज़ होल्ड) भूमि	64.16	0.00	0.00	64.16	14.55	0.77	0.00	15.32	48.84	49.61
भवन और सड़कें	2,012.53	0.55	0.50	2,012.58	1,178.42	52.13	0.40	1,230.15	782.43	834.11
संयंत्र और मशीनरी	53.82	0.00	0.00	53.82	53.29	0.21	0.00	53.50	0.32	0.53
विद्युतीय स्थापन	186.50	4.27	0.48	190.29	136.35	8.69	0.48	144.56	45.73	50.15
फर्नीचर, कंप्यूटर्स एवं अन्य उपकरण	1,064.91	40.62	11.67	1,093.86	808.51	82.40	11.67	879.24	214.62	256.40
सॉफ्टवेयर लाइसेंस	241.18	17.54	0.00	258.72	214.55	21.67	0.00	236.22	22.50	26.63
रेल दूध टैंकर्स	371.06	10.60	9.02	372.64	236.97	19.58	9.02	247.53	125.11	134.09
वाहन	22.40	1.80	1.20	23.00	19.48	1.63	1.20	19.91	3.09	2.92
योग	**4,473.01**	**75.38**	**22.87**	**4,525.52**	**2,662.12**	**187.08**	**22.77**	**2,826.43**	**1,699.09**	**1,810.89**
पूर्व वर्ष	***4,355.47***	***142.75***	***25.21***	***4,473.01***	***2,495.80***	***191.17***	***24.85***	***2,662.12***	***1,810.89***	***1,859.67***
पूँजी अग्रिम सहित पूँजीगत कार्य प्रगति पर है									35.40	12.03
कुल स्थायी परिसंपत्तियाँ									**1,734.49**	**1,822.92**

टिप्पणियाँ :

1. तमिलनाडु सरकार से मुँहपका खुरपका रोग नियंत्रण परियोजना से संबंधित भूमि हस्तान्तरण द्वारा प्राप्त की गई है जिसका मूल्य 0.39 मिलियन रुपये है।
2. पूर्ण स्वामित्व (फ्री होल्ड) भूमि में 17.94 मिलियन रुपये राशि की ऑयल टैंक फार्म, नरेला की भूमि सम्मिलित है, जिसे स्थायी लीज़ पर प्राप्त किया गया है और जिसके लिए अभी लीज़ डीड का निष्पादन करना बाकी है।
3. कृषि एवं बागवानी विभाग, कर्नाटक सरकार से प्राप्त जमीन का मूल्य 65.98 मिलियन रुपये है जो कन्नामंगला हार्टीकल्चर फार्म में सहायक कंपनी मदर डेरी फ्रूट एण्ड वेजिटेबल प्राईवेट लिमिटेड के नाम है। जमीन के टाइटल का हस्तांतरण अभी लंबित है।

सेवा प्रभार

संलग्नक - IX

मिलियन रुपये में

विवरण	2021-22	2020-21
प्रशिक्षण शुल्क	6.90	1.07
अधिप्राप्ति एवं तकनीकी सेवा शुल्क	112.01	112.65
परीक्षण प्रभार	107.98	90.75
परामर्श एवं साध्यता (फीजिबिलिटी) अध्ययन से शुल्क	1.66	0.49
रॉयल्टी एवं प्रक्रिया जानकारी शुल्क	1.22	1.27
योग	**229.77**	**206.23**

अन्य आय

संलग्नक - X

मिलियन रुपये में

विवरण	2021-22	2020-21
स्थायी परिसंपत्तियों की बिक्री पर लाभ (निवल)	10.49	3.55
निवेशों की बिक्री पर लाभ	2.43	65.92
अन्य ब्याज से आय	31.67	29.82
अतिरिक्त प्रावधान तथा एनपीए का प्रतिलेखन	2.65	3.69
स्वीकृत परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास की प्रतिपूर्ति	21.31	22.00
विविध आय	18.96	85.78
योग	**87.51**	**210.76**

कार्मिकों को पारिश्रमिक और लाभ

संलग्नक - XI

मिलियन रुपये में

विवरण	2021-22	2020-21
वेतन और मजदूरी (अनुग्रह शुल्क सहित)	852.48	729.37
भविष्य निधि, अधिवर्षिता निधि तथा उपदान राशि में योगदान	185.77	116.15
स्टाफ कल्याण व्यय	63.45	87.75
योग	**1,101.70**	**933.27**

पारिश्रमिक में अनुसंधान एवं विकास व्यय के भाग के रूप में इंगित 24.88 मिलियन रुपये (पूर्व वर्ष : 23.95 मिलियन रुपये) की राशि शामिल नहीं है।

प्रशासनिक व्यय

संलग्नक - XII

मिलियन रुपये में

विवरण	2021-22	2020-21
मुद्रण एवं लेखन सामग्री	3.85	3.13
संचार प्रभार	8.68	9.77
लेखा परीक्षा शुल्क एवं व्यय (कर सहित)		
लेखा परीक्षा शुल्क	0.98	0.87
आयकर लेखा परीक्षा	0.27	0.27
वस्तु एवं सेवा कर लेखा परीक्षा	0.00	0.21
अन्य सेवाओं के लिए शुल्क	0.00	0.00
आऊट ऑफ पॉकेट व्यय	0.02	0.01
	1.27	1.36
विधि शुल्क	3.85	4.93
व्यावसायिक शुल्क	10.90	14.58
वाहन व्यय	2.61	1.67
भर्ती व्यय	0.25	0.04
विज्ञापन व्यय	5.69	2.32
यात्रा एवं वाहन व्यय	43.35	21.45
बिजली एवं किराया	27.38	24.55
अन्य प्रशासनिक व्यय	4.03	3.19
योग	**111.86**	**86.99**

परिसंपत्तियों का अनुरक्षण

संलग्नक - XIII

मिलियन रुपये में

विवरण	2021-22	2020-21
मरम्मत एवं अनुरक्षण		
भवन	112.31	130.30
अन्य	55.47	55.54
दर एवं कर	8.45	8.12
बीमा	2.41	2.50
योग	**178.64**	**196.46**

अन्य व्यय

संलग्नक - XIV

मिलियन रुपये में

विवरण	2021-22	2020-21
प्रीमियम परिशोधन	43.71	32.64
पूर्व अवधि के व्यय	0.59	1.68
अन्य व्यय	28.15	18.06
योग	**72.45**	**52.38**

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां, जो वित्तीय विवरणों का हिस्सा है

संलग्नक - XV

1. तैयारी का आधार

वित्तीय विवरण, ऐतिहासिक लागत परिपाटी तथा भारत में सामान्य तौर पर स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों (''जीएएपी'') के साथ-साथ इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टेड एकाउन्टैन्ट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी बोर्ड पर लागू लेखांकन मानकों का प्रयोग करते हुए संग्रहण आधार पर तैयार किए गए हैं। वित्तीय विवरणों को, जब तक अन्यथा न कहा जाए, भारतीय रुपए के निकटतम पूर्णांकित दस लाख में प्रदर्शित किया गया है।

2. आंकलन का प्रयोग

जीएएपी के अनुरूप वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए प्रबंधन को आकलन तथा पूर्वानुमान करना पड़ता है जो परिसंपत्तियों तथा देयताओं, राजस्व तथा खर्च और वित्तीय विवरणों की तारीख के अनुसार आकस्मिक देयताओं के प्रकटीकरण की सूचित राशियों को प्रभावित करते हैं। ऐसे आंकलन तथा पूर्वानुमान, प्रबंधन के वित्तीय विवरण की तारीख पर संबंधित तथ्यों और परिस्थितियों के मूल्याँकन पर आधारित हैं। प्रबंधन का यह मानना है कि वित्तीय विवरणों को तैयार करने में प्रयुक्त आंकलन विवेकपूर्ण एवं उचित है; हालांकि, वास्तविक परिणाम इस आकलन से भिन्न हो सकते हैं जिन्हें वर्तमान तथा भविष्य की अवधियों में भविष्यलक्षी प्रभाव से मान्यता प्राप्त है। ऐसे आकलनों में कोई भी परिवर्तन वर्तमान तथा भविष्य की अवधि में भविष्यलक्षी प्रभाव से मान्य हैं।

3. परिसंपत्तियों का वर्गीकरण तथा प्रावधान

सार्वजनिक वित्तीय संस्था होने के नाते एनडीडीबी परिसंपत्तियों के वर्गीकरण के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दिशा-निर्देशों का पालन करती है 'जोकि व्यवस्थित रूप से महत्त्वपूर्ण गैर बैंकिंग वित्तीय (नॉन डिपॉजिट एक्सेप्टिंग अथवा होल्डिंग) कंपनी प्रुडेन्शियल नार्म, 2015 पर लागू है'। अनर्जक एवं मानक परिसंपत्तियों के लिए प्रावधान बोर्ड द्वारा अनुमोदित दरों पर किया गया है।

4. राजस्व मान्यता

मानक परिसंपत्तियों पर ब्याज आय में आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार संग्रहण के आधार पर मान्यता दी गई है। अनर्जक परिसंपत्तियों पर ब्याज आय, लागू दिशा-निर्देशों के अनुरूप वर्गीकृत हैं। प्राप्ति पर उनका नकद आधार पर हिसाब रखा गया है।

बैंक के साथ सावधि जमा एवं बांड्स में निवेश पर ब्याज आय को आनुपातिक समय आधार पर मान्यता दी गई है।

सहकारिता आदि की सेवाओं से आय को आनुपातिक पूरा होने के आधार पर तथा सम्बद्ध अनुबंध की शर्तों के अनुसार मान्य किया गया है।

दूध पण्य वस्तुओं की बिक्री का हिसाब परिवहन के समय पर्याप्त जोखिम और ईनाम के आधार पर पण्यवस्तुओं की गोदाम से प्रेषण की तारीख पर किया जाता है।

लाभांश आय का हिसाब आय प्राप्त होने के बिना शर्त अधिकार स्थापित होने पर किया गया है।

अन्य आय को तब मान्यता दी जाती है जब इसके अंतिम संग्रहण में कोई अनिश्चितता नहीं होती।

5. अनुदान

क) स्थायी परिसंपत्तियों से संबंधित अनुदानों को आरंभ में सामान्य निधि के अंतर्गत स्थायी परिसंपत्तियों के लिए अनुदान में क्रेडिट किया जाता है। इस राशि को आय तथा व्यय लेखा में व्यवस्थित आधार पर, इसी प्रकार की स्थायी परिसंपति के उपयोगी जीवन पर परिसंपत्ति के मूल्यह्रास को प्रतिपूर्ति के आधार पर मान्यता दी जाती है।

ख) वर्ष के दौरान प्राप्त राजस्व अनुदानों को आय तथा व्यय लेखे में मान्यता दी जाती है।

ग) विशिष्ट परियोजनाओं के लिए प्राप्त अनुदान को परियोजना निधि में क्रेडिट किया जाता है तथा इन परियोजनाओं के लिए धन वितरण में इसका उपयोग किया जाता है।

6. अनुसंधान एवं विकास व्यय

अनुसंधान एवं विकास व्यय को (अधिगृहीत स्थायी परिसंपत्तियों की लागत के अलावा) वर्ष में व्यय के रूप में प्रभारित किया गया है। अनुसंधान तथा विकास के लिए उपयोग की गई स्थायी परिसंपत्तियाँ जिनका अन्य जगह उपयोग हो सकता है उनका बोर्ड की नीति के अनुसार उनके उपयोगी जीवन के बाद मूल्यह्रास किया जाता है।

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां, जो वित्तीय विवरणों का हिस्सा है

संलग्नक - XV

7. कर्मचारी लाभ

क) परिभाषित योगदान योजनाः भविष्य निधि तथा अधिवार्षिता निधि में योगदान पूर्व निर्धारित दर पर किया जाता है तथा उसे आय और व्यय लेखे में प्रभारित किया जाता है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा निर्धारित दर और राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड कर्मचारी भविष्य निधि योजना के वास्तविक आय के बीच यदि कोई कमी है, तो बोर्ड द्वारा आय और व्यय खाते में डेबिट के रूप में योगदान दिया जाता है।

ख) परिभाषित लाभ योजनाएंः उपदान, मुआवजा अनुपस्थिति तथा सेवा निवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ योजनाएं प्रक्षेपित इकाई क्रेडिट पद्धति का प्रयोग करते हुए बोर्ड की देयताएं निर्धारित की जाती हैं जिसमें प्रत्येक सेवा अवधि को गिना जाता है जिससे लाभ हकदारी की अतिरिक्त इकाई में वृद्धि होती है तथा अंतिम दायित्व को निर्धारित करने के लिए प्रत्येक इकाई को अलग से मापा जाता है। बीमांकिक लाभ तथा हानियाँ जो स्वतंत्र बीमांकिक द्वारा वार्षिक तौर पर की जाती हैं, बीमांकिक मूल्यांकन पर आधारित हैं, उन्हें तुरंत आय तथा व्यय लेखा में आय अथवा व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है। दायित्व को, छूट दर का प्रयोग करते हुए, अनुमानित भविष्य के नकद प्रवाह के वर्तमान मूल्य पर मापा गया है। इनका निर्धारण तुलन पत्र की तारीख पर भारत सरकार के बांड पर बाजार लाभ के संदर्भ में किया जाता है, जहाँ सरकारी बॉन्डों की वैधता अवधि तथा शर्तें परिभाषित लाभ दायित्व की वैधता अवधि और अनुमानित शर्तों के अनुरूप हैं।

अनुपस्थिति क्षतिपूर्तिः बोर्ड की कर्मचारियों के लिए अनुपस्थिति क्षतिपूर्ति लाभ हेतु एक योजना है जिसकी देयता वर्ष के अंत में किए गए बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित की जाती है।

बोर्ड ने भारतीय जीवन बीमा निगम की ग्रुप ग्रैच्यूटी सह लाइफ एशोरेन्स योजना में प्रतिभागिता द्वारा उपदान के पक्ष में इनकी देयताओं को वित्त पोषण प्रदान किया है।

8. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) तथा मूल्यह्रास

मूर्त स्थायी परिसंपत्तियों को मूल्यह्रास तथा क्षति हानि घटा कर लागत पर लिया जाता है। लागत में खरीद का मूल्य, आयात शुल्क तथा अन्य गैर वापसी कर अथवा उगाही तथा ऐसी कोई प्रत्यक्ष अपसामान्य लागत शामिल होती है जो परिसंपत्ति पर उसके अपेक्षित इस्तेमाल के लिए तैयार करने हेतु खर्च की जाती है।

प्रत्येक 10,000 रुपये से अधिक की लागत वाली पीपीई पर मूल्यह्रास बोर्ड द्वारा निर्धारित दरों पर सीधी रेखा पद्धति के आधार पर प्रभारित किया जाता है। परिसंपत्ति के पूँजीकरण के वर्ष में पूरा मूल्याह्रास प्रभारित किया जाता है तथा उसके निपटान के वर्ष में मूल्यह्रास प्रभारित नहीं किया जाता। 10,000 रुपये तथा उससे कम राशि की प्रत्येक परिसंपत्ति को क्रय के वर्ष में 100 प्रतिशत मूल्यह्रास किया जाता है। बोर्ड द्वारा विभिन्न श्रेणी की परिसंपत्तियों के लिए अनुमोदित मूल्यह्रास दरें नीचे दी गई हैंः-

परिसंपत्तियां	दर (% में)
फैक्टरी भवन, गोदाम तथा रोड	4.00
अन्य भवन	2.50
कोल्ड स्टोरेज	15.00
विद्युत स्थापन	5.00
कम्प्यूटर (सॉफ्टवेयर सहित)	33.33
कार्यालय तथा प्रयोगशाला उपकरण	15.00
संयंत्र तथा मशीनरी	10.00
सौर उपकरण	30.00
फर्नीचर	10.00
वाहन	20.00
रेल दूध टैंकर	10.00

पट्टे पर ली गई जमीन का पट्टे की अवधि तक एमोर्टाइज किया गया है। पट्टे पर ली गई जमीन पर स्थित परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास पट्टे की अवधि से कम होगा या उस परिसंपत्ति की उपयोगी जीवन से कम होगी।

स्थापन/निर्माणाधीन पूँजीगत परिसंपत्तियों को तुलनपत्र में 'पूँजीगत कार्य प्रगति पर' के रूप में दिखाया गया है।

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां, जो वित्तीय विवरणों का हिस्सा है

संलग्नक - XV

9. परिसंपत्तियों की हानि

प्रत्येक तुलनपत्र की तारीख पर, परिसंपत्तियों के रखाव मूल्य की परिसंपत्तियों की हानि के लिए समीक्षा की जाती है। यदि इस प्रकार की हानि होने का कोई संकेत मिलता है, तो ऐसी परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाया जाता है और हानि को मान्य किया जाता है, यदि इन परिसंपत्तियों के रख रखाव की राशि वसूली योग्य राशि से अधिक है। वसूली योग्य राशि शुद्ध बिक्री मूल्य तथा उनके उपयोग के मूल्य से अधिक है। उपयोग मूल्य को, उनके वर्तमान मूल्य में से भविष्य के नकद प्रवाह में छूट के आधार पर निकाला जाता है जो उपयुक्त छूट घटक पर आधारित होती है। जब ऐसा संकेत हो कि लेखा अवधियों से पूर्व किसी परिसंपत्ति के लिए मान्य क्षति हानि अब विद्यमान नहीं है अथवा कम हो गई होगी तो अपसामान्य हानि के ऐसे परिवर्तन को आय तथा व्यय लेखा में मान्यता दी जाती है।

10. निवेश

दीर्घकालीन निवेशों को निम्न प्रकार से मूल्यांकित किया गया है:

क) सहायक कंपनियों, सहकारिताओं तथा महासंघों के शेयर – अधिग्रहण की लागत पर;

ख) सरकारी कंपनियों, वित्तीय संस्थाओं तथा बैंकों में डिबेंचर/बांड – राज्य विकास ऋण – अधिग्रहण की लागत पर शुद्ध परिशोधित प्रीमियम, यदि कोई हो।

वर्तमान निवेशों को कम लागत अथवा बाजार मूल्य पर निर्धारित किया गया है।

दीर्घकालिक निवेशों को लागत पर निर्धारित किया गया है। यदि अंकित मूल्य से लागत मूल्य अधिक होता है तो अंतर्निहित प्रतिभूति की शेष परिपक्वता अवधि पर प्रीमियम को परिशोधित किया जाता है। इस प्रकार के निवेश का उल्लेख तुलनपत्र में कम परिशोधित प्रीमियम अधिग्रहण मूल्य पर किया गया है।

वर्ष के दौरान किए गए निवेशों के मूल्य में, अस्थायी के अलावा अन्य कमी हेतु प्रावधान कमी का मूल्यांकन किए जाने वाले वर्ष में किया गया है।

11. वस्तुसूची

स्टोर तथा परियोजना उपकरण सहित वस्तु सूचियों को लागत पर अथवा शुद्ध नकदीकरण मूल्य, जो भी कम हो, पर मूल्यांकित किया गया है। लागत को प्रथम आवक, प्रथम जावक आधार पर निकाला गया है। जहाँ कहीं आवश्यक है वहाँ अप्रचलन के लिए प्रावधान किया गया है।

12. विदेशी मुद्रा लेन-देन

विदेशी मुद्रा का लेन-देन, लेन देन की तारीख पर प्रचलित विनिमय दर पर अभिलिखित किया जाता है।

विदेशी मुद्रा में मूल्यांकित मुद्रा संबंधी वस्तुएं तथा जो तुलन पत्र की तारीख में बकाया हैं उन्हें वर्ष के अंत में प्रचलित विनिमय दर पर परिवर्तित किया जाता है। गैर-मौद्रिक मदों को ऐतिहासिक लागत पर लिया जाता है।

विदेशी मुद्रा लेन-देन में होने वाले विनिमय अन्तर को उनके सामने आने वाली अवधि में आय एवं व्यय के रूप में मान्यता दी गई है।

13. स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना का लेखांकन

अनुग्रह राशि सहित स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना की लागत, कर्मचारी के सेवा वियोजन अवधि में आय तथा व्यय लेखे में प्रभारित की जाती है। स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना लेने वाले कर्मचारियों के लिए, कर्मचारियों की सेवा वियोजन अवधि में मासिक लाभ योजना हेतु प्रावधान किया गया है तथा इसका समायोजन भुगतान मिलने पर किया जाता है।

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां, जो वित्तीय विवरणों का हिस्सा है

संलग्नक - XV

14. आय पर कर

वर्तमान कर, वर्ष के दौरान कर योग्य आय पर देय है जिसका निर्धारण आयकर अधिनियम 1961 के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है।

आस्थगित कर समय के अंतर पर मान्य है, यह कर योग्य आय तथा लेखा आय का वह अंतर है जो एक अवधि से उत्पन्न होता है तथा एक अथवा अधिक अनुवर्ती अवधि में परिवर्तन योग्य है।

अनवशोषित मूल्यह्रास तथा अग्रेनीत हानियों के संबंध में आस्थगित कर परिसंपत्तियों को मान्य किया गया है यदि यह आभासी निश्चितता है कि ऐसे कर घाटों को दूर करने के लिए भविष्य की पर्याप्त कर योग्य आय उपलब्ध होगी। अन्य आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ मान्य हैं जब यदि यथोचित निश्चितता हो कि ऐसी परिसंपत्तियों की वसूली के लिए भविष्य में पर्याप्त कर योग्य आय होगी।

15. पट्टे

पट्टा व्यवस्थाएं, जहाँ परिसंपत्ति के स्वामित्व का प्रासंगिक जोखिम और ईनाम पर्याप्त रूप से पट्टेदाता पर निहित है, उन्हें प्रचालन पट्टे के रूप में मान्यता दी गई है। प्रचालित पट्टे के अंतर्गत पट्टा किराया को पट्टा अनुबंधों के संदर्भ में आय एवं व्यय लेखे के रूप में मान्यता दी गई है।

16. प्रावधान तथा आकस्मिकताएं

पूर्व घटनाओं के परिणामस्वरूप जब बोर्ड के पास वर्तमान दायित्व होता है तो उस समय प्रावधान को मान्यता दी जाती है तथा यह संभावित है कि दायित्व के निपटान के लिए संसाधनों का बर्हिगमन अपेक्षित होगा, जिसके संबंध में एक विश्वसनीय अनुमान बनाया जा सकता है। प्रावधानों (सेवानिवृत्ति लाभों को छोडकर) को उनके वर्तमान मूल्य में छूट नहीं दी जाती है तथा इन्हें तुलन पत्र की तारीख में दायित्व का निपटान करने के लिए अपेक्षित अनुमान के आधार पर निर्धारित किया जाता है। इनकी प्रत्येक तुलनपत्र की तारीख पर समीक्षा की जाती है तथा वर्तमान सर्वश्रेष्ठ अनुमान प्रतिबिंबित करने के लिए समायोजित किया जाता है। आकस्मिक देयताओं का खुलासा लेखा पर टिप्पणियों में किया गया है।

बोर्ड ने वर्ष 2001-02 के पूर्व के ऋणों तथा अन्य परिसंपत्तियों के संबंध में प्रावधान किया है। अंतर्निहित परिसंपत्तियों के संचालन के आधार पर जिनके लिए ऐसे प्रावधान का सृजन किया गया था, बोर्ड पहचानी गई घटनाओं के आधार पर ऐसे प्रावधानों का पुनः आवंटन/प्रतिलेखन करता है। तदनुसार, बोर्ड अपनी परिसंपत्तियों के मूल्य में संभावित मूल्यह्रास अथवा ऐसी देयता हेतु अप्रत्याशित घटनाओं के लिए वर्तमान आकस्मिक प्रावधान के संबंध में अतिरिक्त प्रावधान अथवा आवंटन करता है।

लेखा से संबंधित नोट्स जो वित्तीय विवरणों का हिस्सा है

संलग्नक - XVI

1 संबंधित प्राधिकारियों के अनुरोध पर, एनडीडीबी पश्चिम असम दूध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड, झारखंड राज्य सहकारी दूध उत्पादक संघ लिमिटेड, शाहजहांपुर महिला दूध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड का प्रबंधन कर रही है। और जिला दूध उत्पादक सहकारी संघ, वाराणसी (वाराणसी दूध संघ)। ये पृथक और स्वतंत्र संस्थाएं हैं और उनके बही खातों का रखरखाव संबंधित अधिकारियों द्वारा किया जाता है और अलग से उनकी लेखा परीक्षा की जाती है। इसके अलावा, संबंधित अधिकारियों के साथ परिचर्चा के अनुसार, बोर्ड केवल वाराणसी दूध संघ के प्रबंधन को सौंपते समय शुद्ध नकदी हानि को वहन करने के लिए उत्तरदायी है। वाराणसी दूध संघ के साथ समझौता ज्ञापन की अवधि के अंत में प्रबंधन को सौंपते समय नकद हानि, यदि कोई हो, के लिए आवश्यक प्रावधान किया जाएगा।

2 राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन (NDLM) राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) के तहत पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD) और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के मध्य एक संयुक्त उद्यम (गत) के रूप में एक परियोजना है और भारत सरकार और एनडीडीबी प्रत्येक के 50% इक्विटी योगदान के साथ एक स्पेशल परपज व्हीकल (SPV) का गठन किया जाएगा।

जब तक ऐसी एसपीवी का गठन नहीं हो जाता, तब तक एनडीएलएम परियोजना राजस्व और व्यय (i) एनडीडीबी के शेयर के लिए क्रमशः एनडीडीबी के आय और व्यय खाते में जमा/डेबिट किया गया है और (ii) भारत सरकार के शेयर के लिए, इसे एनडीडीबी की 'भारत सरकार की परियोजनाओं के लिए प्राप्त निधि' में समायोजित किया गया है। जहां तक, एनडीएलएम परियोजना के पूंजीगत व्यय का संबंध है, (iii) एनडीडीबी का शेयर बही खातों में पूरी तरह पूंजीकृत है और मूल्यह्रास एनडीडीबी के आय और व्यय खाते में प्रभारित किया जाता है और (iv) भारत सरकार के शेयर के लिए, इसे 'अचल परिसंपत्तियों के लिए अनुदान' में स्थानांतरित कर दिया जाता है और उस सीमा तक मूल्यह्रास की वार्षिक आधार पर भरपाई की जाती है। प्रगति पर पूंजीगत कार्य ('CWIP') के लिए, (v) एनडीडीबी का शेयर एनडीडीबी के 'CWIP' के अंतर्गत दिखाया गया है और (vi) भारत सरकार के शेयर के अंतर्गत, इसे 'भारत सरकार की परियोजनाओं के लिए प्राप्त निधि' के तहत दिखाया गया है।

3 आकस्मिक देयताएं :

3.1. मूल राशि के दावे जो ऋण के रूप में नहीं माने गए : 234.95 मिलियन रुपये (पूर्व वर्ष : 232.73 मिलियन रुपये)

3.2. बकाया गारंटी: 0.05 मिलियन रुपये (पूर्व वर्ष : 0.05 मिलियन रुपये)

3.3. आयकर की मांग (संबंधित सांविधिक प्रावधानों के अंतर्गत देय ब्याज एवं जुर्माने को छोडकर) 1145.14 मिलियन रुपये (पूर्व वर्ष : 1078.02 मिलियन रुपये)

3.4. सेवा कर मांग 916.50 मिलियन रुपये (पूर्व वर्ष : 916.50 मिलियन रुपये)

3.5. अन्य माँगे

मिलियन रुपये में

विवरण	प्राधिकरण	2021-22	2020-21
भूमि देय राशि का निपटान	भूमि एवं भूमि सुधार विभाग, सिलीगुड़ी	3.94	3.94
इटोला की भूमि के लिए नगरपालिका कर की मांग	तालुका विकास अधिकारी, वडोदरा	4.73	4.73

बोर्ड ने 3.3 से 3.5 में उपर्युक्त उल्लिखित मांगों को उपयुक्त फोरम के समक्ष चुनौती दी है। उक्त संबंध में नकद प्रवाह केवल निर्णय का परिणाम/उस फोरम का फैसला आने पर निर्धारित करने योग्य है, जहाँ मांगों को चुनौती दी गई है।

4 खण्ड जानकारी:

एनडीडीबी राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड अधिनियम, 1987 के अंतर्गत गठित एक निगमित निकाय है। अधिनियम में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार, एनडीडीबी की सभी गतिविधियाँ डेरी/कृषि क्षेत्र के इर्द-गिर्द घूमती हैं जो लेखा मानक-17 के अनुसार ''खण्ड रिपोर्टिंग'' पर एकल रिपोर्ट करने योग्य खंड है।

लेखा से संबंधित नोट्स जो वित्तीय विवरणों का हिस्सा है

संलग्नक - XVI

5 लेखा मानक 15 (संशोधित 2005) के अनुसार कर्मचारी लाभों से संबंधित प्रकटीकरण निम्नलिखित हैः-

कर्मचारी लाभ योजनाएं

परिभाषित अंशदान योजनाएं

कंपनी योग्य कर्मचारियों के लिए परिभाषित अंशदान योजनाओं के अंतर्गत भविष्य निधि तथा अधिवर्षिता निधि में अंशदान देती है। इन योजनाओं के अंतर्गत, कंपनी को पे-रोल लागत का एक विशेष प्रतिशत इन लाभों को धन प्रदान करने के लिए देना अपेक्षित है। कंपनी ने लाभ एवं हानि विवरण में भविष्य निधि अंशदान के लिए 70.12 मिलियन रुपये (31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष में 64.68 मिलियन रुपये) तथा अधिवर्षिता निधि अंशदान में 46.51 मिलियन रुपये (31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष में 43.20 मिलियन रुपये) मान्य किए है। कंपनी द्वारा इन योजनाओं के लिए देय योगदान की राशि, इन योजनाओं के नियमों में विनिर्दिष्ट दर पर दी जाती है।

परिभाषित लाभ योजनाएं

कंपनी अपने कर्मचारियों को निम्नलिखित लाभ योजनाएं प्रदान करती हैः

i. उपदान

ii सेवा निवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ योजना (पीआरएमबीएस)

iii छुट्टी नकदीकरण

निम्नलिखित तालिका में परिभाषित लाभ योजनाओं को प्रदान निधि की स्थिति तथा वित्तीय विवरण में मान्य राशि दर्शाई गई हैः

मिलियन रुपये में

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष			31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष		
	उपदान	सेवा निवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ योजनाएं (पीआरएमबीएस)	छुट्टी नकदीकरण	उपदान	सेवा निवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ योजनाएं (पीआरएमबीएस)	छुट्टी नकदीकरण
नियोक्ता खर्च के घटक						
चालू सेवा लागत	33.62	0.83	37.89	31.30	-	35.69
ब्याज लागत	30.98	7.50	36.59	30.33	5.47	35.24
योजित परिसंपत्तियों पर संभावित प्रतिलाभ	(28.44)	-	(26.56)	(29.78)	-	(27.34)
वास्तविक (लाभ)/हानि	32.11	(4.51)	26.44	(23.47)	27.94	(25.11)
आय और व्यय विवरण में चिह्नित कुल व्यय	**68.27**	**3.82**	**74.36**	**8.38**	**33.41**	**18.48**
वर्ष के लिए वास्तविक अंशदान तथा लाभ भुगतान						
वास्तविक लाभ भुगतान	(43.23)	(4.23)	(32.51)	(28.48)	(3.26)	(25.75)
वास्तविक योगदान	65.07	-	123.74	1.96	-	(1.54)
तुलनपत्र में मान्य निवल परिसंपत्ति/(देयता)						
परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	(513.59)	(110.75)	(615.36)	(458.98)	(111.16)	(542.14)
योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	472.74	-	516.09	421.34	-	393.49
तुलनपत्र में मान्य निवल परिसंपत्ति/(देयता)	**(40.85)**	**(110.75)**	**(99.27)**	**(37.64)**	**(111.16)**	**(148.65)**
वर्ष के दौरान परिभाषित लाभ दायित्वों (डीबीओ) में परिवर्तन						
वर्ष के आरंभ में डीबीओ का वर्तमान मूल्य	458.98	111.16	542.14	449.30	81.01	522.08
वर्तमान सेवा लागत	33.62	0.83	37.89	31.30	-	35.68
ब्याज लागत	30.98	7.50	36.59	30.33	5.47	35.24
वास्तविक (लाभ)/हानि	33.24	(4.51)	31.25	(23.47)	27.94	(25.11)
प्रदत्त लाभ	(43.23)	(4.23)	(32.51)	(28.48)	(3.26)	(25.75)
वर्ष के अंत में डीबीओ का वर्तमान मूल्य	**513.59**	**110.75**	**615.36**	**458.98**	**111.16**	**542.14**

लेखा से संबंधित नोट्स जो वित्तीय विवरणों का हिस्सा है

संलग्नक - XVI

मिलियन रुपये में

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष			31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष		
	उपदान	सेवा निवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ योजनाएं (पीआरएमबीएस)	छुट्टी नकदीकरण	उपदान	सेवा निवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ योजनाएं (पीआरएमबीएस)	छुट्टी नकदीकरण
वर्ष के दौरान परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन						
वर्ष के आरंभ में योजित परिसंपत्तियाँ	421.34	-	393.49	418.09	-	393.45
अधिग्रहण समायोजन	-	-	-	-	-	-
योजित परिसंपत्तियों पर संभावित लाभ	28.44	-	26.56	29.77	-	27.33
वास्तविक कंपनी योगदान (उपदान ट्रस्ट/ एनडीडीबी और एलआईसी द्वारा कटौती किए गए शुल्क को छोड़कर दिया गया योगदान)	65.07	-	123.74	1.96	-	(1.54)
बीमांकिक लाभ/(हानि)	1.12	-	4.81	-	-	-
प्रदत्त लाभ	(43.23)	-	(32.51)	(28.48)	-	(25.75)
वर्ष के अंत में योजित परिसंपत्तियाँ	**472.74**	**-**	**516.09**	**421.34**	**-**	**393.49**
योजित परिसंपत्तियों पर वास्तविक लाभ	28.44	-	-	29.78	-	-
योजित परिसंपत्तियों के घटक इस प्रकार हैः						
सरकारी बांड	-	-	-	50%	-	50%
पीएसयू बांड	-	-	-	45%	-	45%
इक्विटी एवं इक्विटी संबंधी निवेश	-	-	-	5%	-	5%
अन्य	100%	-	100%	0%	-	0%
वास्तविक धारणाएं						
छूट दर	7.00%	7.00%	7.00%	6.75%	6.75%	6.75%
योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित लाभ	7.56%	लागू नहीं	7.28%	7.62%	लागू नहीं	7.37%
वेतन वृद्धि	8.50%	5.00%	8.50%	8.50%	3.00%	8.50%
क्षयण (एट्रीशन)	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%
चिकित्सा मुद्रास्फीति	लागू नहीं	5.00%	लागू नहीं	लागू नहीं	बी1 के लिए 5%, बी2 एवं बी3 के लिए 3%	लागू नहीं
मृत्यु तालिका	भारतीय आश्वासित जीवन (2012-14) अंतिम मृत्यु दर	भारतीय आश्वासित जीवन (2012-14) अंतिम मृत्यु दर	भारतीय आश्वासित जीवन (2012-14) अंतिम मृत्यु दर	भारतीय आश्वासित जीवन (2012-14) अंतिम मृत्यु दर	भारतीय आश्वासित जीवन (2012-14) (आईएएलएम 2012-14) अंतिम मृत्यु दर एवं भारतीय व्यक्तिगत वार्षिक वेतन अंतिम मृत्यु तालिका (2012-15)	भारतीय आश्वासित जीवन (2012-14) अंतिम मृत्यु दर

लेखा से संबंधित नोट्स जो वित्तीय विवरणों का हिस्सा है

संलग्नक - XVI

अनुभव समायोजन

मिलियन रुपये में

विवरण	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17
उपदान						
डीबीओ का वर्तमान मूल्य	513.59	458.98	449.30	389.45	357.02	362.20
योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	(472.74)	(421.34)	(418.09)	(371.87)	(341.48)	(329.18)
वित्त पोषित स्थिति [अधिशेष/(घाटा)]	(40.85)	(37.64)	(31.21)	(17.58)	(15.54)	(33.02)
सेवा निवृत्ति पश्चात चिकित्सा लाभ योजना (पीआरएमबीएस)						
डीबीओ का वर्तमान मूल्य	110.75	111.16	81.01	69.98	71.19	73.38
अन्य परिभाषित लाभ योजनाएं (छुट्टी नकदीकरण)						
डीबीओ का वर्तमान मूल्य	615.36	542.14	522.08	419.02	379.07	366.17
योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	(516.09)	(393.49)	(393.45)	-	-	-
वित्त पोषित स्थिति [अधिशेष/(घाटा)]	(99.27)	(148.65)	(128.63)	-	-	-

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
लंबी अवधि की प्रतिपूरक अनुपस्थिति की बीमांकिक पूर्वधारणाएं		
छूट दर	7.00%	6.75%
उपदान योजित परिसंपत्तियों पर संभावित प्रतिलाभ	7.56%	7.62%
योजित अवकाश नकदीकरण परिसंपत्ति पर संभावित प्रतिलाभ	7.28%	7.37%
वेतन वृद्धि	8.50%	8.50%
क्षयण (एट्रीशन)	1.00%	1.00%

छूट दर कर्तव्यों की अनुमानित अवधि के लिए तुलन पत्र की तारीख के अनुसार भारत सरकार की प्रतिभूतियों के मौजूदा बाजार लाभ पर आधारित हैं।

भविष्य की वेतन वृद्धियों के अनुमान में मुद्रास्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति, वेतन वृद्धि तथा अन्य सम्बद्ध घटकों को माना गया है।

बोर्ड द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान किए जाने वाले योगदान निर्धारित नहीं किए गए हैं।

6 लेखा मानक 18 के अनुसार 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए संबंधित पार्टी तथा उनसे लेन-देन का प्रकटीकरण

क) संबंधित पार्टी तथा उनका संबंध

1) पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियाँ

आईडीएमसी लिमिटेड
इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड
मदर डेरी फ्रूट एण्ड वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड
एनडीडीबी डेरी सर्विसिस
प्रिस्टीन बायोलॉजिकल्स (न्यूजीलैंड) लिमिटेड (इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)

2) अन्य उद्यम जहाँ प्रबन्ध तंत्र का उनके प्रबन्धन में महत्वपूर्ण प्रभाव है

पश्चिम असम दूध उत्पादक सहकारी संघ लि.
पशु प्रजनन अनुसंधान संगठन (भारत)
आनन्दालय शिक्षा सोसाइटी
झारखंड राज्य सहकारी दूध उत्पादक महासंघ लि.
शाहजहांपुर महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि.
एनडीडीबी फाउंडेशन फॉर न्यूट्रीशन
वाराणसी दूध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड

3) महत्वपूर्ण प्रबंधन कार्मिक

श्री मीनेश शाह — कार्यपालक निदेशक 02 मई 2019 से
श्री मीनेश शाह — अध्यक्ष 24 जून 2021 से

लेखा से संबंधित नोट्स जो वित्तीय विवरणों का हिस्सा है

संलग्नक - XVI

संबंधित पार्टियों के साथ लेन-देन

(इटेलिक में दिये गए आँकड़े पिछले वर्ष के हैं।)

मिलियन रुपये में

विवरण	ब्याज से आय	स्थायी संपत्तियों की खरीद	लाभांश	किराया (आय)	अन्य आय	अनुदान	अन्य व्यय	चालू खाते का शेष बकाया डे./(क्रे.)	वितरित ऋण	चुकाया ऋण/समायोजित		ऋण शेष बकाया डे./(क्रे.)
										मूल	ब्याज	
सहायक कम्पनियां												
आईडीएमसी लिमिटेड	27.59	-	24.29	0.70	0.12	-	3.36	0.03	6.25	93.67	27.59	374.27
	35.03	-	*24.29*	*0.59*	*0.11*	-	*0.04*	*0.05*	*11.96*	*71.98*	*35.03*	*461.69*
इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड	54.51	-	36.00	27.16	0.38	-	3.45	(0.87)	382.18	323.32	54.51	893.28
	67.23	-	*36.00*	*26.65*	*0.17*	-	*5.20*	*5.28*	*581.45*	*812.75*	*67.23*	*834.41*
मदर डेरी फ्रूट एण्ड वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड	4.71	-	250.00	123.08	3.19	-	-	28.79	504.71	504.71	4.71	-
	140.91	-	-	*125.46*	*3.18*	-	-	*44.20*	*1,140.91*	*4,640.91*	*140.91*	-
एनडीडीबी डेरी सर्विसिस	-	-	-	6.80	2.14	-	-	1.48	-	55.40	-	473.70
	-	-	-	*4.42*	*0.55*	-	-	*0.19*	-	*40.50*	-	*529.10*
योग	**86.81**	**-**	**310.29**	**157.74**	**5.83**	**-**	**6.81**	**29.43**	**893.14**	**977.10**	**86.81**	**1,741.25**
	243.17	**-**	***60.29***	***157.12***	***4.01***	**-**	***5.24***	***49.72***	***1,734.32***	***5,566.14***	***243.17***	***1,825.20***

मिलियन रुपये में

विवरण	ब्याज से आय	स्थायी संपत्तियों की खरीद	लाभांश	किराया (आय)	अन्य आय	अनुदान	अन्य व्यय	चालू खाते का शेष बकाया डे./(क्रे.)	वितरित ऋण	चुकाया ऋण/समायोजित		ऋण शेष बकाया डे./(क्रे.)
										मूल	ब्याज	
अन्य उद्यम जहां प्रबंधन का उनके प्रबंधन पर महत्वपूर्ण प्रभाव है												
पश्चिम असम दूध उत्पादक सहकारी संघ लि.	0.96	-	-	0.30	1.78	-	0.19	(3.99)	16.39	2.14	0.96	30.77
	1.07	-	-	*0.07*	*0.51*	-	*0.10*	*0.45*	*42.81*	*48.22*	*1.07*	*16.52*
पशु प्रजनन अनुसंधान संगठन	3.76	-	-	-	3.46	-	-	14.71	3.76	23.11	3.76	45.64
	3.85	-	-	-	*3.50*	-	-	*13.15*	*18.85*	*8.85*	*3.85*	*65.00*
आनन्दालय शिक्षा सोसाइटी	-	-	-	(0.88)	-	-	0.04	0.08	-	-	-	-
	-	-	-	*0.92*	-	-	*0.02*	*0.16*	-	-	-	-
झारखंड राज्य सहकारी दूध उत्पादक महासंघ लिमिटेड	-	-	-	0.09	0.86	-	-	0.83	-	-	-	-
	-	-	-	-	0.13	-	-	(0.07)	-	-	-	-
वाराणसी दूध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड	-	-	-	-	-	-	-	-	49.57	-	-	49.57
	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग	**4.72**	**-**	**-**	**(0.49)**	**6.10**	**-**	**0.23**	**11.63**	**69.72**	**25.25**	**4.72**	**125.98**
	4.92	**-**	**-**	***0.99***	***4.14***	**-**	***0.12***	***13.69***	***61.66***	***57.07***	***4.92***	***81.52***

लेखा से संबंधित नोट्स जो वित्तीय विवरणों का हिस्सा है

संलग्नक - XVI

प्रमुख प्रबंधन कार्मिकों को पारिश्रमिक

	(मिलियन रुपये में)
श्री मीनेश शाह	5.67
	4.66
योग	**5.67**
	4.66

7 लेखा मानक 19 के अनुसार, 'लीज़'(पट्टे) का प्रकटीकरण (संदर्भ संलग्नक VIII):

निम्नलिखित परिसंपत्तियों के लिए बोर्ड के द्वारा पट्टादाता (लेसर) के रूप में लीज व्यवस्था संचालन:

क) पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों की प्रकृति

मिलियन रुपये में

परिसंपत्तियों की श्रेणी	31 मार्च 2022 को परिसंपत्तियों का सकल मूल्य	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	31 मार्च 2022 को संचित मूल्यह्रास
भवन एवं रोड#	1633.00	42.57	1035.54
	1629.79	*42.92*	*990.22*
बिजली स्थापन#	30.86	1.00	27.13
	30.86	*1.00*	*26.12*
फर्नीचर, फिक्स्चर, कंप्यूटर्स एवं कार्यालय उपकरण	8.88	0.00	8.88
	7.92	*0.10*	*7.92*
रेल दूध टैंकर	345.49	16.55	242.30
	348.45	*16.89*	*226.45*
योग	**2018.23**	**60.12**	**1313.85**
	2017.02	***60.91***	***1250.71***

स्टाफ क्वार्टर तथा कोल्ड स्टोरेज शामिल हैं।

(इटैलिक में लिखे गए आंकड़े पिछले वर्ष के हैं।)

पट्टेदाता (लीज़ी) को पूर्व नोटिस देकर इन व्यवस्थाओं को रद्द किया जा सकता है।

(ख) लीज़ प्रबंधों से संबंधित आरंभिक प्रत्यक्ष लागत को लीज़ प्रबंध के वर्ष के आय एवं व्यय लेखा में प्रभारित किया गया है।

(ग) महत्वपूर्ण लीज़ प्रबंध:

अनुबंध के नवीनीकरण अथवा निरस्तीकरण के विकल्प के साथ, उपर्युक्त सभी परिसंपत्तियों को सहायक कंपनियों, महासंघों तथा अन्य को लीज़ पर दिया गया है।

लेखा से संबंधित नोट्स जो वित्तीय विवरणों का हिस्सा है

संलग्नक - XVI

8 आस्थगित कर परिसंपत्तियों को लेखा मानक 22 - 'आय पर कर गणना' के अनुसार माना गया है। विवरण इस प्रकार है :

मिलियन रुपये में

विवरण	1 अप्रैल 2021 को आरंभिक शेष	वर्ष के दौरान समायोजन	31 मार्च 2022 को अंत शेष
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ/(देयताएं):			
मूल्यह्रास	(22.69)	5.69	(17.00)
	(19.84)	*(2.85)*	*(22.69)*
भुगतान के आधार पर स्वीकार्य व्यय	133.03	18.54	151.57
	152.95	*(19.93)*	*133.02*
उपदान	9.47	0.81	10.28
	7.85	*1.62*	*9.47*
स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना	0.01	0.00	0.01
	0.33	*(0.32)*	*0.01*
विशेष आरक्षित निधि	(393.18)	(8.08)	(401.26)
	(376.68)	*(16.49)*	*(393.17)*
योग	**(273.36)**	**16.96**	**(256.40)**
	(235.39)	***(37.97)***	***(273.36)***

(इटैलिक में लिखे गए आंकड़े पिछले वर्ष के हैं।)

नोट:

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के परिपत्र सं. आरबीआई/2013-14/412 डीबीओडी सं.बीपी.बीसी.77/21.04.018/2013-14 दिनांक 20 दिसंबर 2013 में बोर्ड ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36 (1) (viii) के तहत विशेष रिजर्व पर आस्थगित कर दायित्व सृजित किया है।

9 लेखा मानक 29 के अनुसार- 'प्रावधान, आकस्मिक देयताओं तथा आकस्मिक परिसंपत्तियों का प्रकटीकरण' निम्न प्रकार है:

मिलियन रुपये में

विवरण	अलाभकर परिसंपत्तियाँ (एनपीए)	मानक परिसंपत्तियों पर सामान्य आकस्मिकता	आकस्मिकता
आरम्भिक शेष	1,006.13	54.30	1,055.81
	1,039.59	*90.58*	*736.07*
वर्ष के दौरान आकस्मिकता से निर्मित	0.45	-	2.06
	0.34	-	*35.94*
वर्ष के दौरान आकस्मिकता हेतु निर्मित	-	-	250.00
	-	-	*250.00*
वर्ष के दौरान वापस किया गया/संचालन	(190.00)	(2.51)	190.00
	(33.80)	*(36.28)*	*33.80*
अंत शेष	**816.58**	**51.79**	**1,497.87**
	1,006.13	***54.30***	***1,055.81***

(इटैलिक में लिखे गए आंकड़े पिछले वर्ष के हैं।)

लेखा से संबंधित नोट्स जो वित्तीय विवरणों का हिस्सा है

संलग्नक - XVI

10 31 मार्च 2022 तक एनडीडीबी प्रबंधन द्वारा संकलित की गई जानकारी के आधार पर 13.92 मिलियन रुपये (पूर्व वर्ष 30.07 मिलियन रुपये) का बकाया था और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के अंतर्गत सूक्ष्म एवं लघु उद्यम के रूप में वर्गीकृत प्रविष्टियों का कोई बकाया देय नहीं था।

11 ऋण और अग्रिम से ब्याज में 811.86 मिलियन रूपये (पिछला वर्ष 1,232.97 मिलियन रुपये) और लंबी अवधि से 1,249.95 मिलियन रुपये (पिछला वर्ष 932.00 मिलियन रुपये) शामिल हैं।

12 सभी लाभांश दीर्घावधि निवेश से प्राप्त होते हैं।

13 गत वर्ष के आँकड़ें आवश्यकतानुसार पुनः समूहित/पुनः व्यवस्थित किए गए हैं।

हमारी समसंख्यक तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते केकेसी एंड एसोसिएट्स एलएलपी
सनदी लेखाकार
(पूर्व, खीमजी कुंवरजी एंड को एलएलपी)
फर्म की पंजीकरण सं. 105146W/W100621

हँसमुख बी डेढ़िया
भागीदार
सदस्यता सं.: 033494

स्थान: मुंबई
दिनांक: 04 अगस्त 2022

बोर्ड के लिए और बोर्ड की ओर से

मीनेश सी शाह
अध्यक्ष एवं
कार्यपालक निदेशक

स्थान: आणंद
दिनांक: 04 अगस्त 2022

एस रघुपति
एसजीएम (सीएफएंडपी)

अमित गोयल
उप ग्रुप प्रमुख (लेखा)

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड के अधिकारी

प्रधान कार्यालय, आणंद

अध्यक्ष एवं कार्यपालक निदेशक

मीनेश सी शाह
बीएससी (डीटी), पीजीडीआरडीएम

अध्यक्ष का कार्यालय

टी वी बालासुब्रमण्यम
वरिष्ठ प्रबंधक, बीकॉम, एलएलबी (सामान्य)

राजेश कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक, बीए (इको.), पीजीडीआरएम

कार्यपालक निदेशक का कार्यालय

वी के लधानी
उप महाप्रबंधक, एमकॉम, एसएएस (कॉम), आईसीडब्ल्यूए (इंटर)

निकित बंसल
प्रबंधक, बीकॉम, सीए

समन्वय प्रकोष्ठ - सरकारी योजनाएं (सीसी-जीएस)

नवीन कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक, एमएससी (एनवीएससी), एमटेक (एनवीएससी एवं इंजीनियरिंग), एमएससी (एनवी मॉड एवं एमजीएमटी), पीजीडीएमएक्स-आर

हेमाली भारती
प्रबंधक, बीई (पावर इलेक्ट), एमबीए (वित्त)

चंद्रशेखर के डाखोले
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच, एमवीएससी (एएन), पीजीडीएम (आरएम-एक्स)

नवाचार एवं परियोजना प्रबंधन (आईपीएम) प्रकोष्ठ

निरंजन एम कराडे
वरिष्ठ प्रबंधक, बीई (मेक.), पीजीडीआरएम

संदीप भारती
प्रबंधक, बीएससी, पीजीडीडीएम

मुकेश आर पटेल
प्रबंधक, बीएससी, एमएससी (एग्री.)

राजेश सिंह
प्रबंधक, बीसीए, पीजीडीएम (विपणन एवं वित्त)

के बी प्रताप
प्रबंधक, बीआईबीएफ (इंट बिजनेस), पीजीडीडीएम

विनय ए पटेल
प्रबंधक, बीटेक (बायोमेड), एमबीए (विपणन)

भीमाशंकर शेटकर
प्रबंधक, बीई (प्रोड.), पीजीडीआरडीएम

प्रकाशकुमार ए पांचाल
प्रबंधक, बीटेक (डीटी), एमएससी (आईसीटी-एआरडी)

पशुधन एवं खाद्य विश्लेषण तथा अध्ययन केंद्र (काफ)

राजेश नायर
निदेशक, बीएससी, एमएससी (एने. केम.), पीएचडी (रसायन)

राजीव चावला
वरिष्ठ वैज्ञानिक, बीएससी, एमएससी (पशु पोषण), पीएचडी (पशु पोषण), एमबीए (विपणन)

एस के गुप्ता
वैज्ञानिक ।।।, एमएससी (कृषि)

स्वागतिका मिश्रा
वैज्ञानिक ।।, बीएससी (बॉट), एमएससी (माइक्रो)

दर्श के वोराह
प्रबंधक, बीएससी (माइक्रो), एमएससी (एनवी साइंस), सर्टि. जीआईएस, पीजीडीएम (आरएम-एक्स)

आर पी डोडामणि
प्रबंधक, बीकॉम, एलएलबी

अमोल एस खाडे
वैज्ञानिक ।।, बीवीएससी एवं एएच, एमवीएससी (पशु आनु. एवं प्रजनन)

ज्ञानेश्वर आर शिंदे
वैज्ञानिक ।, बीटेक (डीटी), एमटेक (डेरी केम)

हृदय बी दर्जी
वैज्ञानिक ।, बीटेक (डीटी), एमटेक (डीटी)

स्वाति एस पाटिल
वैज्ञानिक ।, बीएससी (फूड टेक एवं एमजीएमटी), एमएससी (फूड टेक)

पुदोता रोहित कुमार
वैज्ञानिक ।, बीएससी (केम), एमएससी (फूड केम)

कर्मराज आर जैसवार
वैज्ञानिक ।, बीएससी, एमएससी (माइक्रोबायोलॉजी), जैव सूचना विज्ञान में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

निहिर हितेशकुमार सोनी
वैज्ञानिक ।, बीई (खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी), एमटेक (खाद्य सुरक्षा एवं क्यूएम)

कैलाश चंद्र बेहरा
वैज्ञानिक ।, एमएससी (खाद्य एवं पोषण विज्ञान)

वर्षा शर्मा
वैज्ञानिक ।, बीवीएससी एवं एएच, एमवीएससी (पोषण)

नितय यादव
वैज्ञानिक ।, बीटेक (बायोटेक), एमटेक (केमिकल टेक)

मानव संसाधन एवं प्रशासन

ललित प्रसाद करन
वरिष्ठ महाप्रबंधक, बीएससी, पीजीडीपीएम

सहकारिता प्रशिक्षण

अशोक कुमार गुप्ता
महाप्रबंधक, एमएससी (एग्री.), पीजीसीएचआरएम

गुलशन कुमार शर्मा
वरिष्ठ प्रबंधक, बीए, डिप्लोमा (होटल प्रबंधन)

अनिंदिता बैद्य
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी (बॉटनी), पीजीडीआरडी

आर मजूमदार
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी (एग्री.), पीजीडीआरएम

टी प्रकाश
प्रबंधक, एमए (डेव एडमिन), पीजीडीएम (आरएम-एक्स)

राहुल आर
प्रबंधक, बीटेक (सीएस), एमबीए (सिस्टम)

सुनीतकुमार वी गौतम
उप प्रबंधक, बीई (मेक.), पीजीडीआरएम

मानव संसाधन विकास

एस एस गिल
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी (जियो), एमएसडब्ल्यू, पीएचडी (एसडब्ल्यू), डिप्लोमा (प्रशिक्षण एवं विकास)

मोहन चंदर जे
वरिष्ठ प्रबंधक, बीई (मेक.), एमटेक (एचआरडी)

राकेश बी
प्रबंधक, बीए, एमएसडब्ल्यू, पीजीडी-एचआरएम

समीर डुंगडुंग
प्रबंधक, बीकॉम, पीजीडीएम-एचआरएम

प्राची जैन
उप प्रबंधक, बीबीए (सामान्य व्यवसाय प्रबंधन), एमएचआरएम

प्रशासन

एस एस व्यास
वरिष्ठ प्रबंधक, बीकॉम, एलएलबी, एमएलएस

डी सी परमार
प्रबंधक, एमकॉम, एलएलबी (सामान्य), एमएसडब्ल्यू, पीजीडीएचआरएम

जनार्दन मिश्र
प्रबंधक, एमए (हिंदी), एमफिल (अनुवाद प्रौद्योगिकी), हिंदी जनसंपर्क एवं संचार में पीजीडी

मानसिंह प्रशिक्षण संस्थान, महेसाणा

हितेंद्र सिंह राठौड़
प्रबंधक, डीईई

दुष्यंत देसाई
प्रबंधक, बीटेक (डीटी)

कॉर्पोरेट वित्त एवं क्रय

एस रघुपति
वरिष्ठ महाप्रबंधक, एमकॉम, आईसीडब्ल्यूए, पीजीडीआरडीएम

वित्त

संजय कुमार गुप्ता
महाप्रबंधक, बीई (इलेक्ट्रिकल), एमबीए (वित्त)

चिंतन खाखरियावाला
वरिष्ठ प्रबंधक, बीई (केम), एमबीए (वित्त)

कल्पेशकुमार जे पटेल
वरिष्ठ प्रबंधक, बीबीए, एमकॉम, आईसीडब्ल्यूए, सीएस

चंदन सिंह
प्रबंधक, बीएससी (जू.), पीजीडीएम (विपणन एवं वित्त)

रोहन बी बुच
प्रबंधक, बीकॉम, एमबीए (वित्त)

चांदनी सी पटेल
प्रबंधक, बीकॉम, पीजीडीबीएम (ई-कॉम), एमबीए (वित्त)

शिल्पा पी बेहरे
प्रबंधक, बीएमएस, पीजीडीआरएम

क्रय

एस गोस्वामी
महाप्रबंधक, बीई (मेक.), पीजीडीआरडीएम

धारा एन लखानी
उप महाप्रबंधक, एमकॉम, एसीएमए

सौगत भार
वरिष्ठ प्रबंधक, बीई (मेक.)

नरेंद्र एच पटेल
वरिष्ठ प्रबंधक, बीई (मेक.)

कृष्णा एसवाई
वरिष्ठ प्रबंधक, बीई (मेक.), एमटेक (उत्पादन प्रबंधन)

मो. नसीम अख्तर
वरिष्ठ प्रबंधक, बीई (मेक.)

भद्रसिंह जे गोहिल
वरिष्ठ प्रबंधक, बीई (मेक.)

नीलेश के पटेल
प्रबंधक, बीई (उत्पादन)

अमोल एम जाधव
प्रबंधक, बीई (मेक.)

निधि त्रिवेदी
प्रबंधक, बीएससी (बॉट), एमएसडब्ल्यू

हिमांशु के रत्नोत्तर
प्रबंधक, बीई (उत्पादन), पीजीडी (ऑप. प्रबंधन)

वी सुदर्शन
उप प्रबंधक, बीई (मैकेनिकल)

लेखा

अमित गोयल
वरिष्ठ प्रबंधक, बीकॉम, सीए

पी वी सुब्रह्मण्यम
प्रबंधक, बीबीएम, एमबीए (वित्त)

आशुतोष के मिश्रा
प्रबंधक, बीएससी (ई एवं आई), पीजीडीबीए (वित्त)

आर अरुमुगम
प्रबंधक, एमकॉम

रश्मि प्रतीश
प्रबंधक, एमकॉम, आईसीडब्ल्यूएआई

संजय नंदी
प्रबंधक, बीकॉम, आईसीडब्ल्यूएआई

दीपेन आर शाह
उप प्रबंधक, बीबीए, एमबीए (वित्त), आईसीडब्ल्यूएआई

विजय कुमार
उप प्रबंधक, बीकॉम, सीए

हार्दी बी टाकोलिया
उप प्रबंधक, बीकॉम, सीए

उत्पादकता वृद्धि

आर ओ गुप्ता
वरिष्ठ महाप्रबंधक, बीवीएससी, एमवीएससी (मेड)

पशु प्रजनन

जी किशोर
महाप्रबंधक, बीवीएससी, एमएससी (डेरी, पशु आनु. एवं प्रजनन)

एस गोरानी
उप महाप्रबंधक, बीवीएससी, एमवीएससी (वेट. गायनेक एवं ऑब्स्टेट्रिक्स), पीजीडीएमएम

सुजीत साहा
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी (एग्री.), एमएससी (डेरी), पीएचडी (पशु आनु. एवं प्रजनन), एमबीए, पीजीडीआईएम

एन जी नाई
वरिष्ठ प्रबंधक, बीवीएससी, एमवीएससी (पशु आनु.), पीएचडी (पशु आनु. एवं प्रजनन)

पराग आर पंड्या
वरिष्ठ प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच, एमबीए (एचआरएम)

वी पी भोसले
वरिष्ठ प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच, एमवीएससी (मेड)

समता डे
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच, एमवीएससी (वेटी गायनेक एवं ऑबस्ट)

ए सुधाकर
प्रबंधक, बीवीएससी, एमवीएससी, पीएचडी (पशु प्रजनन)

रनमल एम अम्बालिया
प्रबंधक, बीई (कम्प्यू. इंजीनियरिंग), पीजीडीएम (आरएम-एक्स)

स्वप्निल जी गज्जर
प्रबंधक, बीवीएससी, एमवीएससी (पशु आनु. एवं प्रजनन)

कृष्णा एम बेउरा,
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच, एमबीए (ग्रामीण प्रबंधन)

शिराज एम शेरसिया
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच, एमबीए (कृषि व्यवसाय)

सुरभि गुप्ता
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच, पीजीडीआरएम

अतुल सी महाजन
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच, एमवीएससी (पशु आनु. एवं प्रजनन), पीएचडी (पशु आनु. एवं प्रजनन)

सिद्धार्थ एस लायक
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच, एमवीएससी (एलपीएम), पीएचडी (एलपीएम)

करुप्पनासामी के
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच,
एमवीएससी (वेट. गायनेक एवं ऑब्स्टेट्रिक्स)

संकेत प्रकाश पाटिल
उप प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच,
एमवीएससी (पशु प्रजनन गायनेक एवं ऑब्स.)

असम पशुधन विकास एजेंसी (एएलडीए), गुवाहाटी

पंकज देवरी
प्रबंधक, बीवीएससी,
एमवीएससी (पशु आनु. एवं प्रजनन)

पशु पोषण

ए के श्रीवास्तव
उप महाप्रबंधक, एमएससी (एग्री.)

राजेश शर्मा
वरिष्ठ प्रबंधक, एमएससी (एग्री.),
पीएच.डी. (एग्रो)

दिग्विजय सिंह
वरिष्ठ प्रबंधक, एमएससी (एग्री.), पीएचडी (एग्रो)

एन आर घोष
वरिष्ठ प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच,
एमएससी (पशु पोषण)

पंकज एल शेरसिया
वैज्ञानिक ।।।, बीवीएससी,
एमवीएससी (पशु पोषण), पीएचडी (पशु पोषण)

सैकत सामंता
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच,
एमवीएससी (पशु पोषण)

भूपेंद्र टी फोंदबा
वैज्ञानिक ।।, बीवीएससी एवं एएच,
एमवीएससी, पीएचडी (पशु पोषण)

चंचल वाघेला
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच,
एमवीएससी (एएन)

विनोद उइके
प्रबंधक, बीएससी (एग्री.),
एमएससी (एग्रोनोमी)

अलका चौधरी
प्रबंधक, बीएससी (एच) (एग्री.),
एमएससी (एग्रोनोमी)

अभय सिहाग
उप प्रबंधक, बीटेक (एग्री. इंजीनियरिंग)

पशु स्वास्थ्य

ए वी हरि कुमार
उप महाप्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच,
एमवीएससी (माइक्रो)

पंकज दत्ता
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच,
एमवीएससी (माइक्रो)

श्रॉफ सागर आई
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच,
एमवीएससी (माइक्रो), पीजीडीएमएक्स-आर

संदीप कुमार दाश
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच,
एमवीएससी (माइक्रो), पीएचडी (वेट माइक्रो)

एनडीडीबी अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला, हैदराबाद

पोनन्ना एन एम
वैज्ञानिक ।।।, बीएससी (कृषि),
एमएससी (माइक्रो), पीएचडी (बायोटेक)

लक्ष्मी नारायण सारंगी
वैज्ञानिक ।।, बीवीएससी एवं एएच, एमवीएससी
(वेट. माइक्रो), पीएचडी (वेट. वायरोलॉजी)

के एस एन एल सुरेंद्र
वैज्ञानिक ।।, बीएससी, एमएससी (बायोटेक)

अमितेश प्रसाद
वैज्ञानिक ।।, बीवीएससी एवं एएच,
एमवीएससी (वेट. माइक्रो)

विजय एस बहेकर
वैज्ञानिक ।।, बीवीएससी एवं एएच,
एमवीएससी (वेट. माइक्रो)

राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन

एस के राणा
महाप्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच,
एमवीएससी (माइक्रो), पीएचडी (माइक्रो)

आर के श्रीवास्तव
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी (गणित),
पीजीडीसीए, एमसीए

बी वसंत नाइक
प्रबंधक, बीटेक (सीएस आईटी), एमटेक (सीएसई)

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी

एवी रामचंद्र कुमार
महाप्रबंधक, बीई (कम्प्यू. इंजीनियरिंग), पीजीडीएम

एस करुणानिधि
वरिष्ठ प्रबंधक, डीईई, सीआईसी

आर के जादव
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी (भौ.), एमसीए, पीजीडीएम

सुप्रिय सरकार
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी (गणित),
एमसीए, पीजीडीएमएक्स-आर

विपुल गोंडलिया
वरिष्ठ प्रबंधक, बीई (इलेक्ट्रॉनिक्स)

बी सेंथिल कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी, पीजीडीसीए,
बीएड, एमसीए, एमबीए

रीतेश के चौधरी
वरिष्ठ प्रबंधक, बीई (कम्प्यू. एससी),
पीजीडीबीएम, पीजीडीएम (आरएम-एक्स)

राकेश आर मनिया
प्रबंधक, बीई (ईसीई)

मितेश सी पटेल
प्रबंधक, बीई (आईटी)

अनिल एम अदरोजा
प्रबंधक, बीई (आईटी)

अशोक कुमार साहनी
प्रबंधक, बीई (सीएसई)

सोहेल ए पठान
प्रबंधक, बीई (आईटी), एमई (सीएसई)

जे वाई बारोट
प्रबंधक, बीटेक (कम्प्यू. इंजीनियरिंग)

उदय भास्कर चिप्पड़ा
उप प्रबंधक, बीटेक (सीएसई)

निकिता आर मेस्वानिया
उप प्रबंधक, बीई (कम्प्यू.)

तुषार साहेबराव पाटिल
उप प्रबंधक, बीई (कम्प्यू.)

विधि

चंडका टीवीएस मूर्ति
महाप्रबंधक, बीकॉम, बीएल, एलएलएम,
पीजीडी (परिवहन प्रबंधन),
पीजीडी (साइबर लॉ एवं आईपीआर)

पल्लवी ए जोशी
प्रबंधक, बीकॉम, एलएलबी

अभियांत्रिकी, गुणवत्ता एवं संयंत्र प्रबंधन

संतोष सिंह
महाप्रबंधक, बीटेक (सिविल)

अभियांत्रिकी सेवाएं

जी एस सर्वरायुडु
उप महाप्रबंधक, बीटेक (सिविल)

वी श्रीनिवास
उप महाप्रबंधक, बीई (सिविल)

एस चंद्रशेखर
उप महाप्रबंधक, बीई (मेक.)

एस तालुकदार
उप महाप्रबंधक, बीई (मेक.), एमआई

जसबीर सिंह
उप महाप्रबंधक, बीटेक (एग्री. इंजीनियरिंग),
एमटेक (पोस्ट हार्वेस्ट टेक)

चंद्र प्रकाश
उप महाप्रबंधक, बीटेक (मेक.)

पी रमेश
वरिष्ठ प्रबंधक, बीई (मेक.), पीजीसीपीएम

के एस पटेल
वरिष्ठ प्रबंधक, बीई (सिविल),
एमबीए (एचआरडी एवं वित्त)

शैलेन्द्र मिश्र
वरिष्ठ प्रबंधक, डिप्लो. (सिविल), डिप्लो.(कॉन्स्ट. टेक)

मिहिर बी बगरिया
वरिष्ठ प्रबंधक, डीसीई, बीई (सिविल), एमबीए (वित्त)

सचिन गर्ग
प्रबंधक, बीई (इलेक्ट.), पीजीडीबीए

मनोज गोठवाल
प्रबंधक, बीई (सिविल)

सुब्रता चौधरी
प्रबंधक, डीसीई, एएमआईई (सिविल)

धवल ए पांचाल
प्रबंधक, बीई (इलेक्ट.)

भूषण पी कापशीकर
प्रबंधक, बीई (सिविल)

डी बी लालचंदानी
प्रबंधक, बीई (मेक.), एमबीए (ऑपरेशन)

सुनंद कुमार एन
प्रबंधक, बीटेक (मेक.), एमटेक (मैट. एससी. एवं टेक)

निकेश वी मोरे
प्रबंधक, बीई (इंस्ट्रू एवं कंट्रोल इंजीनियरिंग)

पी बालाजी
प्रबंधक, बीई (सिविल)

श्रेयस जैन
प्रबंधक, बीई (इलेक्ट.)

आदित्य शर्मा
प्रबंधक, बीटेक (सिविल), एमटेक (सीपीएम)

अभिषेक गुप्ता
प्रबंधक, बीई (मेक.)

प्रकाश ए मकवाना
प्रबंधक, बीई (इलेक्ट.)

सतेंद्र सिंह गुर्जर
प्रबंधक, बीई (मेक.)

बिभाष बिस्वास
प्रबंधक, डिप्लो. (सिविल), डीबीएम

वत्सल पटेल
प्रबंधक, बीई (मेक.)

विवेक जयसवाल
प्रबंधक, बीई (सिविल)

सुमित शेखर
प्रबंधक, बीई (मेक.)

सचिन ए सरवैया
उप प्रबंधक, बीई (मेक.)

अलर्क एस कुलकर्णी
उप प्रबंधक, बीटेक (इंस्ट्र), एमटेक (बायोटेक)

राहुल कुमार
उप प्रबंधक, बीटेक (इलेक्ट्रिकल)

एंथ्रेक्स परियोजना, आईवीपीएम, रानीपेट

एफ प्रदीप राज
प्रबंधक, बीई, एमटेक (सिविल)

सैयद अब्दुल राशिद
उप प्रबंधक, बीई (मेक.)

एसेप्टिक पैकेजिंग केंद्र परियोजना, बस्सी पठाना

जसदेव सिंह
प्रबंधक, बीटेक (इले.), एमटेक (पावर इंजीनियरिंग)

नीरव पी सक्सेना
उप प्रबंधक, बीई (मेक.), एमई (कैड/कैम)

स्वचालित डेरी संयंत्र परियोजना, एरिलो, ओडिशा

सौम्य रंजन मिश्र
प्रबंधक, बीई (इलेक्ट.)

अभिषेक सिंघल
उप प्रबंधक, बीटेक (सिविल)

भीलवाड़ा डेरी परियोजना, भीलवाड़ा

बलराम निबोरिया
प्रबंधक, बीटेक (सिविल)

बलबीर शर्मा
प्रबंधक, डीईई, बीटेक (इलेक्ट.)

केंद्रीय पशु प्रजनन फार्म (सीसीबीएफ) परियोजना, अंदेशनगर

गोपाल के नारंग
वरिष्ठ प्रबंधक, बीई (सिविल), डिप्लो.- एमसीएम

डेरी परियोजना स्थल, पशु आहार संयंत्र, एआईटीआई प्रशिक्षण केंद्र परियोजना, गुवाहाटी

धर्मेंद्र के बेहरा
प्रबंधक, बीई (मेक.), एमबीए (विपणन एवं सिस्ट)

प्रतीक के अग्रवाल
प्रबंधक, बीई (सिविल)

आसुतोश सामल
प्रबंधक, बीटेक (सिविल)

एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट, रोहतक

गौरव सिंह
प्रबंधक, बीटेक (सिविल)

ईटीपी साबर डेरी परियोजना स्थल, हिम्मतनगर

संतोष पाटीदार
उप प्रबंधक, बीई (सिविल)

हैदराबाद डेरी परियोजना स्थल, हैदराबाद

बिभु प्रसाद जेना
प्रबंधक, बीई (सिविल)

आइसक्रीम प्लांट प्रोजेक्ट, आविन मदुरै डेरी परिसर, मदुरै

यू सुंदरा राव
प्रबंधक, डीईई, बीटेक (ईईई)

तारक राजनी
प्रबंधक, बीई (सिविल)

जालंधर डेरी परियोजना, जालंधर

चरन सिंह
प्रबंधक, डिप्लो. (सिविल), बीटेक

अंशुल चौरसिया
उप प्रबंधक, बीई (मेक.)

लुधियाना डेरी विस्तार परियोजना, लुधियाना

अक्षय मंडोरा
प्रबंधक, बीई (मेक.)

कृष्ण देव
उप प्रबंधक, बीटेक (सिविल), एमटेक (जियो-टेकनिकल)

दुग्ध उत्पाद संयंत्र परियोजना, बरौनी

जय नगर
प्रबंधक, बीई (सिविल)

सुरजीत के चौधरी
प्रबंधक, बीई (मेक.)

आशीष रवि
प्रबंधक, बीटेक (सिविल)

पलामू डेरी परियोजना, पलामू

प्रदीप लाइक
प्रबंधक, बीटेक (इलेक्ट.)

निकुंजकुमार एन परमार
उप प्रबंधक, बीई (सिविल)

सागर डेरी परियोजना, सागर

सुधीर कुमार गंगल
प्रबंधक, डीसीई, बीई (सिविल)

शैलेश एस जोशी
प्रबंधक, बीई (मेक.)

साहेबगंज डेरी परियोजना, साहेबगंज

धीरज बी टेमभुर्ने
प्रबंधक, बीई (सिविल)

तुषार एस चवान
उप प्रबंधक, बीई (मेक.)

उपयोगिता

एस सी सुरचौधरी
उप महाप्रबंधक, बीई (इलेक्ट.)

रूपेश ए दर्जी
प्रबंधक, बीई (इलेक्ट.)

विपुल एल सोलंकी
प्रबंधक, बीई (ईसीई)

बृजेश कुमार
उप प्रबंधक, बीटेक (सिविल)

सत्यबान बेहेरा
उप प्रबंधक, बीटेक (सिविल)

गुणवत्ता आश्वासन

एस डी जैसिंघाणी
उप महाप्रबंधक,
बीएससी (डीटी), पीजीडीएचआरएम

सुरेश पहाड़िया
वरिष्ठ प्रबंधक, बीटेक (डीटी),
एमएससी (डेरी)

नवीनकुमारा एसी
उप प्रबंधक, बीटेक (डीटी),
एमटेक (डेरी माइक्रो)

उत्पाद एवं प्रक्रिया विकास

आदित्य कुमार जैन
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी (डीटी), एमएससी (डेरी)

जितेंद्र सिंह
वैज्ञानिक ।।।, बीएससी, एमएससी (माइक्रो),
पीएचडी (डेरी माइक्रो)

सौगता दास
वैज्ञानिक ।।, बीटेक (डीटी),
एमएससी (डेरी माइक्रो)

हरेंद्र पी सिंह
वैज्ञानिक ।।, बीटेक (डीटी),
एमएससी (डेरी केम)

विशालकुमार बी त्रिवेदी
वैज्ञानिक ।।, बीटेक (डीटी), एमटेक (डीटी)

ललिता मोदी
वैज्ञानिक ।।, बीटेक (डीटी), एमटेक (डीटी)

सहकारिता सेवाएं

एनडीडीबी, आणंद

अभिजीत भट्टाचारजी
महाप्रबंधक, बीएससी,
एलएलबी, पीजीडीआरडी

धनराज साहनी
वरिष्ठ प्रबंधक, एमबीए (विपणन), डीपीसीएस

सीमा माथुर
वरिष्ठ प्रबंधक, एमए (अंग्रेजी)

हृषिकेश कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी (भौ.), पीजीडीआरएम

विशाल कुमार मिश्रा
प्रबंधक, बीए, एमए (एसडब्ल्यू)

संदीप धीमान
प्रबंधक, बीकॉम, एमए (एसडब्ल्यू)

डेंजिल जे डायस
उप प्रबंधक, बीटेक (डीटी),
एमटेक (डीटी)

विष्णु देथ जी
उप प्रबंधक, बीटेक (सीएस), पीजीडीआरएम

सीएस-मार्केटिंग प्रकोष्ठ

हर्षेंद्र सिंह
वरिष्ठ प्रबंधक, बीई (इलेक्ट. एवं पावर
इंजीनियरिंग), एमबीए (विपणन)

सीएस-एनएफएन

स्मृति सिंह
प्रबंधक, बीए (अंग्रेजी),
पीजीडीएम (विपणन एवं एचआर)

काजल दक्षेश जोशी
उप प्रबंधक, बीकॉम, एमएसडब्ल्यू

क्षेत्रीय विश्लेषण एवं योजना

एस मित्रा
उप महाप्रबंधक, बीएससी (इलेक्ट. इंजीनियरिंग),
पीजीडीआरएम

जिग्नेश जी शाह
उप महाप्रबंधक, बीई (इलेक्ट.), एमबीए,
पीएचडी (प्रबंधन), डिप्लो. (निर्यात प्रबंधन)

अनिल पी पटेल
वरिष्ठ प्रबंधक, एमएससी (एग्री.), पीजीडीएमएम

मेना एच पाघडार
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी, एमसीए

आशुतोष सिंह
प्रबंधक, एमए (इको.), पीएचडी (इको.)

सर्वेश कुमार
प्रबंधक, बीएससी (एग्री. एवं एएच),
एमएससी (डेरी इको.), पीएचडी (डेरी इको.),
पीजीडीएमएक्स-आर

बिस्वजीत भट्टाचारजी
प्रबंधक, बीएससी (एग्री.),
एमएससी (एग्री. इको.), पीजीडीएमएक्स-आर

काहनू सी बेहेरा
प्रबंधक, बीएससी (एग्री.), पीजीडीआरएम

आयुष कुमार
प्रबंधक, बीटेक (जेनेटिक इंजीनियरिंग),
पीजीडीएम

सौरभ कुमार
प्रबंधक, बीटेक (इलेक्ट. एवं कॉम),
पीजीडीएम

रीति
प्रबंधक, बीएससी (जू.),
पीजीडीएम (वित्त एवं विपणन)

श्वेता एन रामटेके
उप प्रबंधक, बी पीटीएच, पीजीडीआरएम

अश्मी कुवेरा एम वी
उप प्रबंधक, बीई (ईईई), पीजीडीआरएम

जनसंपर्क, संचार एवं आतिथ्य

बसुमन भट्टाचार्य
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी (बॉट), एमए
(पत्रकारिता), सामाजिक संचार (फिल्म निर्माण)
में डिप्लो.

दिव्यराज आर ब्रह्मभट्ट
प्रबंधक, बीए (अंग्रेजी), पीजीडीबीए,
एमबीए (पीआर)

दीपांकर मुखर्जी
उप प्रबंधक, बीएससी, एमए (मास कॉम),
पीजीडी (पत्रकारिता एवं मास कॉम)

आकांक्षा एल कुमार
उप प्रबंधक, बीए (अंग्रेजी), एमए (पत्रकारिता
एवं मास कॉम), पीजीडी (पत्रकारिता)

क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता

पी साहा
महाप्रबंधक, बीटेक (एग्री. इंजीनियरिंग)

के भट्टाचार्य
वरिष्ठ प्रबंधक, बीवीएससी, एमवीएससी (माइक्रो)

आर सुंदरराजन
वरिष्ठ प्रबंधक, एएमआई (मेक.)

सब्यसाची रॉय
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी (एग्री.) ऑनर्स,
एमएससी (एग्री.), पीजीडीआरडी, पीएचडी (एग्री.)

प्रीतम के सैकिया
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच,
एमवीएससी (पशु पोषण), पीजीडीएमएक्स-आर

कौशिक रॉय
प्रबंधक, बीटेक (इले.)

रबींद्र के. बेहरा
प्रबंधक, बीई (सिविल)

हर्षवर्धन
प्रबंधक, बीटेक (इलेक्ट्रो),
पीजीडीएम (वित्त)

पदम वीर सिंह
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच,
एमवीएससी (पशु पोषण)

श्रेष्ठा
प्रबंधक, बीसीए,
पीजीडीएम (एचआर एवं विपणन)

सुरभि पवार
प्रबंधक, बीबीए, पीजीडीएम-आरएम

गौतम कुमार झा
उप प्रबंधक, बीई (सिविल)

क्षेत्रीय प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण केंद्र, सिलीगुड़ी

कमलेश प्रसाद
प्रबंधक, डीएमएलटी, बीएससी,
बीवीएससी एवं एएच
पीजीडीएम (आरएम-एक्स)

चैताली चटर्जी
प्रबंधक, बीए, एमए (तुलनात्मक साहित्य)

ऋतुराज बोरा
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच, एमवीएससी

रमेश कुमार
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच,
एमवीएससी (एलपीएम)

क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलुरु

एस राजीव
महाप्रबंधक, बीटेक (इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग),
पीजीडीआरएम

शशिकुमार बीएन
उप महाप्रबंधक,
बीई (ईईई), पीजीडीआरडीएम

एम जयकृष्णा
उप महाप्रबंधक, एमए (इको.),
एमफिल (इको.), पीएचडी (इको.)

टी टी विनयगम
वरिष्ठ प्रबंधक, बीई (एग्री.), पीजीडीआरएम

एम एन सतीश
वरिष्ठ प्रबंधक, एमएससी (सांख्यिकी)

एस एस न्यामागोंडा
वरिष्ठ प्रबंधक, एमएससी (एग्रो), सीआईसी

एम एल गवांडे
वरिष्ठ प्रबंधक, बीवीएससी, एमवीएससी
(वेट मेड)

लता सिरिपुरापु
वरिष्ठ प्रबंधक, बी कॉम, पीजीडीबीए (वित्त)

रजनी बी त्रिपाठी
प्रबंधक, बीएससी (बॉट),
एमएसडब्ल्यू, पीजीडीआईआरपीएम

थुंगय्या सालियान
प्रबंधक, बीए, एमएसडब्ल्यू, पीजीडी-एचआरएम,
पीजीडीएम (आरएम-एक्स)

दिव्या टीआर
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच,
एमवीएससी (एनिमल रिप्रो. एवं ऑब्सटेट्रिक्स)

निम्मी तोपनो
प्रबंधक, बीकॉम, पीजीडीएम-एचआरएम

पृथ्वी पातनेनी
प्रबंधक, बीटेक (सिविल),
एमटेक (क्यूएम)

जगदीश नायका
उप प्रबंधक, बीटेक (डीटी),
एमटेक (फूड टेक)

क्षेत्रीय प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण केंद्र, इरोड

एम गोविंदन
उप महाप्रबंधक, एमए (एसडब्ल्यू), एमबीए

टी पी अरविंद
वरिष्ठ प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच,
एमवीएससी (वेट. माइक्रो)

एस ए अनुषा
उप प्रबंधक, बीवीएससी,
एमवीएससी (वेट. पब्लिक हेल्थ)

एनडीडीबी कार्यालय, त्रिवेंद्रम

रोमी जैकब
वरिष्ठ प्रबंधक, एमएससी (एग्री.)

एनडीडीबी कार्यालय, हैदराबाद

बी वी महेशकुमार
वरिष्ठ प्रबंधक, एमएससी (एग्री.)

एनडीडीबी कार्यालय, इरोड

ए कृतिगा
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी (एग्री.),
एमए (ग्रामीण विकास)

क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई

ए एस हातेकर
महाप्रबंधक, एमएससी (एग्री.)

हलानायक ए एल
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी (एग्री. विपणन एवं
कॉप.), एमएससी (एग्री. इको.)

स्वाति श्रीवास्तव
प्रबंधक, बीएससी (भौ.), पीजीडीआरएम

विदर्भ मराठवाड़ा परियोजना, नागपुर

सचिन एस शंखपाल
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच, एमवीएससी (पशु
पोषण), पीएचडी (पशु पोषण)

फ्रेडरिक सेबस्टियन
उप प्रबंधक, एमए (डेव स्टडीज), पीजीडीडीएम,
पीजीसीएमआरडीए

क्षेत्रीय कार्यालय, नोएडा

राजेश गुप्ता
उप महाप्रबंधक, बीएससी, एमएसडब्ल्यू

एस के नासा
उप महाप्रबंधक, बीई (सिविल)

अरुण चंडोक
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी,
पीजीडी (आईआरपीएम), डीसीएस, एमबीए

एम के राजपूत
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी,
बीई (फूड इंजीनियरिंग एवं टेक)

प्रितेश जोशी
वरिष्ठ प्रबंधक, बीई (मेक.), पीजीडीआरएम

संजय कुमार यादव
प्रबंधक, बीएससी, एमबीए (आरडी)

मनोज कुमार
प्रबंधक, बीटेक (मेक.)

सत्यपाल कुर्रे
प्रबंधक, डी फार्मा,
बीवीएससी एवं एएच, एमबीए

जितेंद्र सिंह राजावत
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच,
कृषि व्यवसाय में पीजीडी

आशीष सिजेरिया
उप प्रबंधक, बीई (इलेक्ट्रॉनिक्स),
पीजीडीआरएम

क्षेत्रीय प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण केंद्र, जालंधर

श्रीकांत साहू
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी, बीवीएससी एवं एएच,
एमबीए

मनोज कुमार गुप्ता
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच,
एमवीएससी (वेट. माइक्रो)

एनडीडीबी कार्यालय, चंडीगढ़

धनराज खत्री
प्रबंधक, बीए, एमए (एसडब्ल्यू)

रुमीनपाल सिंह बाली
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच, एमवीएससी
(एनिमल रिप्रो. गायनोकोलॉजी एवं ऑब्सटेट्रिक्स)

एनडीडीबी कार्यालय, लखनऊ

मोहम्मद राशिद
प्रबंधक, बीए, पीजीडीडीएम

प्रतिनियुक्ति पर

मदर डेरी फ्रूट एवं वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड (विदर्भ मराठवाड़ा परियोजना, नागपुर)

वी श्रीधर
वरिष्ठ महाप्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच, एमवीएससी (पशु पोषण), एमबीए

वाराणसी दुग्ध संघ, वाराणसी

एस एस सिन्हा
महाप्रबंधक, बीई (इलेक्ट.)

अरविंद कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी (एग्री.), एमएससी (एग्री. विपणन एवं कॉप.), पीजीडीएम (आरएम-एक्स)

एस महापात्रा
वरिष्ठ प्रबंधक, बीए (साइ), एलएलबी, पीजीडीएम (एचआरएम)

राहुल त्रिपाठी
प्रबंधक, बीकॉम, एमबीए (वित्त)

आलोक प्रताप सिंह
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच, एमवीएससी (पशु पोषण)

भारत सिंह
प्रबंधक, बीटेक (मेक.)

रवींद्र जी रामदासिया
प्रबंधक, एमकॉम, सीए, सीएस, पीजीडीएम (आरएम-एक्स)

मनोज कुमार बी सोलंकी
प्रबंधक, बीटेक (डीटी), एमटेक (डेरी केम)

साकिब खान
प्रबंधक, एमसीए

अरविंद कुमार यादव
प्रबंधक, बीटेक (मेक.), एमबीए (इन्फ्रा)

हितेंद्रकुमार बी रावल
प्रबंधक, बीटेक (डेरी एवं फूड टेक), एमटेक (डीटी)

पश्चिम असम दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड (वामूल), गुवाहाटी

एस बी बोस
महाप्रबंधक, बीई (मेक.), पीजीडीआरडीएम

एस के परिदा
वरिष्ठ प्रबंधक, बीई (इलेक्ट.)

चिराग के सेवक
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी (गणित), पीजीडीसीए, पीजीडीटीपी, आईसीडब्ल्यूए, पीजीडीएमएक्स-आर

मयंक टंडन
प्रबंधक, बीएससी, एमएससी कृषि (पशु पोषण), पीएचडी (पशु पोषण)

कुलदीप बोरा
प्रबंधक, बीएससी (बायोटेक), पीजीडीडीएम

विपिन नामदेव
प्रबंधक, एमकॉम, पीजीडीसीए, आईसीडब्ल्यूए

अनीश नायर
प्रबंधक, बीटेक (इंस्ट्रूमेंटेशन), पीजीडीआरएम

ओडिशा राज्य सहकारी दूध उत्पादक महासंघ लिमिटेड (ओमफेड), भुवनेश्वर

ए सी सिन्हा
प्रबंध निदेशक (ओएमफेड), बीटेक (डीटी), एमबीए

विवेक एस गोर
उप प्रबंधक, बीटेक (सिविल), पीजीडीआरएम

झारखंड दुग्ध संघ (जेएमएफ), रांची

सुधीर कुमार सिंह
प्रबंध निदेशक (जेएमएफ), बीएससी (डीटी), एमबीए (मार्केटिंग)

नितिन एम शिंकर
उप महाप्रबंधक, बीई (मेटलर्जी), पीजीपीबीए (पी एवं ओ प्रबंधन)

जयदेव बिस्वास
उप महाप्रबंधक, बीएससी (केम), पीजीडीआरडी, पीजीडीएचआरएम

टी सी गुप्ता
वरिष्ठ प्रबंधक, बीएससी (ऑनर्स), एमएससी (एग्री.), पीएचडी (एग्रो)

तुसार कांति पात्रा
वरिष्ठ प्रबंधक, बीकॉम, आईसीडब्ल्यूए,

शैली तोपनो
प्रबंधक, बीए (ऑनर्स), एमए (एसडब्ल्यू)

मिलन कुमार मिश्र
प्रबंधक, बीकॉम, पीजीडीडीएम

स्वप्निल ठाकर
प्रबंधक, एमकॉम, सीए, पीजीडीएमएक्स-आर

आभास अमर
प्रबंधक, बीबीए, पीजीडीएम

प्रियंका तोप्पो
प्रबंधक, बीकॉम, पीजीडीआरएम

एलन सेवियो एक्का
प्रबंधक, बीएससी (आईटी), पीजीडीएम-आरएम

कर्नाटक ऑयल फेडरेशन, बेंगलुरु

जी सी रेड्डी
उप महाप्रबंधक, एमएससी (सांख्यिकी), एमफिल (जनसंख्या अध्ययन)

बैंगलोर अर्बन, रूरल एवं रामनगर मिल्क यूनियन लिमिटेड, (बामूल), बेंगलुरु

पंकज सिंह
वरिष्ठ प्रबंधक, एमएससी (एग्री.), पीजीडीएमएक्स-आर

निधि नेगी पटवाल
प्रबंधक, बीएससी, एमएससी (रसायन विज्ञान), पीजीडीआरएम

मदर डेरी फ्रूट एवं वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

विनय गुप्ता
वरिष्ठ प्रबंधक, बी कॉम, आईसीडब्ल्यूए, पीजीडीएम (आरएम-एक्स)

ब्रजेश साहू
प्रबंधक, बीकॉम, सीए

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी डेरी महासंघ लिमिटेड, रायपुर

शुभांकर नंदा
प्रबंधक, बीवीएससी एवं एएच, एमवीएससी (एएन)

शब्दावली

एआई
– कृत्रिम गर्भाधान

एएमआर
– एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध

एपीएआरटी
– असम कृषि व्यवसाय और ग्रामीण परिवर्तन परियोजना

एआरआईएएस
– असम ग्रामीण बुनियादी ढांचा और कृषि सेवा समिति

बीबी
– गोवंशीय ब्रूसेलोसिस

बीसीपी
– ब्रूसेलोसिस नियंत्रण कार्यक्रम

बीडीवी
– गोवंशीय वायरल डायरिया

बीजीसी
– गोवंशीय जेनिटल कम्पाइलोबैक्टीरियोसिस

बीआईएस
– भारतीय मानक ब्यूरो

बीएमसी
– बल्क मिल्क कूलर

सीएसी
– कोडेक्स एलीमेंटेरियस समिति

सीसीबीएफ
– केंद्रीय पशु प्रजनन फार्म

सीएफएसपीएंडटीआई
– केंद्रीय हिमीकृत वीर्य उत्पादन एवं प्रशिक्षण संस्थान

सीएमटी
– कैलिफोर्निया थनैला परीक्षण

सीआरपी
– बछड़ी पालन कार्यक्रम

सीएसटी
– कंसंट्रेटेड सोलर थर्मल

डीएएचडी
– पशुपालन एवं डेरी विभाग

डीसीएस
– डेरी सहकारी समिति

डीआईडीएफ
– डेरी बुनियादी ढांचा विकास निधि फंड

डीपीएमसीयू
– आंकड़ा प्रसंस्करण आधारित दूध संकलन इकाइयां

डीपीआर
– विस्तृत परियोजना रिपोर्ट

ईएपी
– इक्विटी कार्य योजना

ईएफएस
– विस्तारित हिमीकृत वीर्य

ईआईए
– अंतिम कार्यान्वयन एजेंसियां

ईआईसी
– निर्यात निरीक्षण परिषद

ईएसएपी
– पर्यावरण और सामाजिक कार्य योजना

ईवीएम
– एथनो–वेटनरी मेडिसिन

ईडब्ल्यूजी
– ई–वर्किंग समूह

एफएमडी
– खुरपका एवं मुंहपका रोग

एफएमडी-सीपी
– खुरपका एवं मुंहपका रोग नियंत्रण परियोजना

एफएसएसएआई
– भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण

एफओपीएल
– फ्रंट–ऑफ–पैक लेबलिंग

जीईबीवी
– जीनोमिक आकलित प्रजनन मूल्य

जीओआई
– भारत सरकार

जीओएम
– महाराष्ट्र सरकार

एचएसीसीपी
– आपदा विश्लेषण एवं संकट नियंत्रण बिंदु

एचजीएम
– श्रेष्ठ आनुवंशिक गुण

आईबीआर
– संक्रामक गोवंशीय राइनोट्रेकाइटिस

आईसीएआर
– भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

आईडीए
– अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ

आई-डीआईएस
– इंटरनेट पर आधारित डेरी सूचना प्रणाली

आईएफसीएन
– अंतर्राष्ट्रीय फार्म तुलना नेटवर्क

आईएलसी
अंतर प्रयोगशाला तुलना

इनाफ
– पशु उत्पादकता एवं स्वास्थ्य के लिए सूचना नेटवर्क

इरमा
– इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट, आणंद

आईवीईपी
– इन विट्रो भ्रूण उत्पादन

जेएमएफ
– झारखंड दूध महासंघ

किग्रा
– किलोग्राम

एलसीपी
– कम लागत का फार्म्यूलेशन

एलकेजीपीडी
– लाख किलोग्राम प्रतिदिन

एलएलपीडी
– लाख लीटर प्रतिदिन

एलआरपी
– स्थानीय जानकार व्यक्ति

एमएएफएसयू
– महाराष्ट्र पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय

एमएआईटी
– मोबाइल एआई तकनीशियन

एमसीपीपी
– थनैला नियंत्रण लोकप्रियता परियोजना

एमडीएफवीपीएल
– मदर डेरी फ्रूट एंड वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड

एमपीसी
– दूध उत्पादक कंपनी

एमएसपी
– न्यूनतम मानक प्रोटोकॉल

एमटीसी
– माइक्रो प्रशिक्षण केंद्र

एमटीपीडी
– मीट्रिक टन प्रतिदिन

एनएडीसीपी
– राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम

एनसीसी
– राष्ट्रीय कोडेक्स समिति

एनसीडीएफआई
– नेशनल कोऑपरेटिव डेरी फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

एनडीपी I
– राष्ट्रीय डेरी योजना I

एनएफएन
– एनडीडीबी फाउंडेशन फॉर न्यूट्रीशन

एनपीडीडी
– राष्ट्रीय डेरी विकास कार्यक्रम

एनआरएलएम
– राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन

एनएससी
– राष्ट्रीय संचालन समिति

ओपीयू
– ओवम पिक–अप

पीसी
– उत्पादक कंपनी

पीआईपी
– परियोजना कार्यान्वयन योजना

पीओआई
– उत्पादक स्वामित्व वाली संस्था

पीएस
– वंशावली चयन

पीटी
– संतति परीक्षण

आरबीपी
– आहार संतुलन कार्यक्रम

आरजीएम
– राष्ट्रीय गोकुल मिशन

आरएसएफपीएंडडी
– क्षेत्रीय चारा उत्पादन एवं प्रदर्शन केंद्र

एससीसी
– सोमेटिक सेल काउंट

एससीएम
– उप–नैदानिक थनैला

एसएमपी
– स्किम्ड मिल्क पाउडर

एसएनटी
– सीरम न्यूट्रीलाइजेशन परीक्षण

एसओपी
– मानक प्रचालन प्रक्रिया

एसपीसीसी
– स्पिल प्रिवेंशन, कंट्रोल एंड काउंटरमेजर

एसएस
– वीर्य केंद्र

एसडीजी
– सतत विकास लक्ष्य

टीएलपीडी
– हजार लीटर प्रतिदिन

टीएमआर
– संपूर्ण मिश्रित आहार

टीओटी
– प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

वीबीएमपीएस
– ग्राम आधारित दूध संकलन प्रणाली

वीएमडीडीपी
– विदर्भ मराठवाड़ा डेरी विकास परियोजना

वामूल
– पश्चिम असम दूध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड

कृतज्ञता ज्ञापन

- जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ, महासंघ तथा सहभागी राज्य तथा केन्द्र शासित सरकारें
- भारत सरकार, विशेष रूप से पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, सहकारिता मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, जलशक्ति मंत्रालय, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा नीति आयोग

Concept & Design
WYATT Prism COMMUNICATIONS (info@wyatt.co.in)

मुख्यालय
पोस्ट बॉक्स सं. 40, आणंद 388 001
दूरभाष: (02692) 260148/260149/260160
फैक्स: (02692) 260157
ई-मेल: anand@nddb.coop

कार्यालय
पोस्ट बॉक्स सं. 9506, VIII ब्लॉक,
80 फीट रोड, कोरमंगला,
बेंगलुरू 560 095
दूरभाष: (080) 25711391/25711392
फैक्स: (080) 25711168
ई-मेल: bangalore@nddb.coop

डीके ब्लॉक, सेक्टर II,
सॉल्ट लेक सिटी, कोलकाता 700 091
दूरभाष: (033) 23591884/23591886
फैक्स: (033) 23591883
ई-मेल: kolkata@nddb.coop

पोस्ट बॉक्स सं. 9074,
वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, गोरेगांव (पूर्व),
मुंबई 400 063
दूरभाष: (022) 26856675/26856678
फैक्स: (022) 26856122
ई-मेल: mumbai@nddb.coop

प्लॉट सं. ए-3, सेक्टर-1,
नोएडा 201 301
दूरभाष: (0120) 4514900
फैक्स: (0120) 4514957
ई-मेल: noida@nddb.coop

www.nddb.coop